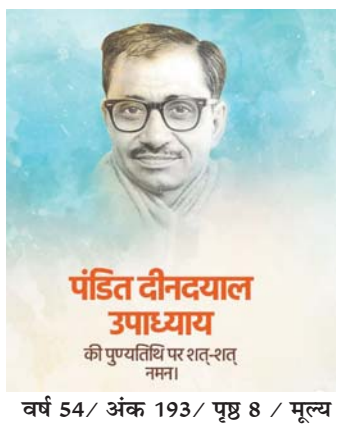

दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 193/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

आर.एन.आई 22296/71 डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 11 फरवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

फ्रांस में मैक्रों ने गले लगाकर किया पीएम मोदी का स्वागत, बोले- आपका स्वागत है मेरे दोस्त

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फ्रांस में जबरदस्त स्वागत किया गया। पेरिस में एआई शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता किए जाने से पहले आयोजित स्वागत रात्रिभोज में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गले लगाकर उनका स्वागत किया। पीएम मोदी ने सोमवार को एक्स पर लिखा, पेरिस में अपने मित्र राष्ट्रपति मैक्रों से मिलकर खुशी हुई। रात्रिभोज में प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप

राष्ट्रपति जेडी वेंस से भी मुलाकात की। वेंस भी एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए फ्रांस में हैं।

उप राष्ट्रपति जेडी वेंस से भी बातचीत की- प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने पेरिस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस से बातचीत की।

'एआई एक्शन समिट' की सह-अध्यक्षता करेंगे

प्रधानमंत्री मोदी तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को फ्रांस पहुंचे जहां वह फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ 'एआई एक्शन समिट' की सह-अध्यक्षता करेंगे और उनके साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। प्रधानमंत्री के होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

पेरिस में एक यादगार स्वागत!- प्रधानमंत्री मोदी ने एक पोस्ट में कहा, पेरिस में एक यादगार स्वागत! ठंड के मौसम के बावजूद भारतीय समुदाय ने आज शाम अपना स्नेह दिखाया। हम अपने प्रवासी समुदाय के प्रति आभारी हैं और उनकी उपलब्धियों पर गर्व करते हैं!

हाई कोर्ट का बड़ा फैसला!

शिक्षक भर्ती में ईडब्लूएस वर्ग को भी मिलेगी आयु में छूट

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने शिक्षक भर्ती में EWS आरक्षण को लेकर बड़ा फैसला सुनाया। बताया जा रहा है कि, शिक्षक भर्ती परीक्षा में अब EWS वर्ग के अभ्यर्थियों को अन्य रिजर्व कैटेगरी की तरह 5 साल की आयु छूट मिलेगी। इस फैसले के बाद अब 45 साल के EWS अभ्यर्थी भी शिक्षक भर्ती परीक्षा में बैठ पाएंगे। इस फैसले के बाद हजारों उम्मीदवारों को लाभ होगा।

जानकारी के अनुसार, EWS वर्ग आरक्षित वर्ग में आता है। जहां SC/ ST/OBC वर्ग को 5 साल की आयु छूट प्रदान की गई थी। वहीं EWS वर्ग को इससे बाहर रखा गया था। इस भेदभाव के खिलाफ रीवा के रहने वाले पुष्पेंद्र द्विवेदी ने अदालत में याचिका दायर की थी। अब मध्यप्रदेश हाई कोर्ट में दायर इस याचिका को लेकर बड़ा फैसला आया है। अदालत में याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया था कि, जब EWS भी SC/ ST/OBC वर्ग की तरह आरक्षित है तो आयु में छूट का लाभ इन्हें भी मिलना चाहिए। अदालत में दलील दी गई कि, EWS वर्ग को आयु छूट प्रदान न करना संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 16 के खिलाफ है। जहां अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता और कानून के समान संरक्षण की बात कहता है वहीं अनुच्छेद 16 पब्लिक एम्प्लॉयमेंट में समानता की बात को स्थापित करता है। दोनों ही अनुच्छेद मौलिक अधिकार के भाग हैं। जो संविधान का मूल ढांचा है।

मंत्री प्रहलाद पटेल का X अकाउंट हैक, आपत्तिजनक पोस्ट से मचा हड़कंप

भोपाल। मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग (पहले ट्विटर) का अकाउंट हैक हो गया है। हैकर्स ने मंत्री के अकाउंट से आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट कर दी है। वहीं, घटना के तुरंत बाद मंत्री ने भोपाल स्थित साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई और आम जनता को सतर्क रहने की सलाह दी है।

साइबर सेल में शिकायत की दर्ज – मंत्री पटेल ने अकाउंट हैक होने के बाद भोपाल साइबर सेल को इस घटना की जानकारी दी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि उनके अकाउंट से आने वाली किसी भी पोस्ट, लिंक, फोटो या वीडियो पर ध्यान न दें। साथ ही, यह भी साफ किया कि उनके अकाउंट से किए गए किसी भी आपत्तिजनक पोस्ट से उनका कोई संबंध नहीं है।

प्रयागराज महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की बस भीषण हादसे की शिकार, 7 की मौत

मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में मंगलवार सुबह प्रयागराज महाकुंभ से आंध्र प्रदेश लौट रहे 7 श्रद्धालुओं की मिनी बस और ट्रक की टक्कर में मौत हो गई। जबलपुर कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना ने बताया कि यह घटना जिला मुख्यालय से 65 किलोमीटर दूर सिहोरा कस्बे के पास सुबह

करीब 8.30 बजे हुई। उन्होंने बताया कि ट्रक और मिनी बस की टक्कर में आंध्र प्रदेश के सात लोगों की मौत हो गई। ये सभी लोग महाकुंभ में स्नान कर वापस लौट रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि ट्रक गलत दिशा से राजमार्ग पर जा रहा था, जिससे यह दुर्घटना हुई। उन्होंने बताया कि सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य मिनी बस के अंदर फंस गए। दुर्घटना के बाद कलेक्टर और जबलपुर के पुलिस अधीक्षक दुर्घटनास्थल के लिए रवाना हो गए।

आगर उज्जैन मार्ग पर ट्रक-कार की भिड़ंत

एक अन्य हादसा मंगलवार तड़के आगर उज्जैन मार्ग पर हुआ। यहां कृषि विज्ञान केंद्र के समीप एक ट्रक ओर कार की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। भिड़ंत इतनी तेज थी कि दोनों वाहन रोड़ से करीब 500 मीटर दूर खेत में जा गिरे। हादसे में दो व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो गंभीर रूप से घायल है, जिन्हें इलाज के लिए जिला हॉस्पिटल में रेफर किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक

नई उद्योग नीति, निर्यात नीति, लाजिस्टिक नीति और पर्यटन नीति को कैबिनेट की मंजूरी

भोपाल। मध्यप्रदेश में 24 और 25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पहले प्रदेश की नई उद्योग संवर्धन नीति, मध्यप्रदेश एक्सपोर्ट प्रमोशन नीति, मध्यप्रदेश लाजिस्टिक नीति और वर्ष 2020 में जारी मध्यप्रदेश फिल्म पर्यटन नीति में संशोधन को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी।

नई उद्योग संवर्धन नीति में निवेशकों के लिए रियायतों का पिटारा खोल दिया है। पचास से 125 करोड़ रुपए का निवेश करने वाले निवेशकों को चालीस से 32 प्रतिशत और 125 करोड़ से उपर निवेश करने वाले निवेशकों को 32 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक अधिकतम दो सौ करोड़ की निवेश प्रोत्साहन सहायता देगी। इस नीति में रियायती बिजली, अपशिष्ट प्रबंधन के लिए दस करोड़, अधोसंरचना विकास के लिए पांच करोड़, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश पर एक करोड़, माल के परिवहन के लिए दो करोड़, अधोसंरचना विकास हेतु चालीस करोड़, हरित औद्योगिकीकरण हेतु दस करोड़ रुपए की मदद निवेशकों को देने वाली है। इस नीति को आज कैबिनेट ने मंजूरी प्रदान कर दी।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई कैबिनेट बैठक में उद्योग संवर्धन नीति के तहत सेक्टर विशिष्ट की दस नीतियों को भी मंजूरी प्रदान की गई।

उद्योगों को मिलेगी मदद

विद्युत टैरिफ में रियायत दी जाएगी। नवीन इकाईयों को डिस्काम, ग्रिड से बिजली खरीदने पर विद्युत वितरण कंपनी के वार्षिक टैरिफ प्लान के आदेश अनुसार रियायती बिजली दी जाएगी। हरित औद्योगिकीकरण के लिए उपचार संयंत्र, सीवेज उपचार, संयंत्र प्रदूषण नियंत्रण उपकरण खरीदने पचास प्रतिशत की सहायता अधिकतम पांच करोड़ रुपए तक दी जाएगी।

इन दस नीतियों में कृषि डेयरी एवं खाद्य प्रसंस्करण नीति, टैक्सटाईल नीति, परिधान, फुटवियर, खिलौने और सहायक उपकरण नीति, एयरोस्पेस और रक्षा उत्पादन प्रोत्साहन नीति, फार्मास्यूटिकल नीति, बॉयोटेक्नालॉजी नीति, मेडिकल डिवाईसेस नीति, ईव्ही विनिर्माण नीति, नवकरणीय उर्जा उपकरण विनिर्माण नीति, हाई वेल्यू एड विनिर्माता नीतियों को भी कैबिनेट ने मंजूरी प्रदान कर दी। नई उद्योग संवर्धन नीति में निवेश प्रोत्साहन सहायता, ब्याज अनुदान, रोजगार सृजन एवं प्रशिक्षण और कौशल विकास सहायता, ईटीपी, जेडएलडी, अधोसंरचना विकास, गुणवत्ता प्रमाणीकरण के लिए अगले पांच वर्षो में सरकार 13 हजार 719 करोड़ रुपए खर्च करेगी।

सीएम ने किया 'नमोवन' का भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर लाल घाटी स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा प्रतिमा स्थल पर विकसित हो रही नमो वन वाटिका का भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने भोपाल नगर निगम के 417 करोड़ लागत के कार्यो का भूमि पूजन तथा लोकार्पण भी किया।

राजधानी का सबसे सुंदर पार्क होगा 'नमोवन'

लालघाटी चौराहे के पास VIP रोड पर 3 एकड़ जमीन पर 'नमोवन' बनेगा। यह पार्क सोलर लाइट से रोशन होगा, इसके साथ ही यहां फूड, टेनिस और बैडमिंटन कोर्ट बनेंगे। पार्क में फव्वारे और झूले भी रहेंगे, जो पार्क को और आकर्षक बनाएंगे। दावा है कि ये राजधानी का सबसे सुंदर पार्क होगा। पार्क में पूर्व प्रधानमंत्री पं. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा भी लगेगी। पार्क की सुंदरता बढ़ाने के लिए तीन तरह के पेड़-पौधे भी लगाए जाएंगे। जिसमें फलदार, छायादार पौधे भी शामिल हैं। करीब 100 किस्म के फूलों के पौधे भी लगेंगे।

जल्द पार्क डेवलप करने की प्रोसेस होगी शुरू

बता दें इस पार्क की डिजाइन पिछले साल बनी थी, फिर इसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (ष्ठक्क्र) अप्रूवल के लिए भेजी गई थी, जो मंजूर हो गई। बीजेपी जिलाध्यक्ष और एमआईसी मेंबर रविंद्र यति ने बताया, भूमिपूजन के साथ ही पार्क को डेवलप करने की प्रोसेस शुरू कर देंगे।

जमीन पर होगा पार्क डेवलप

जिस जगह पर पार्क विकसित किया जाना है, वो अभी अनुपयोगी है। ऐसे में इस पर अवैध कब्जा होने की आशंका है। इसलिए निगम ने जमीन पर पार्क डेवलप करने का प्लान बनाया।

छत्तीसगढ़ निकाय चुनाव में मतदान को लेकर भारी उत्साह

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 10 नगर निगमों, 49 नगर पालिका परिषदों और 114 नगर पंचायतों समेत 173 नगरीय निकायों में सुबह आठ बजे से वोटिंग जारी है। साथ ही दुर्ग और सुकमा के

नगरीय निकायों के रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए पांच वार्डों में उप चुनाव भी हो रहा है। वोटिंग को लेकर मतदाताओं में भारी उत्साह नजर आ रहा है, मतदान केंद्रों पर लंबी लाइनें लगी हैं।

महाशिवरात्रि पर बदलेगी महाकाल की दर्शन व्यवस्था

सामान्य और वीआईपी के लिए अलग प्रोटोकाल

उज्जैन। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में 17 फरवरी को शिव नवरात्र के रूप में शिव-पार्वती विवाह महोत्सव की शुरुआत होगी। लगातार दस दिन भगवान महाकाल को हल्दी लगाकर दूल्हा रूप में शृंगारित किया जाएगा। महापर्व को लेकर मंदिर में तैयारी की जा रही है। बुधवार से गर्भगृह में रुद्रयंत्र व रजत मंडित दीवार की सफाई होगी। इसके लिए दिल्ली से स्वर्णकार की टीम मंगलवार को उज्जैन पहुंचेगी। बारह ज्योतिर्लिंग में महाकाल एक मात्र ज्योतिर्लिंग हैं, जहां महाशिवरात्रि का उत्सव 10 दिन तक मनाया जाता है।

सरकार ने सोयाबीन और मूंगफली खरीद की समय सीमा बढ़ाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कुछ राज्यों के किसानों को बड़ी राहत देते हुए सोयाबीन और मूंगफली की खरीद की समय सीमा बढ़ाने का फैसला किया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोयाबीन और मूंगफली खरीद की समयसीमा में विस्तार को मंजूरी दे दी है। इससे बड़ी संख्या में किसानों को फायदा होगा।

इन राज्यों के किसानों को होगा फायदा- सरकार के फैसले के बाद पीएम-आशा योजना के तहत यह मंजूरी दी गई है। जिसमें सोयाबीन खरीद की समय सीमा को महाराष्ट्र में 24 दिनों के लिए और तेलंगाना में 15 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। वहीं कर्नाटक में मूंगफली खरीद की समय सीमा 25 दिनों और गुजरात में छह दिनों के लिए बढ़ा दी गई है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि तूर, मसूर और उड़द दाल की 100 फीसदी खरीद अगले चार वर्षों तक जारी रहेगी। उन्होंने

लॉटरी वितरक केंद्र को सेवा कर देने के लिए उत्तरदायी नहीं, कोर्ट में केंद्र की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को लॉटरी वितरकों से सेवा कर वसूलने से जुड़ी केंद्र की एक याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि लॉटरी वितरक केंद्र सरकार को सेवा कर देने के लिए उत्तरदायी नहीं हैं। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति एनके सिंह की पीठ सिक्किम उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ केंद्र की अपील से सहमत नहीं हुई। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने फैसला सुनाते हुए कहा, ÷चूंकि इस संबंध में कोई एजेंसी नहीं है, इसलिए प्रतिवादी (लॉटरी वितरक) सेवा कर का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं

थे। हालांकि, प्रतिवादी संविधान की सूची द्वद्ध की प्रविष्टि 62 के तहत राज्य की ओर से लगाए गए जुआ कर का भुगतान करना जारी रखेंगे।

पीठ ने कहा, ÷लॉटरी टिकट के खरीदार और फर्म के बीच हुए लेन-देन पर सेवा कर नहीं लगाया जाता है... उपरोक्त चर्चाओं के मद्देनजर, हमें भारत संघ और अन्य द्वारा दायर अपीलों में कोई योग्यता नहीं दिखती। इसलिए, इन अपीलों को खारिज किया जाता है। सिक्किम उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि केवल राज्य सरकार ही लॉटरी पर कर लगा सकती है, केंद्र नहीं।

ट्रम्प ने विदेशों में भ्रष्टाचार विरोधी कानून खत्म किया

अडाणी पर अमेरिका में इसी के तहत केस दर्ज

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने करीब 50 साल पुराने फॉरेन करप्ट प्रैक्टिसेस एक्ट को निलंबित कर दिया है। इससे विदेशों में व्यापार के लिए रिश्वत देना अपराध नहीं रहेगा। भारतीय बिजनेसमैन गौतम अडाणी पर इस कानून के तहत अमेरिका में केस दर्ज किया गया है। जिसमें उन पर भारतीयों अधिकारियों को रिश्वत देने की प्लानिंग का आरोप है। ट्रम्प ने यह फैसला क्कमोदी के अमेरिका दौरे से 2 दिन पहले लिया है। रॉयटर्स के मुताबिक ट्रम्प ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को इस कानून के तहत दिए गए फैसलों की समीक्षा करने के लिए गाइडलाइन्स बनाने का निर्देश दिया है

पिछले साल अमेरिका में उद्योगपति गौतम अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगे थे। आरोप पत्र के मुताबिक अडाणी की कंपनी ने भारत में रिन्यूएबल एनर्जी के प्रोजेक्ट गलत तरीके से हासिल किए।

माघी पूर्णिमा पर महाकुंभ: शहर नो-व्हीकल जोन, 10 किमी पैदल चलना पड़ेगा, वीवीआईपी पास रद्द

प्रयागराज। महाकुंभ में भीषण जाम के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अख्तियार किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अफसरों से कड़े लहजे में कहा है- किसी भी स्थिति में जाम नहीं लगना चाहिए। माघी पूर्णिमा पर नया ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है। अब मेला क्षेत्र ही नहीं, पूरे शहर को 12 फरवरी तक नो-व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है। कल्पवासियों के भी वाहन को अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी। सिर्फ प्रशासनिक अधिकारियों की गाड़ी और स्वास्थ्य विभाग के वाहन चलेंगे। वीवीआईपी पास भी रद्द कर दिए गए हैं।

श्रद्धालुओं को अपने वाहन शहर के बाहर ही पार्किंग में खड़े करने होंगे। अगर आप ट्रेन से आ रहे हैं, तो रेलवे स्टेशन पर उतरना पड़ेगा। पैदल ही संगम जाना और लौटना पड़ेगा। पार्किंग और स्टेशनों से संगम की दूरी 8 से 10 किमी तक है। माघी पूर्णिमा पर अक्षयवट और लेटे हनुमान मंदिर भी बंद रहेगा।

काशी हाउसफुलः आबादी 15 लाख, बाहर से आए 12 लाख लोग

वाराणसी। महाकुंभ के पलट प्रवाह के बीच हाईवे और शहर में चौतरफा जाम है। पुलिस के मुताबिक सोमवार को शहर में 12 लाख लोग बाहर से आए और 60 हजार से ज्यादा गाड़ियां आईं। यह पहला मौका रहा जब इतनी भीड़ और गाड़ियां एक दिन में काशी आ गईं। जिला प्रशासन के मुताबिक शहर क्षेत्र (नगर निगम की सीमा) की आबादी करीब 15 लाख है। ऐसा लग रहा था मानो महाजाम हो। हाईवे से लेकर शहर की सड़कें ठसाठस रहीं। बच्चों को स्कूल से घर पहुंचने में तीन घंटे तक लग गए। शाम तक होटलों और ढाबों में खाना खत्म हो गया। सीमा सील होने से लोग होटल, गेस्ट हाउस में बुकिंग के बाद भी नहीं पहुंच सके। शहर में जाम के कारण ऑटो, ई-रिक्शा तक नहीं चल सके।

यातायात व्यवस्था ध्वस्त रही। स्कूली बसें भी जहां-तहां फंसी रहीं। भीड़ ऐसी कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया।

गलियों में भी जाम, फ्लाईओवर भी ओवरलोड

शहर के अंदर तो स्थिति बहुत ही खराब रही। मैदागिन से चौक और गोदौलिया तक श्रद्धालुओं की कतार रही। भीड़ भोर से शुरू हुई तो देर रात तक वैसी ही रही। रामापुरा से जंगमबाड़ी, लक्सा से रामपुरा मार्ग, लक्ष्मी कुंड से लक्सा गली भीड़ से पटी रही। लहरतारा से माधवपुर, महमूरगंज मार्ग पर गाड़ियों की कतार रही। रथयात्रा-गुरुबाग मार्ग पर दो एंबुलेंस भी आधे घंटे तक फंसी रही। मंडुवाडीह फ्लाईओवर पर स्कूली बसें फंसी तो बच्चे उतरकर पैदल ही घर की ओर गए। कमच्छा से रथयात्रा तक लोग जाम में फंसे रहे।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, अब EWS अभ्यर्थियों को मिलेगी 5 साल की आयु सीमा छूट

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के अभ्यर्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अब माध्यमिक एवं प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा 2024 में शामिल होने वाले EWS अभ्यर्थियों को भी अन्य आरक्षित वगो की तरह 5 वर्ष की आयु सीमा में छूट मिलेगी। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के इस फैसले से हजारों उम्मीदवारों को लाभ होगा, जो अब तक अधिकतम आयु सीमा के कारण परीक्षा में शामिल नहीं हो पा रहे थे।

शिक्षक भर्ती 2024 से जुड़ा है मामला

शिक्षक चयन परीक्षा 2024 के नियमों में कंडिका 7.1 और 7.2 के अनुसार EWS को आरक्षित वर्ग माना गया था, लेकिन कंडिका 6.2 में उन्हें आयु सीमा छूट के लाभ से वंचित रखा गया। इस असमानता के खिलाफ रीवा निवासी पुष्पेंद्र द्विवेदी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता धीरज तिवारी और ईशान सोनी ने तर्क दिया कि जब EWS को आरक्षित वर्ग माना गया है, तो उन्हें भी स्ष्ट/स्ज्ञ/ह्वक्ष्ट की तरह आयु सीमा में छूट मिलनी चाहिए। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि EWS को आयु सीमा में छूट न देना संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 16 (सरकारी नौकरियों में समान अवसर) का उल्लंघन है। अनुच्छेद 14- यह सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समानता और भेदभावरहित अवसर की गारंटी देता है। समान परिस्थिति में रहने के बावजूद EWS को आयु छूट न देना इस अनुच्छेद का उल्लंघन है। अनुच्छेद 16- सरकारी नौकरियों में समान अवसर सुनिश्चित करता है। जब EWS को आरक्षित वर्ग माना गया, तो उन्हें आयु सीमा में छूट न देना असंवैधानिक था।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता के तर्कों को स्वीकार करते हुए कहा कि यदि EWS को आरक्षित वर्ग में रखा गया है, तो उन्हें भी अन्य आरक्षित वर्गों की तरह समान अवसर मिलना चाहिए। कोर्ट ने श्वङ्ख्रस् अभ्यर्थियों को 5 साल की आयु सीमा छूट देने का आदेश दिया। अब 45 वर्ष तक के EWS अभ्यर्थी शिक्षक चयन परीक्षा 2024 में शामिल हो सकेंगे। अब 11 फरवरी 2025 आवेदन की अंतिम तिथि होने के कारण वे अभ्यर्थी भी फॉर्म भर सकेंगे, जो पहले अधिक उम्र के कारण वंचित रह गए थे। यह फैसला शिक्षा और रोजगार में समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। हाईकोर्ट के इस निर्णय से हजारों EWSउम्मीदवारों को लाभ मिलेगा। अब वे शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में समान रूप से भाग ले सकेंगे। यह संविधान द्वारा प्रदत्त समानता के अधिकार को लागू करने की दिशा में एक ऐतिहासिक निर्णय है, जिससे शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में निष्पक्षता को बढ़ावा मिलेगा।

रोटरी क्लब भोपाल हिल्स का 26वां अधिष्ठापन समारोह आयोजित

भोपाल। रोटरी क्लब भोपाल हिल्स ने कल अपनी 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विजिट के तहत विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला गवर्नर रोटेरियन अनिश मलिक और प्रथम महिला रोटेरियन सिम्मी मलिक की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही, सहायक गवर्नर रोटेरियन ताजवर खान, रीजन चेयरमैन रोटेरियन संजय निगम, अध्यक्ष रोटेरियन बीएस अग्रवाल, और सचिव रोटेरियन हर्ष मित्तल भी उपस्थित थे। प्रतिनिधिमंडल ने हमारे व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, हैप्पी स्कूल, और मेडिकल इक्विपमेंट बैंक का दौरा किया। इन परियोजनाओं के माध्यम से, क्लब समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्यरत है। हमारे क्लब की 26वीं वर्षगांठ के इस विशेष अवसर पर, हम सभी सदस्यों के समर्पण और समुदाय के सहयोग के लिए हृदय से आभारी हैं। रोटरी क्लब भोपाल हिल्स, सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

धूमधाम से मना भगवान विश्वकर्मा का प्रकट्य उत्सव

भोपाल। भगवान श्री विश्वकर्मा जी का प्रकट्य दिवस माघ सुदी त्रेयोदशी को बड़े धूम धाम से मनाया गया! भगवान विश्वकर्मा मंदिर माँ कंकाली धाम प्रांगण रायसेन रोड गुदावल पर भगवान का सुबह अभिषेक हुआ विशेष पूजन हुयी, 11 जोड़ो ने विशेष हवन किया ,श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी भगवतानंद गिरी जी महाराज ने महाआरती की इसी क्रम मे भोपाल की छेत्रीय समितियों द्वारा सभी 9 मंदिरो मे पूजन कर, ध्वजा लेकर माँ कंकाली धाम विश्वकर्मा मंदिर पहुचे 1बजे से 4 बजे तक श्री राम कथा हुयी! अधिक संख्या मे माता बहने धर्म प्रेमी बंधु उपस्थित हुए यजमान प्रेमनारायण विश्वकर्मा एवं सेवक विष्णु विश्वकर्मा भगवान विश्वकर्मा मंदिर समिति माँ कंकाली धाम प्रांगण गुदावल

वर्चुअल कैंपस ड्राइव में बीसीए छात्रा को मिला प्लेसमेंट

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज ने अपने प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ की सक्रियता से छात्रों के रोजगार हेतु अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखा है। कॉलेज ने हेल्थवेशंस एम. प्रा. लि. के सहयोग से वर्चुअल कैंपस ड्राइव का आयोजन किया, जिसमें वीडियो एडिटर, ग्राफिक्स डिजाइनर और बैक ऑफिस एक्जीक्यूटिव के पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया आयोजित की गई। सघन मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद, बीसीए तृतीय वर्ष की छात्रा कशिश सोनी सफलतापूर्वक बैक ऑफिस एक्जीक्यूटिव पद के लिए चयनित हुईं। उन्होंने अपनी जॉइनिंग तिथि 13 फरवरी को आधिकारिक रूप से पुष्टि की है। कॉलेज की प्राचार्य, डॉ. डालिमा परवानी ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कशिश सोनी को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल एवं सफल करियर के लिए शुभकामनाएं दीं।

सनातन बोर्ड सहित अन्य मागों की चर्चा के लिए सनातन हिंदू धर्म सभा आयोजन 2 मार्च को

संत हिरदाराम नगर। धर्म सुधाकर सेवा समिति द्वारा भोपाल में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 2 मार्च रविवार को विशाल सनातन धर्म सभा का आयोजन मानस भवन में समस्त हिंदू समाज के लिए किया जा रहा है, आयोजन को लकर तैयारियां जोर शोर से चल रही है घर-घर आमंत्रण दिया जा रहा है। इसका आयोजन भोपाल के पुराण कथा वाचक विद्वान आचार्य पं योगेंद्र शास्त्री कर रहे हैं। सनातन हिन्दु धर्म की मान्यता, परंपरा, विधि, व्यवहार क्रियाकलापों के पीछे के रहस्य पर चर्चा करने के लिए यह आयोजन हो रहा है, शास्त्री ने बताया कि शास्त्रीय नियमों की दार्शनिकता और वैज्ञानिकता जानने समझने आज महती आवश्यकता है। हिंदू धर्म के खान-पान, नीति, नियम, सिद्धांत और शास्त्रीय संविधान की प्रासंगिकता पर चर्चा होगी। योगेंद्र शास्त्री ने बताया कि जहां एक और सनातन हिंदू धर्म के प्रति लोगों की आस्था और विश्वास की वृद्धि हुई है वहीं दूसरी ओर लोग सामान्य और स्थूल तर्कों का आश्रय लेकर सनातन धर्म के नियमों को रूढ़िवाद से भी जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। कुछ ताकतें सनातन हिंदू धर्म की सैद्धांतिक नियमों का मजाक भी बना रही हैं और समाज का एक वर्ग उनसे प्रभावित भी हो रहा है इसमें यह बहुत आवश्यक है कि सनातन धर्म के सैद्धांतिक नियमों की वैज्ञानिकता से शास्त्रीयता से और दर्शनिकता से जनमानस परिचित हो, इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए इस आयोजन में देश भर के अनेक संत विद्वान सम्मिलित होने आ रहे हैं वृंदावन के प्रसिद्ध, राष्ट्रीय कथा वाचक डॉक्टर चतुर नारायण पाराशर, अंकित तेनगुरिया, डॉ रमेश प्रसाद त्रिपाठी, गुफा मंदिर के महंत रामप्रवेश दास महाराज, आचार्य बृजेश भार्गव, गुफा मंदिर से आचार्य लेखराज शर्मा, आचार्य अनिलरुद्र रहेंगे। भोपाल हुजूर विधानसभा के विधायक रामेश्वर शर्मा के मुख्य आतिथ्य में यह कार्यक्रम संपन्न होगा।

सबनानी ने कमला नेहरू स्कूल में बच्चों के साथ सुना परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

वार्षिक परीक्षा का समय नजदीक आते ही विद्यार्थियों में परीक्षा को लेकर मानसिक तनाव बढ़ जाता है, और परीक्षा में बेहतर से बेहतर प्रदर्शन को लेकर तनाव कब उनके दिल में घर कर जाता है इसका पता ही नहीं चलता। इसी तनाव को कम करने और बच्चों को सहज होकर अपनी परीक्षाओं की तैयारी में किस प्रकार समय का सही उपयोग कर परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने महत्वपूर्ण कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा को सोमवार विद्यार्थियों संग चर्चा की और उन्हें परीक्षाओं में तनाव कम करके बेहतर अंक लाने के लिए क्या आवश्यक है इसका मंत्र दिया। राजधानी की दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के अंतर्गत कमला नेहरू हायर सेकेंडरी स्कूल में भी कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा गया।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने स्कूल के विद्यार्थियों संग परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम को देखा एवं विद्यार्थियों से संवाद कर परीक्षा के तनाव को कैसे काम किया जाता है पर चर्चा की, और कई विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। इस अवसर पर श्री सबनानी ने स्कूल के विद्यार्थियों से कहा की परीक्षा के समय अपने मन में किसी भी प्रकार का भय नहीं रखना चाहिए और अपनी मेहनत पर भरोसा कर अपनी तैयारी को आगे बढ़ना चाहिए, समय का सही उपयोग हो सके इसके लिए एक अच्छा टाइम टेबल बनाएं और उसके अनुसार अपनी दिनचर्या का समय का अधिक से अधिक उपयोग पढ़ाई के लिए करें, पर पढ़ाई के साथ ही थोड़ा समय रिलैक्स होने के लिए भी अपने पास रखें और अपने खान-पान के साथ ही अपनी नींद का भी पूरा ध्यान रखें, और इस महत्वपूर्ण समय में सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बना लें, आपकी की गई मेहनत ही आपको बेहतर से बेहतर परिणाम दिला सकती है और आपके आत्मविश्वास में भी वृद्धि करती है इसलिए स्वयं पर विश्वास रखें और पूरी लगन के साथ पढ़ाई करें। संवाद कार्यक्रम में ही कमला नेहरू स्कूल की प्राचार्य अनीता बाजपेई ने भी बच्चों से संवाद कर जरूरी दिशा निर्देश दिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूल के बच्चों के साथ अध्यापक स्कूल स्टाफ एवं कई गणमान्य नागरिकों उपस्थित रहे।

साधु वासवानी स्कूल में परीक्षा पूर्व तैयारी पर चर्चा में विद्यार्थियों ने लिया भाग

संत हिरदाराम नगर। सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण प्रोजेक्टर के माध्यम से बच्चों को दिखाया गया। प्रधानमंत्री ने बच्चों को तनावरहित परीक्षा देने के सारगर्भित टिप्स देते हुए बताया कि सबसे पहले आप अपने मन पर नियंत्रण रखें अकेले मत रहे अपनी हर बात अपने अभिभावकों व शिक्षकों के साथ साझा करें अपने उपर विश्वास रखें क्योंकि आपको ही तय करना है कि आपको अपने जीवन में क्या बनना है इसके लिए चिंतन करें चिंता नहीं। चिंता करने से परेशानियां बढ़ती है कम नहीं होती साथ ही टेक्नोलॉजी से जुड़े परंतु सावधानी रखें, समय का सद्पयोग करने वाले विद्यार्थी कभी पीछे नहीं हटते। उन्होंने बताया कि शिक्षकों को विषेष रुप से बच्चों के उपर ध्यान देना चाहिए साथ ही उनकी गतिविधियों को देखें और अभिभावकों को उनके बच्चों के बारे में अवगत कराएं, कई बार विद्यार्थी गलत संगत में चलें जाते हैं जिसकी जानकारी एक शिक्षक ही पूर्ण रुप से अभिभावकों को बता सकता है। अच्छी शिक्षा अच्छे संस्कार, अच्छी सोच, स्वस्थ शरीर जिसका होगा वह अपने लक्ष्य को अवश्य हासिल करेगा इसके लिए विद्यार्थियों को अपने खान-पान पर विशेष ध्यान देना है। विद्यार्थियों को भ्रमित करने वाले यंत्र मोबाइल से दूर रहे और अपना पूरा ध्यान अपने लक्ष्य प्राप्ति में लगाए।

नरेला विधानसभा के हर घर में होगा प्रयागराज महाकुंभ गंगा जल का वितरण

मंत्री सारंग ने किया गंगा जल लेकर आये टैंकर का पूजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को प्रयागराज महाकुंभ से गंगा जल लेकर आये टैंकर का रहवासियों के साथ स्वागत किया। उन्होंने विधि-विधान के साथ पवित्र गंगा जल से भरे टैंकर की आरती कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर मंत्री श्री सारंग ने बताया कि नरेला विधानसभा के रहवासियों के लिए 'हर हर गंगे-हर घर गंगे' पहल की शुरुआत की है, जिसके तहत प्रयागराज महाकुंभ का पवित्र गंगा जल हर घर तक नि:शुल्क पहुंचाया जाएगा। इस गंगा जल को विशेष रूप से प्रयागराज से लाया गया है और इसे बोतलों में पैक कर वितरित किया जाएगा। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि महाकुंभ के पावन अवसर पर प्रयागराज से गंगाजल मंगवाया गया है। महाकुंभ प्रयागराज का यह पवित्र गंगा जल विशेष रूप से नरेला विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक घर तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए जल को बोतलों में पैक कर नि:शुल्क वितरित किया जाएगा। इससे प्रत्येक नागरिक अपने घर पर ही स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित कर सकें एवं धार्मिक कार्यों में भी इसका उपयोग कर सकें।

रहवासियों में उत्साह: इस पहल पर स्थानीय रहवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उन्होंने मंत्री सारंग के इस प्रयास के लिये आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय रहवासियों ने हर्षोल्लास के साथ पुष्पवर्षा की और ढोल-नगाड़ों की गूंज से पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण में बदल दिया।

महाकुंभ गंगा जल का महत्व: गंगा जल हिंदू धर्म में विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व रखता है। इसे पवित्र और मोक्षदायी माना जाता है। महाकुंभ का गंगा जल प्राप्त करना भक्तों के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।

जानवरों की खाल की तस्करी करने वाले से 1 टन गांजा और 42 देसी बम बरामद, 4 गिरफ्तार

भोपाल। जानवरों की खाल की तस्करी करने के लिए कुख्यात अजीत पारदी के पूछताछ के बाद उड़ीसा और छत्तीसगढ़ से सटे घने जंगल में मध्य प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स ने 940 किलोग्राम गांजा बरामद किए हैं। आधे किलोमीटर के दायरे में जगह-जगह गांजा जमीन के नीचे दबा कर रखा गया था। स्त्र्नस्न और डिंडोरी पुलिस ने अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 42 देसी बम और 8 बड़े चाकू भी बरामद हुए हैं। महाराष्ट्र के चंदपुर में कुछ दिन पहले अजीत पारदी पकड़ाया था। यहां पर यह टाइगर के अंग के साथ पकड़ाया था। इससे पूछताछ के बाद एसटीएफ को यह जानकारी लगी कि कटनी-मंडला वन क्षेत्र के जंगलों में रहने वाले कुछ लोग टाइगर के शिकार के साथ ही गांजा की तस्करी करते हैं। इसके बाद स्त्र्नस्न के स्पशेल डीजी पंकज श्रीवास्तव ने भोपाल एसटीएफ के एसपी एवं जबलपुर एसटीएफ के प्रभारी एसपी राजेश भदौरिया को यहां पर भेजा। इसके बाद एसटीएफ ने यहां पर जबलपुर स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स के मिलकर 6 दिन पहले यहां के जंगलों में सर्चिंग शुरू की। इस दौरान वन क्षेत्र ग्राम पड़रिया साकल में पारदी डेरे के आसपास से 942 किलो गांजा बरामद किया गया। गांजा जमीन के अंदर दबा कर रखा गया था। इस पूरी कार्यवाही में डिंडौरी पुलिस की भी एसटीएफ ने मदद ली। एसटीएफ के अफसरों को जानकारी लगी है कि यहां पर मिला गांजा उड़ीसा से छत्तीसगढ़ के रास्ते लाया जाता था। जिसे मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में खपाया जाता था। वहीं शिकार के दौरान भी अजीत पारदी की गैंग यह नशा कर वारदात को अंजाम देती थी। इस मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

डुग्गू कोचिंग सेंटर स्थापना दिवस के 11वीं वर्षगांठ पर प्री बोर्ड एग्जामिनेशन

भोपाल। डुग्गू एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी दसवीं क्लास के छात्रों के सुनहरे भविष्य के लिए डुग्गू कोचिंग सेंटर द्वारा आज नीलबड़ स्थित संस्थान में 100 से अधिक बच्चों ने आज पार्टिसिपेट किया। डुग्गू कोचिंग सेंटर के संचालक विकास यादव ने आज पत्रकारों से चर्चा के दौरान बताया कि हमारी संस्था विगत वर्षों से बच्चों की पढ़ाई के लिए कार्य कर रही है इस वर्ष 11 वर्ष पूर्ण होने पर हम डुग्गू कोचिंग संस्था की वर्षगांठ के अवसर पर लगभग 100 से अधिक बच्चों को डुग्गू कोचिंग क्लासेस में दसवीं में बच्चे पेपर अच्छे से दे सके और अच्छे अंकों से पास हो इसी प्रयास के साथ हमने आज हमारे सेंटर पर बच्चों के प्री एग्जाम करवाएं। आज बच्चों में एक अलग ही उत्साह देखने को मिला सभी बच्चों ने डुग्गू कोचिंग क्लासेस संस्था के संचालक का आभार व्यक्त किया और बताया कि जिस प्रकार से इस संस्था में हमें प्री एग्जाम के लिए तैयारी कराई जा रही है हम सभी को इस संस्था पर बहुत भरोसा है।

फिल्म एक्टर अन्नु कपूर और कुमार भोपाल में करेंगे लाइव अंताक्षरी की मेजबानी

भोपाल। पूरे भारत में तालों के नाम से मषहूर भोपाल जिसे तालों में ताल भोपाल के नाम से भी जाना जाता है अब उसमें अंताक्षरी का रंग लेकर आ रहे है फिल्म एक्टर अन्नु कपूर और कुमार जो कि भोपाल स्थित रविंद्र भवन में 14 फरवरी को रंग अंताक्षरी का रंग बिखेरने के लिए आ रहे है जिसका गवाह बनेगा पूरा भोपाल इस लाइव अंताक्षरी प्रतियोगिता की मेजबानी करेंगे दिग्गज कलाकार अन्नु कपूर और जाने-माने गीतकार, उद्यमी और आईआईटी के पूर्व छात्र कुमार। जहां शहर के प्रतिभाशाली लोग आकर्षक पुरस्कारों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। ऑडिशन और पुरस्कार प्रतियोगिता के ऑडिशन 12 और 13 फरवरी 2025 को भोपाल में आयोजित किए जाएंगे। चयनित प्रतिभागी 14 फरवरी को मुख्य कार्यक्रम में भाग लेंगे। स्टूडियों रिफ्यूल मोबाइल एप्लीकेषन ऐप पर अब अंताक्षरी विद डॉ. अन्नु कपूर के सभी टिकिट्स उपलब्ध होंगे क्यूआर कोड के माध्यम से सभी सर्दष अंताक्षरी के टिकिट्स बुक कर सकते है। लाइव अंताक्षरी के विजेताओं को निम्नलिखित पुरस्कार दिए जाएंगे। भोपाल में एक नई परंपरा की शुरुआत का यह पहला आयोजन सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि भोपाल में एक नई परंपरा की शुरुआत है। कुमार, जिन्होंने हाल ही में पद्मश्री सुरेश वाडकर के साथ हिट रेडियो शो 'ऐ जिदगी गले लगा ले' लॉन्च किया है, इस कार्यक्रम के जरिए मनोरंजन और संस्कृति को एक साथ जोड़ने का अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत कर रहे हैं। उनके चल रहे रेडियो कॉलम 'रेडियो कॉलम बाय कुमार' ने पहले ही भारत के लोगों का दिल जीत लिया है, और यह अंताक्षरी कार्यक्रम संगीत के माध्यम से सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम है। प्रतिभागियों के साथ-साथ दर्शकों को भी लकी ड्रॉ में पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा।

अंगदान की पूर्व सूचना देने वालों को राष्ट्रीय पर्व पर किया जाएगा सम्मानित: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एम्स की तरह मध्यप्रदेश में विकसित किया जाएगा आयुर्विज्ञान संस्थान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एम्स भोपाल में हुए मध्य भारत के पहले हार्ट ट्रांसप्लांट से पुनर्जीवन प्राप्त करने वाले मरीज श्री दिनेश मालवीय से उनकी कुशलक्षेम पूछी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस उपलब्धि के लिए एम्स भोपाल की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गत दो वर्ष से श्री मालवीय हृदय रोग से पीड़ित थे। उपचार से मिली राहत से श्री मालवीय प्रसन्न है। अंगदान किस प्रकार लोगों को जीवन देने का माध्यम बनता है, यह ट्रांसप्लांट इस तथ्य को स्पष्टत: दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि नर्मदापुरम निवासी श्री मालवीय 22 जनवरी को एम्स भोपाल में भर्ती हुए और 23 जनवरी को उनका हार्ट ट्रांसप्लांट किया गया। अब वे पूर्णत: स्वस्थ है, संभवत: कल तक उन्हें डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एम्स के डॉक्टरों व संपूर्ण टीम को उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई देते हुए कहा कि मानवता की सेवा के लिए टीम द्वारा किया गया कार्य प्रदेश को गौरवांवित करने वाला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान युग में अंग प्रत्यारोपण, अंग दान, देह दान जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। एक देह दान से लगभग 9 डॉक्टर्स को चिकित्सा संबंधी कई बारीकियों को व्यावहारिक रूप से सीखने में सहायता मिलती है। चिकित्सा शिक्षा के उद्देश्य से मेडिकल कॉलेजों के साथ आयुर्वेदिक महाविद्यालयों में भी पार्थिव देह की आवश्यकता होती है। राज्य शासन द्वारा देह दान के लिए परिवारों में जागरूकता लाने और उन्हें इस पुनीत कार्य के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। देह दान की पूर्व सूचना देने वालों को राज्य शासन की ओर से सम्मानित किया जाएगा। अंतिम संस्कार के लिए गृह विभाग से समन्वय कर उपयुक्त व्यवस्था की जाएगी। साथ ही राजकीय सम्मान किया जायेगा। अंग दान की पूर्व सूचना देने वाले व्यक्तियों को 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर सम्मानित किया जाएगा। ऐसे जिन व्यक्तियों के पास अनुष्मान कार्ड नहीं हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएंगे। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज में अंग दान और अंग प्रत्यारोपण की स्थिति बने इस उद्देश्य से आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोक स्वास्थ्य, राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस उद्देश्य से ही लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग का एकीकरण किया गया। प्रदेश के विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र को देखते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के समान ही राज्य शासन द्वारा भी आयुर्विज्ञान संस्थान विकसित किया जाएगा। राज्य शासन द्वारा रोगियों को तत्काल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पीएमश्री एयर एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जिन स्थानों पर हवाई पट्टियां हैं वहाँ विमान से और जहाँ हवाई पट्टियां नहीं है वहाँ हेलीकॉप्टर के माध्यम से मरीजों को चिकित्सा संस्थानों में भेजने की व्यवस्था की जा रही है। गंभीर स्थिति के मरीजों के उपचार में समय महत्वपूर्ण होता है, एयर एंबुलेंस सेवा से कम से कम समय में मरीज को उपयुक्त इलाज उपलब्ध कराना संभव हुआ है। एयर एंबुलेंस से प्रतिदिन जीवन रक्षा के उदाहरण सामने आ रहे हैं। एयर एंबुलेंस से एयर लिफ्ट करने में सामान्यत: 5 से 8 लाख रुपए का व्यय होता है। राज्य सरकार द्वारा लोगों की जीवन रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आयुष्मान योजना के माध्यम से आवश्यक प्रबंध किये गय हैं।

एफपीओ कॉन्क्लेव से सहकार की भावना मजबूत होगी: सारंग

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कृषि क्रांति एफपीओ कॉन्क्लेव% में राज्य सरकार के मंत्रियों, अधिकारियों, विशेषज्ञों, निर्यातकों, क्रेताओं और तकनीकी प्रदाताओं ने एफपीओ के विकास के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य एफपीओ को खाद्य प्रसंस्करण और निर्यात योग्य उत्पाद तैयार करने में सक्षम बनाना था। कॉन्क्लेव का आयोजन भूमिशा ऑर्गेनिक, डिक्की और सर्च एंड रिसर्च डेवपलमेंट सोयायटी ने किया।

सहकारिता, खेल एवं युवक कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि 2047 में स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ तक भारत को विकसित बनाने में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। किसानों को तकनीकी अपनाकर अपनी आय और उत्पादन बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। उन्होंने सहकारिता को समाज का आधार बताते हुए कहा कि बिना सहकार नहीं उद्धार, बिना संस्कार नहीं सहकार। जैविक उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए उन्होंने डिक्की, भूमिशा ऑर्गेनिक और सर्च एंड रिसर्च डेवलपमेंट सोसायटी को सहकारिता विभाग के साथ मिलकर कार्य करने की सलाह दी।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि एफपीओ और खाद्य प्रसंस्करण को मजबूत बनाना किसानों की आत्मनिर्भरता की कुंजी है। उन्होंने फसल विविधीकरण और कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार जल्द ही एक विशाल फूड प्रोसेसिंग सम्मेलन का आयोजन करेगी, जिसमें किसानों, उद्यमियों, क्रेताओं और विक्रेताओं को एक मंच पर लाया जाएगा। कृषिका नेचुरल्स प्राइवेट लिमिटेड की प्रबंध निदेशक प्रतिभा तिवारी ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों, एफपीओ और एग्री-स्टार्टअप्स को मार्केट लिंकेज से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि यह कॉन्क्लेव कृषि नवाचार, मूल्य संवर्धन और आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

डिक्की मध्यप्रदेश में संतरा, मोरिंगा, हल्दी और केसर आम के क्लस्टर बनाकर किसानों को संगठित तरीके से बाजार तक पहुंचने में मदद करेगी। डिक्की के अध्यक्ष डॉ. अनिल सिरवैया ने कहा कि एफपीओ, एफपीसी, सहकारी संस्थाओं और वित्तीय विभागों को एक मंच पर लाकर कृषि उद्योगों के लिए सुगम मार्ग बनाना आवश्यक है।

सर्च एंड रिसर्च डेवलपमेंट सोसायटी की अध्यक्ष मोनिका जैन ने कहा कि कृषि क्रांति-2025 सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि कृषि, तकनीक, बाजार और उद्यमिता को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।कृषि क्रांति-2025 की यह यात्रा केवल आज तक सीमित नहीं है, बल्कि हम मिलकर इसे एक लंबे और सफल आंदोलन में बदलेंगे। सभी की सहभागिता और समर्थन से हम अपने किसानों को आत्मनिर्भर और कृषि क्षेत्र को और अधिक समृद्ध बना सकेंगे।कार्यक्रम में 8 एफपीओ और 2 किसानों को कृषि रत्न सम्मान प्रदान किया गया, जिनका सम्मान पत्र बांस से तैयार किया गया था।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा बाईपास पर महाकुंभ के श्रद्धालुओं से भेंट की

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा के बेला स्थित बाईपास पहुंचकर प्रयागराज महाकुंभ में जा रहे श्रद्धालुओं से मुलाकात की और उनकी यात्रा से संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनकी यात्रा की स्थिति की जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि महाकुंभ के दौरान प्रदेश सरकार श्रद्धालुओं की सेवा में तत्पर है और हर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं ताकि श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के अपनी यात्रा पूरी कर सकें। श्रद्धालुओं ने उप मुख्यमंत्री शुक्ल को बताया कि प्रशासन द्वारा यात्रा मार्ग में भोजन, पानी और अन्य आवश्यक सेवाओं की अच्छी व्यवस्था की गई है। उन्होंने प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रा मार्ग पर भोजन, पानी, स्वास्थ्य सेवाओं और विश्राम स्थलों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे धैर्य बनाए रखें और प्रशासन का सहयोग करें। विधायक नरेंद्र प्रजापति, नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

तीर्थयात्रियों के लिए व्यवस्थाएं बनाने में जुटे रहे जनप्रतिनिधि, प्रशासन और स्वयंसेवी संगठन

रीवा से प्रयागराज मार्ग पर महाकुंभ तीर्थयात्रियों के लिए व्यवस्थाएं बनाने में जनप्रतिनिधियों, प्रशासन तथा स्वयंसेवी संगठनों द्वारा लगातार निरंतर कार्य किया जा रहा है। कुंभ यात्रियों को भोजन, पानी, दवाइयां अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने का क्रम लगातार जारी है। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने आज तीर्थयात्रियों के सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बनाए गए बेला, हरिहरपुर, बनकुइयां- शार्कइन के मध्य मार्ग सहित अन्य प्वाइंट पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा श्रद्धालुओं से संवाद करते हुए व्यवस्थाओं की जानकारी ली, श्रद्धालुओं ने बेहतर व्यवस्था के लिए शासन प्रशासन को धन्यवाद दिया। उन्होंने तीर्थयात्रियों को स्वयं भोजन आदि प्रदान किए साथ ही मेडिकल कैंप का अवलोकन करते हुए व्यवस्थाएं देखीं।

अटकी, टैक्स छूट पर सहमति, नगद सब्सिडी देने फायनेंस विभाग नहीं तैयार!

भोपाल। मध्यप्रदेश में इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीदने, संचालित करने के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा तैयार ईवी पॉलिसी फायनेंस की आपत्ति के चलते फिलहाल अटक गई है। इलेक्ट्रिक वाहनों पर टैक्स छूट दिए जाने के लिए तो वित्त विभाग तैयार है लेकिन नगद प्रोत्साहन राशि दिए जाने से वित्त विभाग ने इंकार कर दिया है। मध्यप्रदेश में इलेक्ट्रिक व्हीकल संचालित करने के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने मध्यप्रदेश इलेक्ट्रिकल व्हीकल पॉलिसी 2025 का ड्रॉफ्ट तैयार किया है। अंग्रेजी भाषा में तैयार इस ड्राफ्ट का हिंदी वर्जन अब तक तैयार नहीं किया गया है और प्रदेश के नागरिकों से इस पॉलिसी पर दावे-आपतियां बुलाई गई है। जो नई पॉलिसी बनी है उसमें पूरे मध्यप्रदेश में इलेक्ट्रिक व्हीकल को एक साल तक पार्किंग शुल्क में छूट देने का प्रस्ताव है। प्राइवेट मॉल और प्राइवेट शॉपिंग कांपलेक्स में भी पार्किंग शुल्क नहीं लगेगा। ईवी कार की बेसिक मॉडल पर सब्सिडी देने का भी प्रावधान पॉलिसी में किया गया है। नई पॉलिसी पांच साल के लिए लागू की जाएगी। डीजल से चलने वाली बसों और ट्रकों पर सेस लगाया जाएगा। डीजल से चलने वाले वाहनों से प्रदूषण सेस वसूला जाएगा। पच्चीस लाख से अधिक कीमत वाली पेट्रोल और डीजल कारों पर भी रोड टैक्स बढ़ाया जाएगा। ईवी पॉलिसी के लिए मध्यप्रदेश इलेक्ट्रिकल व्हीकल प्रमोशन बोर्ड भी बनाया जाएगा। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन पांच शहरों को मॉडल EV सिटी के रुप में विकसित किया जाएगा। EV से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं के लिए तरंग पोर्टल बनेगा।

दुर्ग कलेक्टर 2014 बैच की आएएस अधिकारी 4 साल के लिए केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर

रायपुर। दुर्ग कलेक्टर 2014 बैच की आईएएस अधिकारी 4 साल के लिए केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा रही है। भारतीय प्रशासनिक सेवा में 2014 बैच की छत्तीसगढ़ कैडर की ट्रूस अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी को चार साल के लिए दिल्ली के वाणिज्य विभाग में उप सचिव नियुक्त किया गया है । कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, केंद्रीय स्थापित योजना के तहत सुश्री चौधरी पदभार ग्रहण करने की तिथि से चार साल की अवधि या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, इस पद पर कार्य करेंगी।

अंतर्राष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच का समारोह 16 फरवरी को भोपाल में

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच द्वारा 16 फरवरी को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन एवं हेमंत स्मृति कविता सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर संस्था द्वारा हेमंत स्मृति कविता सम्मान सहित 14 साहित्यकारों को अलंकरण सत्र में विधा पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। संस्था की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि होटल पलाश रेजिडेंसी में सुबह 11:30 बजे से आयोजित कार्यक्रम के दो अन्य सत्र कहानी और लघु कथा पाठ भी होंगे । इस मौके पर कैलाश चंद्र पंत भी उपस्थित रहेंगे।

2008 बैच के 2 और 2009 बैच के 16 IAS अधिकारी जॉइंट सेक्रेटरी पद के लिए इंपैनल्ड

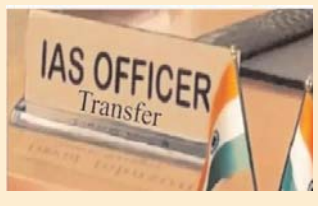

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 2008 बैच के 2 और 2009 बैच के 16 IAS अधिकारी जॉइंट सेक्रेटरी पद के लिए इंपैनल्ड किए हैं। 2008 बैच के जो दो अधिकारी इंपैनल्ड किए गए हैं- उनके नाम हैं आंध्र प्रदेश कैडर के विवेक यादव और बिहार कैडर के प्रणव कुमार। इसी प्रकार 2009 बैच के जिन अधिकारियों को जॉइंट सेक्रेटरी पद के लिए इंपैनल्ड किया गया है उनके नाम है- AGMUT कैडर के कृष्ण मोहन उप्पु , सुषमा चौहान और तन्वी गर्ग, असम कैडर के JVN सुब्रह्मण्यम, आंध्र प्रदेश कैडर के कार्तिक मिश्रा, बिहार के रामचंद्रडू, मनोज कुमार सिंह और साकेत कुमार, केरल कैडर के टी मित्रा और वेंकटेशपति एस, कर्नाटक के बागड़ी गौतम,मणिपुर कैडर के आर्मस्ट्रांग पेम, पंजाब कैडर की ईशा, उड़ीसा कैडर की ज्योति यादव और राघव लेंगर और उत्तर प्रदेश कैडर की अदिति सिंह।

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सहयोग कर प्रदेश को फाईलेरिया मुक्त बनाएं: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

राष्ट्रीय फायलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत एमडीए अभियान का किया शुभारंभ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने ग्वालियर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय फायलेरिया उन्मूलन अभियान (मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रदेश के सभी संबंधित जिलों के अधिकारियों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं अन्य विभागों के मैदानी कर्मचारियों को अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि फायलेरिया उन्मूलन के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। प्रदेश में 10 फरवरी से 25 फरवरी तक 9 जिलों के 23 चिन्हित विकासखण्डों में प्रशिक्षित दवा सेवकों के माध्यम से बूथ डे एवं घर-घर भ्रमण के द्वारा फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन नि:शुल्क कराया जाएगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने आमजन से अपील की है कि वे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के निर्देशानुसार डीईसी, एल्बेंडाजोल और आइवरमेक्टिन दवाओं का सेवन अवश्य करें और अभियान को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न विभागों के कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया और पूर्ण मनोयोग एवं समर्पण से अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के साथ सभी विभागों के समन्वित प्रयास से ही यह सफल हो सकता है। उन्होंने विभिन्न विभागों के मैदानी कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया कि वे समर्पण के साथ कार्य करें और शत प्रतिशत लक्षित जनसमुदाय द्वारा दवा सेवन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि फायलेरिया उन्मूलन के इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभागों के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं, ताकि वर्ष-2030 तक प्रदेश को फायलेरिया से मुक्त बनायें।राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मध्य प्रदेश के 9 जिलों — मउगंज, पन्ना, छतरपुर, उमरिया, दतिया, कटनी, टीकमगढ़, निवाड़ी एवं शहडोल के 23 विकासखंडों में दिनांक 10 फरवरी से 25 फरवरी तक मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) अभियान का संचालन किया जाएगा। एमडीए अभियान के अंतर्गत 23 चिन्हित ब्लॉकों की 58,08,577 की आबादी में से 52,85,805 लाभार्थियों को दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस दौरान 10 फरवरी एवं 14 फरवरी को बूथ-डे गतिविधि आयोजित की जाएगी।

प्रदेश के अपर मुख्य गृह सचिव बने कंसोटिया का स्वागत

हरदा। हाल ही में गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव बनाए गए अजाक्स के प्रांताध्यक्ष, वरिष्ठ आई.ए.एस. अधिकारी जे.एन. कांसोटिया का भव्य स्वागत किया गया। हरदा जिला अध्यक्ष सीमा निराला के नेतृत्व में अजाक्स के पदाधिकारियों ने अजाक्स परिवार हरदा की ओर से श्री कांसोटिया को उनके भोपाल स्थित शासकीय आवास पहुंचकर पुष्प माला पहना कर व पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका भव्य अभिनंदन किया। साथ ही अजाक्स परिवार ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन के प्रति आभार व्यक्त किया। स्वागत समारोह में अजाक्स के पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश मसकोले, जिला महासचिव निर्भयदास दूधे, हरदा ब्लाक अध्यक्ष रामचंद्र अहिरवार, टिमरनी ब्लाक अध्यक्ष तुकाराम चौरे, श्रीनिवास आठनेरे, अखिलेश अहिरवार, श्रीमती चंचल अहिरवार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अजाक्स ने इस नियुक्ति को सामाजिक समरसता और प्रशासनिक कुशलता के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया और श्री कांसोटिया को उनके नए दायित्वों के लिए बधाई व शुभकामनाएं दीं।

प्राचीन प्राकृत भाषा के संरक्षण के लिये उठाये जायेंगे महत्वपूर्ण कदम: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

मुरैना के सिहोनिया में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्वशांति महायज्ञ समारोह में हुए शामिल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि धर्म और अध्यात्म देश की ताक़त है। त्याग और समर्पण हमारे समाज के आधारभूत स्तंभ है। भारत की इस ताक़त के आगे सभी देश नतमस्तक हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल मुरैना के सीहोनिया में मज्जिनेंद्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्वशांति महायज्ञ समारोह में सम्मिलित हुए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंदिर में दर्शन कर प्रांगण का भ्रमण किया एवं जैन मुनिश्रीयों का आशीर्वाद प्राप्त किया।

उन्होंने कहा कि चौबीसों तीर्थंकरों भगवान आदिनाथ स्वामी से लेकर महावीर स्वामी तक की परंपराओं एवं संस्कृति को आगे ले जाने का कार्य वसुनंदी जी महाराज ने किया है। उनके दर्शन पा कर मैं कृतार्थ एवं गौरवान्वित हूँ। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि देश का आर्थिक विकास काफ़ी तेज़ी से हो रहा है। विकास के इस दौर में संस्कार और भी प्रासंगिक हैं। भारतीय संस्कृति की ताक़त से युवाओं को आलोकित कर

विकास को वरदान बनाना है। सतत विकास सुनिश्चित करने में आध्यात्म और नैतिकता की अहम भूमिका है। वसुनंदी जी महाराज के कहे अनुसार गौमाता की रक्षा एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा मिले यह सोच बहुत जमीनी स्तर की है, हमारी सरकार गौवंश के संरक्षण एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये तत्पर है। ये सभी लक्ष्य नि:स्वार्थ भाव से प्राप्त करना तभी संभव है जब हम अध्यात्म के रास्ते चलकर अहिंसा के मार्ग पर चलेंगे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि जैन दर्शन नीचे देखकर चलना सिखाता है एवं इंसान को झुके रहने की सीख देता है। इस दर्शन में एक चींटी का जीवन भी अमूल्य है। महापुरूषों का समर्पण त्याग की पराकाष्ठा का एक अंश भी यदि हम अपने जीवन में उतार लें तो हमारा मानव जीवन सफल हो जाएगा एवं नि: स्वार्थ भाव से हम प्रकृति की सेवा कर सकेंगे व जीवन को सफल बना सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्राकृत भाषा के विकास के लिये महत्वपूर्ण कदम सरकार द्वारा उठाये जायेंगे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि सिहोनिया मंदिर स्थान एक मात्र तीर्थ स्थान है जिसे वहीं बनाया गया है जहाँ पर पवित्र मूर्तियाँ प्राप्त हुई है। ऐसे स्थानों में भगवान का वास होता है। इन स्थानों के विकास से समाज भी विकसित होता है।

आप और कांग्रेस आत्म मंथन करें

राकेश दुबे

और दिल्ली ने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की राजनीति को खारिज कर दिया। जनादेश भाजपा को मिला है, उसका 27 साल का 'चुनावी वनवास' समाप्त हुआ। कांग्रेस का तो खाता भी नहीं खुला। 'आप' सरकार में मुख्यमंत्री रहे केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया और मंत्री रहे सत्येन्द्र जैन, सोमनाथ भारती, सौरभ भारद्वाज आदि चुनाव हार गए हैं। मुख्यमंत्री आतिशी अंतिम दौर में चुनाव जीतने में सफल रही हैं। केजरीवाल 4089 वोट और सिसोदिया सिर्फ 675 वोट से पराजित हुए। वैसे यह भाजपा की स्वाभाविक जीत नहीं, बल्कि केजरीवाल ब्रांड की सियासत का 'अंधकूप' में गिरना है। पूरा चुनाव केजरीवाल के इर्द-गिर्द सिमटा रहा। बेशक 'आप' चुनाव हारी है, लेकिन उसे 43.57 फीसदी वोट हासिल हुए हैं। सत्तारूढ़ होने वाली भाजपा को 45.56 फीसदी वोट मिले हैं। मात्र 2 फीसदी वोट का ही अंतर रहा, लेकिन भाजपा ने 48 सीटों का ऐतिहासिक जनादेश हासिल किया, जबकि 'आप' 62 सीटों से लुढ़क कर 22 सीटों पर आ गई। यकीनन यह अप्रत्याशित जनादेश है। 'आप' का शीर्ष नेतृत्व पराजित हुआ है। इसके लिए केजरीवाल ही जिम्मेदार हैं। यदि उनके साथ-साथ 'आप' की कट्टर ईमानदार, जन-लोकपाल वाली, भ्रष्टाचार-विरोधी और वैकल्पिक राजनीति वाली छवि भंग हुई है, तो दोष उन्हीं का है। आम मतदाता ने उनकी दोगली छवि को स्वीकार नहीं किया। केजरीवाल ने अपने मुख्य चुनावी वायदे भी पूरे नहीं किए और वह नया जनादेश मांगने सड़क पर निकल पड़े। जनता ने उन्हें खारिज कर दिया।

एक सर्वेक्षण के दौरान लोगों ने बताया कि 2020 के जनादेश वाले कालखंड में केजरीवाल और 'आप' ने कुछ भी 'नोटेबल' नहीं किया, जिसके आधार पर एक और बार उन्हें जनादेश दिया जाए। यह निष्कर्ष भी सामने आया है कि दलित, महिला, मध्य वर्ग ने भाजपा के पक्ष में लबालब मतदान किया, नतीजतन भाजपा सत्ता तक पहुंच पाई। पिछले चुनाव तक ये समुदाय 'आप' के समर्थक और जनाधार माने जाते थे, क्योंकि केजरीवाल की नई छवि के साथ इन वर्गों ने उन्हें वैकल्पिक राजनीति का प्रतीक माना था। अब सब कुछ बेनकाब हो गया। केजरीवाल भी बुर्जुआ राजनेता साबित हुए। वह भी भ्रष्टाचारी और पैसावादी हैं। इस चुनाव ने सब कुछ बिखेर कर भी रख दिया, लेकिन अभी 'आप' का सफाया नहीं हुआ है। 'आप' अब भी एक राजनीतिक ताकत है, लेकिन केजरीवाल का पराजित नेतृत्व ही तय करेगा कि 'आप' के भविष्य का अस्तित्व क्या होगा? अलबत्ता इस चुनाव ने विपक्ष के 'इंडिया' वाले नेरेटिव और गठबंधन को ध्वस्त कर दिया है। लोकसभा चुनाव के जनादेश की व्याख्या यह की गई थी कि विपक्ष के पास कुल 234 सीटें हैं, लिहाजा वह मजबूत हुआ है। उसके बाद हरियाणा, महाराष्ट्र और अब दिल्ली के चुनाव जीत कर भाजपा-एनडीए ने 'इंडिया' को लगभग बिखेर दिया है। इस चुनाव में 'इंडिया' के ही घटक दलों ने 'आप' का समर्थन किया और कांग्रेस का खुलेआम विरोध किया। नतीजा यह रहा कि कांग्रेस लगातार तीसरे चुनाव में 'शून्य' रही। दिल्ली में 70 में से 68 सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई है।

केजरीवाल की हार कोई बीजगणित नहीं, अंकगणित ही है

राकेश शर्मा

अहंकार मनुष्य की बुद्धि विनाश कर देता है। इसी अहंकारवश त्रेता युग में रावण का विनाश हुआ और आजकल के कलयुग में केजरीवाल के शीशमहल को ढाह दिया और इसका अहंकार भी दिल्ली की जनता ने चकनाचूर कर दिया और अब यह कलयुगी रावण मुँह छिपाए घूम रहा है। इसकी हार तो दिल्ली में हुई लेकिन पूरे देश में जश्न का माहौल है। सोशल मीडिया पर, अख़बारों में और अन्य प्रचार के माध्यमों द्वारा पूरे देश की जनता ऐसे जश्न मना रही है जैसे केजरीवाल की हार में जनता ने विश्व विजय कर ली हो।

इसका मतलब यह है कि केजरीवाल की अराजकता, धूर्तता, मक्कारी, फरेब, भ्रम , भ्रष्टाचार और झूठ की राजनीति को पूरा राष्ट्र बहुत करीब से देख रहा था और पहला मौका मिलते ही इसके ख्वाबों को धूलधुसरित कर दिया।

केजरीवाल ने दंभ भरते हुए कहा था मोदी कई जन्म भी ले ले तो मुझे दिल्ली में नहीं हरा सकता, एक बार दिल्ली विधान सभा के पटल पर कहा था 2050 तक तो मुझे कोई हटा ही नहीं सकता।जब भी विधानसभा में बोलता था रावण की अट्टहास भरी हंसी के साथ विपक्ष की हंसी सदैव उड़ाता था। विपक्षी विधायकों को मार्शल से उठाकर बाहर फिंकवाता था।

तिहाड़ जेल से छूटने पर कहा था की यदि मैं कट्टर ईमानदार हूँ तो लोकसभा में दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी को जिताएगी, इस छद्म ईमानदारी का जवाब तो जन ता ने 2024 के आम चुनाव में भाजपा को सातों सीट जीता कर दे दिया था लेकिन जब चुनावी पेरोल समाप्त होने पर जेल दुबारा जाना पड़ा और जब सर्वोच्च न्यायालय ने बेल दी तो झूठ बोला की न्यायालय ने मुझे बेकसूर बताया है जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने इतनी कड़ी टिप्पणी के साथ बेल दी की ना तो आप मुख्यमंत्री कार्यालय जाएँगे, ना कोई कैबिनेट की मीटिंग लेंगे और ना ही किसी सरकारी काग़ज़ पर दस्तखत करेंगे। तब जाकर इसने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफ़ा दिया और आतिशी के रूप में अस्थायी मुख्यमंत्री की नियुक्ति करते हुए कहा कि अब दिल्ली की जनता जब आप दुबारा चुनेगी तभी मैं दिल्ली के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठूँगा। दिल्ली की समझदार जनता ने न केवल आप को हराया बल्कि केजरीवाल को परास्त कर इसके अहंकारी दंभ को यमुना के गंदे झाग वाले पानी में तिरोहित कर दिया।

केजरीवाल की इस जबरदस्त हार का गहराई से विश्लेषण करें तो ज्ञात होता है की इसका अहंकारी दंभ दिल्ली की जनता का ही पैसा जनता में फ्री बिजली, फ्री पानी और महिलाओं को फ्री बस यात्रा करवाकर दो चुनाव जीत लिए और समझा की अब तो मैं दिल्ली का चिर नेता बन गया और इस झूठे ख्वाब की नींव पर प्रधानमंत्री बनने के ख्वाब संजोने लगा, सोचा जैसी तानाशाही दादागिरी का हंटर आप में अपने दोयम दर्जे के नेताओं पर चलाता हूँ पूरे देश की अन्य पार्टियों के नेताओं पर भी चला दूँगा क्यूँकि उन सभी को यह बेईमानी का सर्टिफिकेट बाँटता रहा है। अपने विधायकों से तो घर के नौकरों से भी बदतर व्यवहार करता था और कई मौकों पर कहता सुना गया कि तुम्हारी तो औक़ात ही क्या है तुम सभी मेरे नाम पर जीतते हो। सत्ता सुख भोगने के लालच में और किसी विचारधारा से बंधे ना रहने के कारण वह सब इसकी बदतमीजी सहते रहे। जो स्वावलंबी थे और जिन्हे अपनी इज्जत का थोड़ा भी ख्याल था जैसे कुमार विश्वास, कमांडर राम दास, योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, शाजिया इल्मी, कपिल मिश्रा, कैलाश गहलोत इसे छोड़कर चले गए। इसने अपने राजनैतिक गुरु अन्ना हजारे को तो शुरुआती दौर में ही धोखा देकर उन्हें निराश किया, इसने कहा था कि मैं राजनीति में कभी नहीं आऊँगा और राजनैतिक पार्टी बनाकर सर्वाधिक निकृष्ट राजनीति का पर्याय बन गया। बच्चों की कसम खाकर कहा कि मैं कभी कांग्रेस या भाजपा से गठजोड़ नहीं करूँगा और पहले ही चुनाव में कांग्रेस से गठजोड़कर अपनी प्रतिष्ठा को दाँव पर लगा दी सिर्फ़ सत्ता प्राप्त करने के लिए, कहा की मैं दो/तीन कमरे के फ्लैट में रहूँगा और करोना काल खंड में जब लोग मर रहे थे अपने लिए सौं करोड़ का शीश महल बनवाकर ग़रीब जिनके सर पर छत नहीं थी उनका अट्टहास उड़ाया, कहा की मैं सदैव अपनी नीले रंग की वैगन आर में चलूँगा लेकिन बाद में करोड़ों रुपये की रेंज रोवर गाड़ियों के क़ाफ़िले में चलने लगा, कहा सुरक्षा नहीं लूंगा लेकिन दो दो राज्यों की जेड प्लस सुरक्षा में चलने लगा, करोड़ो रुपये का शराब घोटाला किया, दवाई घोटाला किया, टॉयलेट को क्लासरूम दिखाकर स्कूल घोटाला किया, मोहल्ला क्लिनिक घोटाला किया, जल बोर्ड घोटाला किया , स्वाति मालीवाल को घर बुलवाकर पिटवाया, मुख्य सचिव को घर बुलवाकर पिटवाया, हर बात में कहा की दिल्ली के उपराज्यपाल और केंद्र सरकार मुझे काम नहीं करने देती, कहा दिल्ली नगर निगम मेरे पास नहीं है और मैं सफाई का कुछ नहीं कर सकता, दिल्ली नगर निगम जीते दो साल हो गए और दिल्ली की गंदगी वहीं की वहीं ही नहीं बल्कि बढ़ गई, कहा यमुना साफ़ कर उसमें नहाऊँगा और यदि साफ़ नहीं हुई यो मुझे वोट मत देना , भोली जनता ने इसका कहना मानकर इसे वोट नहीं दिया क्यूँकि इससे यमुना साफ़ ही नहीं हुई और इसके नाम पर करोड़ों रुपया डकार लिया।

दिल्ली वालों के पैसे पर डाका डालकर उसे अन्य राज्यों में आप विस्तार पर खर्च किया , चुनाव के मौके पर हर रोज़ एक नई घोषणा की जिसे जनता ने मोदी की गारंटी के सामने नकार दिया, और अंत में तो झूठ की हद ही कर दी जब कहा की हरियाणा ने यमुना में ज़हर मिलाकर दिल्ली वालों को मारने की कोशिश की।। दिल्ली की जनता बहुत ही सहिष्णु है उन्होंने दस वर्ष तक इसके जुमले और झूठ इसलिए सह लिया की उन्ही के पैसे से इसने कुछ सुविधाएं अवश्य दीं लेकिन विकास के लिए कुछ नहीं किया। दिल्ली को दूषित पानी पीने को मजबूर किया, लोग बीमार हुए, पानी के लिए झगड़े हुए, टैंकर माफिया से पानी खरीदना पड़ा, प्रदूषण में अनवरत बढ़ोतरी हुई और पूरी दिल्ली गैस चैम्बर में रहने के लिए मजबूर है जिसका दोषारोपण अपने को दोषमुक्त करते हुए पड़ौसी राज्यों पर ही फोड़ते रहे, सड़के थी ही नहीं बल्कि गड्ढ़ों में सड़क थी जिससे ना केवल वाहन ख़राब हुए बल्कि शरीर भी टूटे, अस्पतालों में टेस्ट के लिए एक एक साल की तारीखें, अस्पतालों के बाहर मिलीं लंबी लाइन, इलाज के लिए महीनों का लंबा इंतज़ार मजबूरन प्राइवेट में इलाज, कोई नया अस्पताल नहीं, कोई नया कॉलेज नहीं, कोई नया अस्पताल नहीं, कोई नई फैक्ट्री नहीं मुफ्त की दो तीन योजना के अलावा कोई विकास का काम नहीं। जनता ने केजरीवाल की कुटिलता और इसकी अंतरराष्ट्रीय साजिश को समझकर इसे बाहर का रास्ता दिखा दिया है अब इस धूर्त को अपनी विश्वसनीयता बचाने का संकट बहुत बड़ा है। यह अंकगणित ही है , बहुत आसान है इस केजरीवाल की कुटिलता को समझना।

न्याय और कानून: ऑनलाइन जुए और गेमिंग से उपजे खतरनाक सवाल

- विनय झैलावत

भारत में जुआ, सार्वजनिक गेमिंग अधिनियम 1867 (पीजीए) द्वारा केंद्रीय रूप से शासित होता है। अधिनियम सट्टेबाजी और जुए पर प्रतिबंध लगाता है। इसमें मौके पर आधारित खेल शामिल हैं। लेकिन, यह अधिनियम कौशल पर आधारित खेलों पर रोक नहीं लगाता है। हालांकि इनमें से किसी भी शब्द को अधिनियम के तहत परिभाषित नहीं किया गया है। भारतीय अदालतों ने आम तौर पर खेल के परिणाम की भविष्यवाणी के आधार पर दोनों के बीच अंतर को स्पष्ट किया है। वर्ष 1996 में डॉ केआर लक्ष्मणन बनाम तमिलनाडु राज्य मामले में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि घुड़दौड़ पर सट्टेबाजी कौशल का खेल है, न कि जुआ। इस प्रकार यह सार्वजनिक गेमिंग अधिनियम, 1867 के अंतर्गत नहीं आता है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी स्थापित किया कि पर्याप्त कौशल वाले खेल भारत के संविधान के अनुच्छेद 19(1)(जी) के तहत व्यापार, व्यवसाय या पेशे की परिभाषा के अंतर्गत आते हैं और इसलिए, संविधान द्वारा संरक्षित है।

सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बावजूद, विभिन्न राज्यों ने अपनी-अपनी नीतियों के साथ संरेखित करने और ऑनलाइन गेमिंग के बदलते परिदृश्य को दृष्टिगत रखते हुए अधिनियम को संशोधित करने के लिए अपने स्वयं के जुआ कानून बनाए हैं। 7वीं अनुसूची के तहत, संविधान देश के प्रत्येक राज्य (प्रांत) को अपने क्षेत्र के लिए 'सट्टेबाजी और जुए' पर अपने स्वयं के कानून बनाने की विशेष शक्ति प्रदान करता है। उदाहरण के लिए गोवा और सिक्किम राज्य, छोटे राज्य के रूप में, जो पर्यटन राजस्व पर बहुत अधिक निर्भर हैं, उन्होंने लाइसेंस प्राप्त कैसीनो को वैध कर दिया है। केरल, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य लॉटरी और घुड़दौड़ सट्टेबाजी की अनुमति देते हैं। दूसरी ओर, आंध्र प्रदेश, असम, ओडिसा और तेलंगाना जैसे राज्यों ने सभी प्रकार के जुए पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया है। इसमें ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग सहित कौशल के खेल भी शामिल हैं।

इसके अलावा, पिछले कुछ वर्षों में भारतीय न्यायपालिका ने भी विभिन्न न्यायिक निर्णयों में ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े मुद्दों पर कानून बनाए हैं। क्योंकि, देश में ऑनलाइन गेमिंग का प्रचलन बढ़ने लगा है। गुजरात उच्च न्यायालय ने इसे कौशल का खेल है, मौके का नहीं कहा। इसलिए इसे जुआ नहीं माना है। मद्रास उच्च न्यायालय ने रमी और पोकर सहित वास्तविक पैसे वाले गेमिंग की वैधता को बरकरार रखा और इस बात पर जोर दिया कि इन खेलों में मुख्य रूप से मौका के बजाय कौशल शामिल है। हाल ही में मद्रास न्यायालय के फैसले में कहा गया कि भारत के नागरिकों को ऐसी गतिविधियों में शामिल होने का अधिकार है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने माना कि फैंटेसी क्रिकेट जैसे फैंटेसी खेल खेलने में काफी हद तक कौशल और निर्णय क्षमता शामिल होती है। इसलिए इसे जुआ नहीं माना जा सकता। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने कौशल के खेल और मौका के खेल के बीच अंतर किया। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि फंतासी खेलों के लिए उपयोगकर्ताओं को खेल के बारे में अपने ज्ञान को लागू करने और रणनीतिक निर्णय लेने की आवश्यकता होती है।

पिछले दो दशकों में भारत ने ऑनलाइन गेमिंग उद्योग में तेजी से वृद्धि देखी है। भारत का ऑनलाइन गेमिंग बाजार वित्तीय वर्ष (वित्त वर्ष) 2020 और 2023 के बीच 28त्न की वार्षिक दर (सीजीआर) से बढ़ा है। इसने बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित किया है। यह पिछले वित्तीय वर्ष में ऑनलाइन रियल मनी गेम्स सहित ऑनलाइन गेम के संबंध में लगाए गए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में अचानक और तेज वृद्धि के कारण कम हुआ है। वित्त वर्ष 2023 के अंत में, रियल मनी गेम्स ने ऑनलाइन गेमिंग बाजार का 83 प्रतिषत हिस्सा बनाया। सबसे लोकप्रिय वास्तविक पैसे वाले खेलों में फंतासी खेल, रमी, कैरम, पोकर, शतरंज और क्विज गेम आदि शामिल है। असली पैसे का खेल' को सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशा निर्देश और और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021 (आईटी नियम) के नियम 2 (क्यूडी) के तहत परिभाषित किया गया है। इसका मतलब यह एक ऑनलाइन गेम है जहां एक उपयोगकर्ता उस जमा पर जीत हासिल करने की उम्मीद के साथ नकद या वस्तु के रूप में जमा करता है।

वित्त वर्ष 2023 के अंत तक भारत में 425 मिलियन ऑनलाइन गेमर्स हैं, जो प्रति सप्ताह औसतन 10-12 घंटे गेमिंग पर बिताते हैं। ऑनलाइन गेमिंग उद्योग की तेजी से वृद्धि ने नियामक निकायों के लिए एक अनूठी चुनौती पेश की है। इसके तेजी से विस्तार ने इसके संचालन को नियंत्रित करने वाले विशिष्ट नियमों को लागू करने की विधायिका की क्षमता को पीछे छोड़ दिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि भारतीय जनता के बीच ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी प्लेटफार्मों की वैधता को लेकर व्यापक अज्ञानता है। हालांकि, प्रॉक्सी और वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) द्वारा वहन की गई गुमनामी भारत के भीतर से इन ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी प्लेटफार्मों तक आसान और लगभग अप्रतिबंधित पहुंच प्रदान करती है।

गेमिंग के पारंपरिक रूपों के विपरीत, ऑनलाइन गेमिंग पीजीए जैसे मौजूदा कानून के दायरे में नहीं आता है। यह मुख्य रूप से भूमि-आधारित जुआ गतिविधियों पर केंद्रित है और डिजिटल क्षेत्र की जटिलताओं को पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं करता है। हालांकि, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 (आईटी अधिनियम) जो मूल रूप से साइबर अपराधों को संबोधित करने और इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य को विनियमित करने के लिए अधिनियमित किया गया था। गेमिंग सहित ऑनलाइन गतिविधियों के विभिन्न पहलुओं को नियंत्रित करने के लिए उपयोग किया जाने वाला प्राथमिक वैधानिक ढांचा बन गया है। ऑनलाइन गेमिंग से संबंधित डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा और उपभोक्ता संरक्षण जैसे मुद्दों के समाधान के लिए आईटी अधिनियम के तहत नियम और कानून तैयार किए गए हैं। भारत में सक्रिय विदेशी पंजीकृत गेमिंग प्लेटफॉर्म भी कर चोरी और मनी लॉन्ड्रिंग प्रथाओं में इनमें से कुछ संस्थाओं की संदिग्ध संलिप्तता सहित कई मुद्दों के कारण भारत सरकार के लिए चिंता का विषय बन गए हैं।

आईटी नियमों में 2023 के संशोधन ने महत्वपूर्ण बदलाव लाए, फिर भी नियामक निकायों के लिए चुनौतियां बनी हुई हैं। कानून की अस्पष्टता को देखते हुए, अधिकांश भारतीय निवासियों के लिए वास्तव में ऑनलाइन जुए में भाग लेना अभी भी संभव है। तकनीकी रूप से कहें तो, कैसीनो संचालकों को देष के भीतर अपना परिचालन स्थापित करने की अनुमति नहीं है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि भारत के निवासी ऑफशोर कैसीनो प्लेटफार्मों तक नहीं पहुंच सकते हैं। भारत के अधिकांश हिस्सों में, निवासियों के पास दुनिया भर के जुआ प्लेटफार्मों तक पहुंच है जो विभिन्न प्रकार के कसीनो गेम पेश करते हैं। इसके अलावा, इन कैसीनो में आम तौर पर पेपैल जैसे तीसरे पक्ष के सेवा प्रदाताओं के माध्यम से लेनदेन तंत्र स्थापित होते हैं जो दुनिया भर में मान्यता प्राप्त हैं। सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत तकनीकी अवैधता के बावजूद भारत में इतने सारे लोग अभी भी ऑनलाइन जुआ गतिविधियों में भाग लेने में सक्षम है। आज तक, भारत में किसी भी नागरिक पर अवैध रूप से जुआ खेलने का आरोप नहीं लगाया गया है।

एक विज्ञापन रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल-16 के दौरान फैंटेसी गेमिंग ऐप्स 18त्न विज्ञापन हिस्सेदारी के साथ टेलीविजन पर शीर्ष विज्ञापनदाता थे। यह पिछले आईपीएल में 15त्न से अधिक था। ऐप अपने समर्थन के लिए सौरव गांगुली, विराट कोहली, शुभमन गिल, हार्दिक पंड्या सहित प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ियों के साथ-साथ आमिर खान, आर माधवन, शरमन जोषी और अन्य जैसे लोकप्रिय अभिनेताओं का उपयोग करते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 2022 से 2023 तक आईपीएल क्रिकेट मैचों के दौरान फैंटेसी गेमिंग प्लेटफॉर्म की आय 24त्न से बढ़कर 28 अरब रूपये से अधिक हो गई है। लगभग 61 मिलियन उपयोगकर्ताओं ने फंतासी गेमिंग गतिविधियों में भाग लिया, जिनमें से लगभग 65त्न छोटे शहरों से आए थे।

ऑनलाइन जुए और गेमिंग से होने वाले भावनात्मक खतरे को उजागर करने के लिए भारत में ऑनलाइन जुए से जुड़ी घटनाओं को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। चेन्नई में एक 23 वर्षीय फिजियोथेरेपी छात्र धनुष ने ऑनलाइन रमी में पैसे खोने के बाद आत्महत्या कर ली। एक अन्य घटना में, चेन्नई में एक 29 वर्षीय महिला ने ऑनलाइन रमी में अपना सारा सोना और जीवन भर की बचत खोने के बाद आत्महत्या कर ली। केरल में एक 20 वर्षीय लड़के ने ऑनलाइन रमी में पांच लाख रूपये हारने के बाद अपनी जान ले ली। ये घटनाएं ऑनलाइन जुए से प्रभावित लोगों के लिए जागरूकता, विनियमन और समर्थन की तत्काल आवष्यकता को उजागर करती हैं।

आखिरकार, जब जुए की बात आती है तो भारत सरकार नए और अधिक प्रासंगिक कानून का मसौदा तैयार करने का बहुत दबाव होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि विनियमित जुए से उत्पन्न होने वाले करों से संभावित राजस्व से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मदद मिल सकती थी। इसके अलावा, कई विदेशी निवेशक विकास और संभावनाओं से भरे बाजार में प्रवेश करने के लिए भारत में परिचालन स्थापित करने के लिए उत्सुक हैं। अंततः, यह अभी भी देखा जाना बाकी है कि इन खेलों के विपरीत प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए क्या भारत सरकार अधिक आधुनिक कानूनों की इन मांगों का जवाब देगी या नहीं।

घर छोड़ के मत जाओ कही घर न मिलेगा

तनवीर जाफ़री

अपने व अपने परिवार के लिये जीविकोपार्जन की तलाश में बाहर निकलना अथवा अप्रवासी बनना प्रकृति का बनाया एक ऐसा चक्र है जिससे पृथ्वी का शायद कोई भी प्राणी अछूता नहीं। रोज़ी रोटी की तलाश में सभी प्राणियों को अपने अपने घरों से निकलकर बाहर जाना ही होता है। चूँकि प्रकृति ने मानव को अतिरिक्त सोच बुद्धि व योग्यता से नवाज़ा है इसलिये वह अपने अप्रवासन का रास्ता अपनी आर्थिक हैसियत,अपनी भविष्य की मनोकमनायें,कमाई का स्तर सुविधाजनक राज्य,देश व ठिकाने आदि बहुत कुछ देखकर तय करता है। गत पांच दशकों से अमेरिका,कनाडा व ऑस्ट्रेलिया जैसे देश भारत के अप्रवासियों के लिये आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। रोज़गार के अतिरिक्त भारतीय मुद्रा के मुक़ाबले डॉलर्स की कीमतों में भारी अंतर,सुरक्षित,साफ़ सुथरा, वातावरण, शुद्धता, ईमानदारी,भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण,सामाजिक सुरक्षा,बच्चों की शिक्षा व बुज़ुर्गों की सुरक्षा जैसी अनेक बातें भारतीयों को इन देशों में आने के लिये आकर्षित करती हैं। अप्रवासन करने वालों में एक वर्ग जो उच्च शिक्षा प्राप्त वैज्ञानिक, शोधार्थी, इंजीनियर्स,डॉक्टर्स,स्पेस वैज्ञानिक आदि जैसे क्षेत्रों से जुड़ा होता है। ऐसे प्रतिभाशाली लोगों के लिये तो लगभग पूरी दुनिया के दरवाज़े हमेशा खुले रहते हैं। दूसरा वर्ग शिक्षा हासिल करने की ग़रज़ से या शिक्षा हासिल करने के बहाने इन देशों में जाता है और वहीं का होकर रह जाता है। और तीसरा वर्ग पैसों के बल पर इन देशों में जाना चाहता है। और यही वर्ग आसानी से विदेश भेजने वाले एजेंटों के जाल में फंसकर कबूतरबाज़ी या डंकी रुट का शिकार हो जाता है। ऐसे कई लोग जहाँ संपन्न परिवारों के होते हैं वहीं अनेक ऐसे भी होते हैं जिन्होंने अपने घर का सोना,ज़मीन आदि बेचकर या गिरवी रखकर एजेंटों को मुंह मांगी रक़म दी होती है। यहां उस वर्ग का उल्लेख करना भी बेहद ज़रूरी है जो सत्ता में या तो शीर्ष पदों पर है या जिसके ऊँचे रसूख़ हैं या फिर उच्चाधिकारी वर्ग यहाँ तक कि वह वर्ग भी जोकि देश के युवाओं को ÷मेक इन इण्डिया ÷ और रोज़गार मांगो मत बल्कि रोज़गार दो,यहाँ तक कि शिक्षित लोगों के पकोड़ा बेचने को भी रोज़गार मानता है ऐसे अनेक लोगों के बच्चे या तो विदेशों में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे हैं या फिर वहां बड़े व्यवसाय कर रहे हैं। कई राष्ट्रभक्त महामनवों की संतानें तो विदेशी नागरिकता तक लिये बैठी हैं। ट्रंप जहाँ कई देशों को अपनी गिद्ध दृष्टि से देख रहे हैं वहीं ट्रंप प्रशासन द्वारा ब्राज़ील, ग्वाटेमाला, पेरू और होंडुरास के लोगों को भी %अवैध % बताकर अमेरिकी सैन्य विमान से ही उनके देश वापस भेजा गया है। भारत भी उन्हीं दुर्भाग्यशाली देशों में एक है जिसके अवैध बताये जा रहे 104 अमेरिकी प्रवासी अमेरिकी मालवाहक सैन्य विमान में भरकर बड़ी ही अपमानजनक स्थिति में वापस भारत लाये जा चुके हैं। ख़बर यह भी है कि इसी तरह के 487 भारतीयों की एक और खेप अमेरिका किसी भी समय भारत वापस भेज सकता है।

आसन्न चुनौतियों के अनुरूप हो वित्तीय संबल

सी. उदय भास्कर

इस 'अदृश्यता' के बावजूद, इस राशि को विभिन्न अन्य पैमानों के संदर्भ में देखे जाने की जरूरत है और कुल मिलाकर निष्कर्ष निकलता है कि भारतीय सशस्त्र बलों की युद्धक क्षमता को मौजूदा जरूरतों के अनुरूप सुनिश्चित बनाने के लिए जितना धन चाहिए, यह आवंटन उससे कम है। वैश्विक स्तर पर, 2024 में, अमेरिका का सैन्य खर्च 916 बिलियन डॉलर था और 296 बिलियन डॉलर के साथ चीन दूसरे स्थान पर था। यहां यह याद रखना ज़रूरी है कि 2018 में रक्षा संबंधी स्थायी समिति (एससीओडी) ने रक्षा मंत्रालय के लिए आवंटन का मापदंड जीडीपी का 3 प्रतिशत रखने की सिफारिश की थी ताकि सशस्त्र बलों की उपयुक्त स्तर की तैयारी सुनिश्चित करने वाले राष्ट्रीय पारिस्थितिकी तंत्र को निरंतर खाद-पानी और पोषण मिलता रहे।

हालांकि, यह तीन प्रतिशत आवंटन एक मायावी आंकड़ा बना हुआ है और पिछले चार वर्षों में यानी 2020-21 से मौजूदा वित्तीय वर्ष तकङ्क इस मद में गिरावट आई है। 2020-21 के लिए रक्षा आवंटन जीडीपी का 2.4 प्रतिशत था, जो 2025-26 के लिए घटाकर 1.91 फीसदी कर दिया गया है। पिछले कुछ सालों में इस अंतर की तरफ ध्यानाकर्षण तो बना है, लेकिन यह स्पष्ट है कि टीम मोदी द्वारा यह राजनीतिक निर्णय लिया गया है कि क्षेत्रीय भू-राजनीतिक माहौल और आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां जटिल और चुनौतीपूर्ण बनी रहने के बावजूद रक्षा आवंटन कम रहेगा। वर्ष 2018 में, एससीओडी ने यह सिफारिश भी की थी कि थल सेना के मामले मेंङ्क जो कि फौज की प्रमुख शाखा है और मूलतः मानव बल आधारित हैङ्क उसमें उपकरणों/साजो-सामान का मिश्रण आदर्शक रूप से ऐसा हो कि 30 प्रतिशत धन नए उपकरणों के लिए, 40 प्रतिशत मौजूदा साजो-सामान के वास्ते और 30 प्रतिशत पुरानी पीढ़ी के शस्त्रागार पर लगाया जाए।

लेकिन हकीकत गंभीर है। मार्च 2023 में, सेना ने एक स्पष्ट खुलासे में, स्थायी समिति को अवगत कराया कि सेना के केवल 15 प्रतिशत उपकरणों को ही नए उपकरण श्रेणी में रखा जा सकता है, जबकि लगभग 45 प्रतिशत अस्त्र-शस्त्र-उपकरण पुराने पड़ चुके हैं। सेना के प्रतिनिधि ने संसदीय समिति को यह भी बताया कि '30ञ्40ञ्30' वाली आदर्शक स्थिति पाने को हमें कुछ वक्त लगेगा'। अपर्याप्त राजकोषीय आवंटन और रणनीतिक योजना की विसंगति के कारण पिछले एक दशक में भारतीय सेना की समग्र लड़ाकू क्षमता घटती चलती गई है। 'आत्मनिर्भरता' पाने का शोर मचाने पर ज्यादा जोर देने से इसमें और जटिलता आई है। भारत द्वारा रक्षा मामले में आत्मनिर्भरता की कोशिशें वैश्विक लिहाज से वास्तव में जरूरी हैं, लेकिन युद्धक क्षमता बनाम स्वदेशीकरण एवं आत्मनिर्भरता के मामले में हकीकत उत्साहजनक नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में भारत के रक्षा और सैन्य क्षेत्र में सुधार के सराहनीय संकल्प के साथ पदभार संभाला था और 'आत्मनिर्भरता' बनाने को एक मुख्य मिशन के रूप में चिह्नित किया था। लेकिन एक दशक बाद भी, समग्र दृश्यावली मिश्रित और अपारदर्शी है।

एक व्यापक समीक्षा बताती है कि भले ही इस उद्देश्य की प्राप्ति में कुछ सफलता गाथाएं हैं और कुछ बड़ी परियोजनाएं पूरी होने की प्रक्रिया में हैं, लेकिन भारतीय सेना में महत्वपूर्ण साजो-सामान की कमी बनी हुई है। इससे हो यह रहा है कि आज हमारी थल सेना तोपों, टैंकों और व्यक्तिगत हथियारों की कमी झेल रही है। एक नौसेना है,जो विमान वाहक जहाज से संलग्न लड़ाकू विमान और पानी के नीचे उपयुक्त युद्धक क्षमता पाने की प्रतीक्षा कर रही है, एक वायु सेना है जो लड़ाकू विमानों की बेहद कमी से जूझ रही है और एक रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन है, जो अपने किए गए वादे तयशुदा समय-सीमा में पूरे करने में असमर्थ है। लड़ाकू क्षमता और स्वदेशीकरण के दोहरे उद्देश्यों को साकार करने के वास्ते, रक्षा बजट में पूंजीगत व्यय एक महत्वपूर्ण संकेतक है। यथेष्ट आंकड़ा 35 प्रतिशत से ऊपर होना चाहिए और इस मामले में परिदृश्य निराशाजनक है। कुल 6,81,210 करोड़ रुपये के मौजूदा रक्षा आवंटन में, पूंजीगत व्यय 1,80,000 करोड़ रुपये रखा गया है, जो कि 27 प्रतिशत से कम बनता है।

जुलाई 2024 में पीआरएस (संसदीय अनुसंधान सेवा) की एक बेहतरीन रिपोर्ट इस तथ्य को उजागर करती है कि 2014-15 और 2023-24 के बीच पूंजीगत व्यय का हिस्सा घटकर रक्षा बजट के 30 प्रतिशत से भी कम रखा गया। मौजूदा वित्त वर्ष में भी यह आवंटन इसी चलन के अनुरूप है और निकट भविष्य में इसमें बदलाव की संभावना नहीं है। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात है वित्त वर्ष 2024-25 के संशोधित अनुमानों में पूंजीगत व्यय मद से 12,500 करोड़ रुपये की राशि को बिना खर्च किए लौटाया जाना। यह सेना के शीर्ष रक्षा प्रबंधन एवं रणनीतिक योजना का खराब अक्स है, जो पहले ही पुराने पड़ चुके शस्त्रास्त्र एवं उपकरणों आदि सामान की कमी से ग्रस्त है और इस पर ध्यान देना चाहिए। रणनीतिक क्षेत्रों में आकांक्षित तकनीकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता पाने के राष्ट्रीय प्रयासों के केंद्र में अनुसंधान एवं विकास है और इस क्षेत्र में भारतीय अंतरिक्ष और परमाणु क्षेत्र एक सफलता-सिद्ध उदाहरण हैं। लेकिन, सेना की 'आत्मनिर्भरता' काबिलियत बनाने के संबंध में डीआरडीओ की कारगुजारी कोई बढ़िया नहीं रही। पीआरएस- 2024 रिपोर्ट में कहा गया है कि डीआरडीओ द्वारा शुरू की गई कई परियोजनाएं देरी से ग्रस्त हैं और इसमें आगे कहा गया हैञ् 'डीआरडीओ की 178 परियोजनाओं के विश्लेषण में, सीएजी ने पाया कि 119 परियोजनाएं मूल निर्धारित समय-सीमा का पालन नहीं कर रहीं। करीब 49 परियोजनाओं में लिया गया अतिरिक्त समय उस मूल समय से भी अधिक रहा, जिसे आरंभ में तय किया था। एक या इससे अधिक प्रमुख उद्देश्यों और मापदंडों पर पूरा उतरने के बावजूद परियोजनाओं को सफल घोषित कर दिया गया'। यह संस्थागत अयोग्यता और शिथिलता, दोनों का, मामला है और रक्षा प्रबंधन में उच्च स्तर पर बैठे लोगों पर भी प्रश्न है।

साल दर साल, सार्वजनिक डोमेन में रक्षा बजट अल्पकालिक समीक्षा के इस चरण से गुजरता है। और भले ही कमियां उजागर होती हैं, लेकिन यह सोच मानक बनी हुई है कि जब बहुत ज्यादा आवश्यकता होगी, तभी बटुआ ढीला करेंगे। यह आग लगने पर कुआं खोदने जैसा है। वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध में यही हुआ था, और भारी कीमत चुकाकर राष्ट्रीय संप्रभुता को पुनः प्राप्त किया जा सका था। शत्रु को किसी भी प्रकार के दुस्साहस से रोकने के लिए विश्वसनीय सैन्य तैयारी दिखावा, तमाशा और अस्पष्टता को प्राथमिकता देकर नहीं पाई जा सकती।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

नोएल सी. चेरीयन का 2025 विंटर एशियन गेम्स में चयन होने पर कलेक्टर ने दी बधाई ,

सांध्य प्रकाश नर्मदापुरम । नर्मदापुरम निवासी नोएल सी. चेरीयन का चयन 2025 विंटर एशियन गेम्स के लिए आईस स्केटिंग में हुआ है। यह खेल महोत्सव हारबिन चीन में आयोजित किया जाएगा। नोएल के चयन से जिले सहित पूरे प्रदेश में खुशी की लहर है। यह उनका कठिन परिश्रम और समर्पण का परिणाम है। नोएल सी. चेरीयन ने आईस स्केटिंग में अपनी विशेष पहचान बनाई है, और इस खेल में उनके चयन ने उन्हें एशियाई मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान किया है। हारबिन, चीन में आयोजित होने वाले इस प्रतिष्ठित खेल आयोजन में नोएल अपनी टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे और अपनी उत्कृष्टता का प्रदर्शन करेंगे। उनके इस चयन से जिले के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा मिलती है कि कठिन मेहनत और समर्पण से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। इस दौरान कलेक्टर सोनिया मीना ने नोएल को उनकी इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दी, और उनकी सफलता की कामना की है।

मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा किसान कल्याण योजना की राशि बैंक खाते में अंतरित की

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा देवास जिले में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के हितग्राहियों के बैंक खाते में सिंगल क्लिक से राशि अंतरित की गई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, सांची जनपद अध्यक्ष अर्चना पोर्ते, नगर पालिका अध्यक्ष सविता सेन, कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया सहित अधिकारी और हितग्राही उपस्थित रहे। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के उद्बोधन का लाईव प्रसारण भी देखा व सुना गया। अतिथियों द्वारा हितग्राहियों को योजनाओं की राशि अंतरण के सांकेतिक चेक भी प्रदान किए गए।

नगर की पैगाम ए अदब समिति के तत्वावधान अखिल भारतिय मुशायरा एवं कवि सम्मैलन

आष्टा । पैगाम ए अदब समिती द्वारा अखिल भारतीय मुशायरा एवं कवि सम्मैलन का एक ऐतिहासिक आयोजन नगर के स्थानीय पुराना बस स्टेण्ड अली चौक पर रात्री 08-30 बजे रखा गया है अखिल भारतीय मुशायरा एवं कवि सम्मैलन की आयोजक कमेटी ÷पैगाम ऐ अदब समिती÷ के अध्यक्ष फैजउद्दीन, उपाध्यक्ष शादाब अली शानू,नफीस शाह कनवीनर,तोसिफ बाबा कनवीनर सहित अन्य पदाधिकारियो सदस्यो ने जानकारी देते हुऐं बताया कि आगामी 11फरवरी 2025 दिन मंगलवार को रात्री 08 - 30 बजे नगर के स्थानीय पुराना बस स्टेण्ड अली चौक परिसर में पैगाम ए अदब समिती के तत्वावधान में एक भव्य एवं ऐतिहासिक अखिल भारतिय मुशायरा एवं कवि सम्मैलन का आयोजन किया जा रहां है आयोजित कार्यक्रम में देश प्रदेश सहित स्थानीय शायरो, शायराओ कवियों कवयित्रीयो को आमंत्रित किया गया है। आयोजक समिती ने काव्य प्रेमियो मुशायरा शोकिनो सहित आमजन से अधिक से अधिक संख्या में आकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील कि है

टैलेण्ट स्कूल के छात्रों ने देखा प्रधानमंत्री का 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम

आष्टा। भारत के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी द्वारा आयोजित परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का आज 8वॉ संस्करण स्थानीय टैलेण्ट इनोवेटिव हा. से. स्कूल में बोर्ड परीक्षा के सभी छात्रों को लाइव प्रसारण दिखाया गया। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से परीक्षा के तनाव को कम करने के उपायों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने छात्रों को नेतृत्व के गुण बताते हुए कहा कि लीडर को टीम वर्क सीखना बहुत जरूरी होता है। साथ ही उन्होंने छात्रो को चुनौतियो से लड़ने का भी मंत्र देते हुए कहा कि हमें हमेशा कोशिश करते रहना चाहिए व अपने लक्ष्य की सीमा को बढ़ाना चाहिए। मोदी जी ने उदाहरण देते हुए बच्चों को अपनी गलतियों से सीखने व सफलता प्राप्त करने व छात्रों को टेक्नोलॉजी का सदुपयोग करने के बारे में बताया।

सृष्टि के रचयिता है देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा

आष्टा विश्वकर्मा जी के जन्म महोत्सव को विश्वकर्मा समाज आष्टा द्वारा हर्षोल्लास से पाड़लिया रोड़ पर स्थित विश्वकर्मा धर्मशाला कार्यक्रम स्थल पर मनाया गया जहा पर सामूहिक विवाह सम्मेलन भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार अपने मित्र मंडल के साथ पहुचे। उन्होंने कहाँ की विश्वकर्मा भगवान इस सृस्टि के रचियता है जिन्होंने सृस्टि का निर्माण किया है। में बढ़ा सौभाग्यशाली हूँ जो भगवान विश्वकर्मा जी के जन्मदिवस पर मुझे आमंत्रित किया और जन्मोत्सव में शामिल होने का विश्वकर्मा समिति आष्टा द्वारा मुझे सौभाग्य प्रदान किया।कैलाश परमार ने सभी विश्वकर्मा बंधुओ को जन्मोत्सव की बधाई प्रेषित की एवं विवाह परिणय सूत्र मे बंधे वर वधु को आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर गौशाला अध्यक्ष नरेन्द्र कुशवाह, कर सलाहकार अभिषेक सुराणा भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

तेलंगाना के किसान संघ के पदाधिकारी ने कुंभ से लौटते समय किया भेड़ाघाट का भ्रमण

प्रयागराज महाकुंभ में स्नान कर लौटने के दौरान तेलंगाना प्रदेश के 10 सदस्यीय किसान परिवार के जाम में फंसने के कारण भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत द्वारा रात्रि 1 बजे उनके आवास व भोजन की व्यवस्था की। सुबह उन्होंने भोजन व भेड़ाघाट भ्रमण कर तेलंगाना प्रस्थान किया। इस दौरान किसान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल व प्रांत संगठन मंत्री श्री भरत पटेल जी ने परिवार से मुलाकात की। सभी किसान संघ के ग्रामसमिति के कार्यकर्ताओं से आग्रह है कि जरूरतमंद श्रद्धालु जनों को यात्रा मार्ग में अपने गांव से गुजरने के दौरान जो सहायता प्रदान की जा सकती है अवश्य करे।

अलीशा क्लब भोपाल बनी साहित्य देवता ट्रॉफी विजेता

माखन नगर। माखन नगर विगत एक पखवाड़े से नव आहुति संस्था द्वारा हाई स्कूल मैदान पर 42 वे साहित्य देवता ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा था जिसका सोमवार को समापन हुआ फाइनल मैच बुरहानपुर और अलीशा क्लब भोपाल के बीच हुआ जिसमें अलीशा क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 136 रन बनाए जवाब में बुरहानपुर की टीम 119 रन बनाकर ऑल आउट हो गई अलीशा क्लब भोपाल को अतिथि पूर्व विधायक गिरजा शंकर शर्मा पुष्पराज पटेल यशवंत सिंह राजपूत अनुराग मिश्रा जिला पंचायत सदस्य हाकम सिंह गुर्जर कपिल फौजदार हकीम खान नरेंद्र मालवी अंशुमान मीणा कायाकल्प डेरियाअर्पित सोनी कान्हा गुरु ने 51 000 हजार नगद और साहित्य देवता ट्रॉफी प्रदान की उप विजेता बुरहानपुर टीम को 31000 नगद एवं उपविजेता की ट्रॉफी प्रदान की गई सर्वप्रथम अतिथियों ने राष्ट्रकवि दादा माखनलाल चतुर्वेदी के चित्र पर पुष्पांजलि कर दीप प्रज्वलित किया नगर में प्रतिवर्ष होने वाली इस प्रतियोगिता का खेल प्रेमी इंतजार करते हैं और जब आयोजन होता है तो खेल प्रेमी ग्राउंड में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हैं अतिथियों ने प्रतियोगिता के आयोजक नव आहुति क्लब के अध्यक्ष रत्नेश बडगूजर शैलेंद्र जोशी और विशाल जैन को इस राज्यस्तरीय टूर्नामेंट को आयोजित करने के लिए बधाई दी विजेता और उपविजेता टीम को भी बधाई दी प्रतियोगिता में वरिष्ठ कांग्रेस नेता कुलदीप मिश्रा प्रमोद यादव कमलेश पांडे पदम मीना अनिल चौरे सुनील मोदी रमेश तिवारी पार्षद बबलू अंसारी नरेंद्र मालवीय काजल खेड़ी पुष्पेंद्र यादव गुर्जर वाड़ा सहित नगर के खेल प्रेमियों ने विशेष सहयोग प्रदान किया

प्रतियोगिता में प्रखर को बेस्ट बल्लेबाज रवि तिवारी बेस्ट बॉलर मैन ऑफ द सीरीज सलमान सईद बेस्ट फील्डर विकास राजपूत बेस्ट विकेट कीपर यक्ष कुमार को भी अतिथियों द्वारा ट्रॉफी दी गई प्रतियोगिता में बेस्ट अंपायर बी जी सपनेस पुरोहित सत्यम वर्मा अजय दोहरे कॉमेंटेटर अप्पू पाराशर उत्कर्ष आचार्य स्कोरर शैंकी आचार्य राकेश सिन्हा का सम्मान कर पुरस्कार दिया गया

भारतीय जनता पार्टी की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

आजीवन सहयोग निधि संग्रह कार्य निष्ठा ,समर्पण के साथ पूर्ण करें: संपतिया उइके

मण्डला।-भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित जिला स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमति संपतिया उइके ने कहा कि भाजपा के द्वारा सतत संपर्क संवाद की परंपरा रही है।11 फरवरी को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को हम सभी समर्पण दिवस के रूप में मनाते हैं प्रतिवर्ष संगठन द्वारा वार्षिक आजीवन सहयोग निधि संग्रह का कार्य किया जाता है।जिले में आजीवन सहयोग निधि संग्रह कार्य हम सभी निष्ठा,समर्पण एवं अनुष्ठान के रूप में इस कार्य को निर्धारित तिथि में पूर्ण करना है।साथ ही अन्य संगठनात्मक कार्यक्रमों को गति देने के लिए योजना तैयार की गयी है इस अवसर पर उन्होंने दिल्ली चुनाव की प्रचण्ड जीत की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और परिश्रम से भाजपा हमेशा जीत का परचम लहराती है।बैठक को भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने संबोधित करते हुए कहा कि 10 फरवरी को परीक्षा पे चर्चा के कार्यक्रम शैक्षणिक संस्थाओं में किये जाने हैं केंद्र सरकार का बजट को लेकर एक सेमीनार एवं पत्रकार वार्ता 23 फरवरी को मन की बात का कार्यक्रम बूथ स्तर तक प्रभावी रूप से किये जायें साथ ही अटल जन्मशताब्दी वर्ष पर मण्डला जिले में अटल जी की स्मृतियों का संग्रह किया जाना है।उपरोक्त सभी कार्यक्रमों के लिए जिले में टीम तैयार की गयी है।उन्होंने का कि आजीवन सहयोग निधि जैसे प्रभावी कार्य को एक समय सीमा में सभी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी के साथ पूर्ण किया जाना है।बैठक को जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम,नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा,पूर्व विधायक देवसिंह सैयाम,पूर्व जिलाध्यक्ष रोचीराम गुरवानी,रतन ठाकुर ने संबोधित किया।जिले की आयोजित बैठक उपरांत भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद मनोहर तांबे की पत्नी स्वर्गीय श्रीमति आशा देवी को श्रद्धांजलि अर्पित कर 2 मिनिट का मौन रखा गया।इस अवसर पर जिले के पदाधिकारी मण्डल अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

शासकीय हास्पिटल कि कमी को लेकर कांग्रेस नेता घर घर बेहतर ईलाज के लिए कांग्रेस की न्याय यात्रा

सांध्य प्रकाश , इटारसी। शासकीय हास्पिटल में मुख्य मुद्दा वेंटीलेटर एवं अन्य कमीयों को हर हमेशा उठाने वाले गज्जू तिवारी ने एक बार पुनः हास्पिटल कि कमीयों को लेकर घर घर जाकर न्याय यात्रा निकाल कर 5000 पोस्टकार्ड के माध्यम से मुख्यमंत्री को पोस्ट करने का ऐलान किया है।

कांग्रेस नेता गज्जू तिवारी ने एक पत्रकार वार्ता में कहा कि वह इटारसी और आसपास की जनता एवं मरीज़ों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ न्याय यात्रा निकालेंगे।

डॉ? श्यामा प्रसाद मुखर्जी हास्पिटल में सम्पूर्ण सुविधाओं को लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष गजानंद तिवारी के द्वारा इटारसी शहर के कांग्रेसीयों के साथ मिलकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व में किए गए आन्दोलनों ज्ञापन ,हस्ताक्षर अभियान, धरना प्रदर्शन एवं भूख हड़ताल सहित जल सत्याग्रह के बाद अगली रणनीति के रूप में न्याय यात्रा निकालने पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि शहर की जनता और आसपास की जनता से अपील करते हुए मुख्यमंत्री के नाम पांच हजार से ज्यादा पोस्ट कार्ड पोस्ट करेंगे। उन्होंने कहा कि इटारसी की बदहाल स्थिति से सीएम अवगत कराएंगे , क्योंकि इटारसी के आस-पास जुड़े गाँव सहित पूरा शहर एक मात्र डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल पर निर्भर हैं। जहां बिल्डिंग तो बन गई लेकिन बिना स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के इलाज कैसे संभव होगा।

स्पेशलिस्ट डॉक्टर की माँग तथा सभी उपकरणों के साथ सम्पूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं को पूरा कराने के लिए हर घर से संपर्क करके जन आन्दोलन करेंगे। इस दौरान सुधार मिश्रा ने कहा कि मैं कांग्रेसी नहीं हूँ। लेकिन कांग्रेस के इस विचार को पसंद करता हूँ। इसलिए यहां आया हूँ।मुद्दा जनहित का है इसलिए मैं आपके साथ खड़ा रहूँगा।

इस दौरान मोहन झलिया, राकेश चंदेले, जयप्रकाश अग्रवाल, विजय बाबू चौधरी, दिलीप गोस्वामी, पंकज राठौर, संजय ठाकुर, अंजलि कालोसिया , नेहा चावरे, पप्पी कालोसिया, धर्मेंद्र मालवीय, गुफरान अंसारी,

महालक्ष्मी मंदिर में नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर 12 फरवरी को

छतरपुर। सरानी दरवाजा बाहर स्थित महालक्ष्मी मंदिर में नगर अग्रवाल समाज एवं नवयुवक मंडल द्वारा 12 फरवरी को सुबह 9 से 1 बजे तक नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर लगाया जाएगा। जिला अग्रवाल समाज के मीडिया प्रभारी रामकिशोर अग्रवाल ने बताया कि इंद्रा देवी अग्रवाल की पुण्यस्मृति में उनके पति रमेशचंद्र अग्रवाल (कपड़ा वाले) एवं पुत्र आनंद अग्रवाल, पंकज, मनोज अग्रवाल एवं समस्त परिवार के सहयोग से 12 फरवरी को महालक्ष्मी मंदिर में आयोजित नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में सदगुरु नेत्र चिकित्सालय जानकी कुण्ड चित्रकूट के नेत्र विशेषज्ञों की टीम द्वारा मरीजों की आँखों की जांच की जाएगी। जांच में मोतियाबिंद पाए जाने वाले मरीजों को निशुल्क वाहन से चित्रकूट ले जाकर आपरेशन किया जाएगा। उनके ठहरने व भोजन की भी निशुल्क व्यवस्था रहेगी। नगर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने आंखों के मरीजों से आधार कार्ड की फोटो कापी के साथ शिविर में पहुंच कर उसका लाभ उठाने की अपील की है।

जिला खनिज प्रतिष्ठान के न्यास मण्डल की बैठक सम्पन्न

छतरपुर। जिला खनिज प्रतिष्ठान के न्यास मण्डल की बैठक कलेक्टर पार्थ जैसवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में वन एवं पर्यावरण मंत्री एवं विधायक चंदला दिलीप अहिरवार, राजनगर विधायक अरविन्द पटेरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष विद्या अग्निहोत्री सहित अन्य विधानसभाओं के विधायक प्रतिनिधि एवं संसदीय क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि उपस्थित रहे। साथ ही जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार, खनिज अधिकारी अमित सहित अन्य संबंधित अधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में न्यास, खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (पीएमकेकेकेवाय) तथा समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार उनके क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए स्कीमें तथा कार्य योजनाएं तैयार करने के संबंध में चर्चा की गई।

लटेरी तहसील के हर चैराहे पर झोलाछाप डाक्टरों का मकड़जाल जाल

स्वास्थ विभाग क्यूँ मेहरबान मुख्यमंत्री के आदेश के साथ कर रहे है खिलवाड़

सिरोंज। विदिशा का स्वास्थ्य विभाग यह बो अमला है जिसने देखते ही देखते स्वास्थ्य सुविधाओं से खिलवाड़ करने बाली एक लंबी फौज खड़ी कर डाली। इस फौज में एक संगठन होता है और उस संगठन का अध्यक्ष भी फर्जीबाड़े से ग्रसित होता है। लिहाजा स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर लोगों की जान से खिलवाड़ करना और जब बात सर से ऊपर निकल जाए तो उन्ही शटरों को बंद कर भाग खड़ा होता है यह सरदार। दरअसल विगत दिनों मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक आदेश जारी किया था, नियत थी आम जन मानस को स्वास्थ्य की उत्तम सुविधाएं मिल सके और लोग फर्जी डॉक्टर के द्वारा की जा रही लापरवाहीयों से बच सकें।

सिरोंज-लटेरी स्वास्थ्य विभाग की मंशा के अनुरूप नगर में पग - पग पर झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है। कोई अपना क्लिनिक संचालित कर रहा है तो कोई इन्दोर पॉली क्लीनिक तो मल्टी स्पेशलिस्ट बनकर शासन के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहा है। इनके द्वारा धड़ल्ले से मरीजों का इलाज किया जाकर जमकर मरीजो से बसूली की जा रही है। इन तमाम कारगुजारियों के दौरान लटेरी बीएमओ द्वारा नोटिस नोटिस का खेल खेला जा रहा है।

शहरभर में दर्जनों झोलाछाप डॉ की भरमार प्रशासनिक अमला मौन - सिरोंज-लटेरी नगर में कम से कम 80 से अधिक डॉक्टर हैं जिनके पास मेडिकल प्रैक्टिस के लिए किसी तरह की डिग्री और रजिस्ट्रेशन नहीं है। इनमें से कई लोगों के पास बैचलर ऑफ फार्मेसी की डिग्री है इसके सहारे उन्होंने अपना मेडिकल स्टोर खोला है पास ही खुद की क्लीनिक भी संचालित कर रहे हैं। इनमें कई कई ऐसे डॉ भी शामिल है जिनके पास किसी तरह की डिग्री तक नहीं है इसके बाद भी उन्होंने खुद के क्लीनिक खोल रखे हैं।

आखिर कौन होते हैं झोलाछाप डॉक्टर समझिये - झोलाछाप डॉक्टर वास्तव में उनको कहा जाता है जिन्होंने ना कभी चिकित्सा शास्त्र न पढ़े ना एमबीबीएस की डिग्री ली। कुछ लोग जो चिकित्सकों के यहां काम किए होते हैं अथवा इधर उधर से चिकित्सा से संबंधित थोड़ी बहुत जानकारी एकत्र कर लेते हैं वे नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा का व्यवसाय करने लगते हैं इसलिए इन्हें झोलाछाप डॉक्टर कहा जाने लगा।

खबर प्रकाशन के बाद नोटिस का खेल खेलते बीएमओ - समाचार पत्रों द्वारा झोलाछाप डॉक्टरों की खबरों का प्रकाशन बार-बार किया जाता रहा है। खबर प्रकाशित होने के कई दिनों बाद स्वास्थ्य विभाग ने नोटिस-नोटिस का खेल खेलने शुरू कर दिया। कई दिन फर्जी झोलाछाप डॉक्टरों को चिन्हित करने में निकाल दिए लेकिन मुख्यमंत्री के आदेश का पालन मुख्यमंत्री की मंशानुरूप नही किया गया। इससे यह विदित है कि सरकारी विभागों में नोटिस का खेल महज उगाही के लिए खेला जाता है। मेडिकल ऑफिसर अपनी आंखों पर पट्टी बांधे बैठे हुए हैं ताकि किसी गरीब की जान से खिलवाड़ हो सके।

महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य में किसी भी प्रकार की कोताही ना हो - कलेक्टर विदिशा कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित कर विभाग के जिलाधिकारियों सहित विभागीय अन्य अधिकारियों को सचेत करते हुए निर्देशित किया है कि विदिशा जिले में महिलाओं एवं बच्चों की स्वास्थ्य सुविधाओं को ध्यानगत रखते हुए क्रियान्वित की जा रही योजनाओं में किसी भी प्रकार की कोताही ना बरती जाए। समीक्षा बैठक में सापेक्षित परिणाम परलिक्षित नहीं होने पर उन्होंने लटेरी, सिरोंज बीएमओ को शोकॉज नोटिस जारी करने तथा नटेरन के सीडीपीओ का वेतन रोकने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिले में एक भी गर्भवती महिला की किन्ही भी कारणो से डिलेवरी घर अथवा रास्ते में नहीं होना चाहिए।

नोहलेश्वर महोत्सव

मेला में जानेमाने कलाकार होंगे शामिल मेला को दिव्य और भव्य बनाने के किया जायेगा प्रयास

दमोह । प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने नोहटा में मेला स्थल का भूमिपूजन कर नोहलेश्वर महोत्सव से संबंधित पोस्टर का विमोचन किया गया। राज्य शासन के संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से एक पत्रकार वार्ता आयोजित की गई।

राज्यमंत्री लोधी ने पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहा पिछले वर्ष से नोहलेश्वर महोत्सव का कार्यक्रम शुरू किया था, पिछले वर्ष यह कार्यक्रम 03 दिन का था। नोहटा बहुत ही ऐतिहासिक स्थान है, भगवान भोलेनाथ की नगरी है, यहां पर कलचुरी कालीन मंदिर है। नोहलेश्वर महोत्सव के नाम से यह महोत्सव शुरू किया है और इस महोत्सव को संस्कृति विभाग के कैलेंडर में भी शामिल किया है,

राज्यमंत्री धर्मेन्द्र लोधी ने कहा संस्कृति विभाग के इस 03 दिवसीय कार्यक्रम को 05 दिवसीय किया है। इसके साथ-साथ 18 से 28 फरवरी तक दिव्य और भव्य मेला भी लगाया जाएगा। महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम 18 से 28 फरवरी तक चलेंगे, जिसमें स्थानीय कलाकारों, बुंदेलखंड के कलाकारों को अवसर दिया जाएगा, इसके साथ-साथ 22 से 26 फरवरी तक संस्कृति विभाग के द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिसमें गायिका शहनाज अख्तर भी आयेंगी, आदिवासी नृत्य गुदुंब बाजा स्थानीय कलाकारों द्वारा 22 फरवरी को प्रस्तुतियां होंगी, 23 फरवरी को कुनाल गांजा वाला गायक एवं भरतनाट्यम, शास्त्रीय नृत्य, राजस्थानी लोक नृत्य राजस्थानी कलाकारों एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां होंगी,

उन्होंने कहा मेले के आकर्षण के लिए हेलीकॉप्टर राइड की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जो लोग हेलीकॉप्टर में यात्रा करना चाहते हैं उन्हें 10 मिनट की सशुल्क हेलीकॉप्टर राइड दी जाएगी। यह भी एक ऐतिहासिक काम हो जाएगा की मेले में हेलीकॉप्टर राइड का काम भी करेंगे। हेलीकॉप्टर राइड के लिए प्राइवेट कंपनी को बुलाया गया है, हेलीकॉप्टर राइड की फीस 3000 है लेकिन फीस 2000 रखी है। जो लोग उसका आनंद लेना चाहे मेले में ले लेंगे, 10 किलोमीटर के सर्कल में राइड की जाएगी। उन्होंने कहा 18 फरवरी को नोहलेश्वर कला एवं संस्कृति चेतना यात्रा दमोह जटाशंकर से शुरू होकर नोहटा तक पहुंचेगी। निश्चित रूप से बुंदेलखंड की सांस्कृतिक परंपरा और बृहद गौरवशाली पुरातत्व वैभव का इसमें प्रदर्शन होगा और भी बहुत से कार्यक्रम इस मेले में आयोजित किए जाएंगे। बुंदेलखंड की लोक परंपराएं, लोक संस्कृति व्यंजन पद्धतियां व्यंजनों का प्रदर्शन भी किया जाएगा, पारंपरिक खेल को और सामाजिक परंपराएं, इस प्रकार से बहुत सारे कार्यक्रम इसमें आयोजित होंगे। निश्चित रूप से यह मेला और सांस्कृतिक कार्यक्रम नोहलेश्वर महोत्सव के नाम से दिव्य और भव्य होगा। उन्होंने कहा मेले में लगभग 12 से 13 स्टॉल लगाए जाएंगे, जिसमें शासकीय योजनाओं के लिए आवेदन किए जा सकेंगे, इसकी भी रचना योजना की गई है। इस अवसर पर नोहलेश्वर महोत्सव के संयोजक सत्येंद्र सिंह लोधी, सत्यपाल सिंह, रोहित जैन, मंदीप यादव, बंटी दुबे, राहुल कुमार जैन, नर्मदा राय, कमल सिंघाई, मूरत सिंह, भारत सिंह, पप्पू बाजपेई, लालू यादव, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सैलानियों को फिर दिखा टाइगर

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- पर्यटकों को रातापानी टाइगर रिज़र्व में एक बार फिर बाघ का दीदार हुआ है। झिरी गेट के पास दिखी मादा टाइगर पर्यटकों के अपने मोबाइल कैमरे में कैद की तस्वीरें रातापानी टाइगर रिज़र्व घूमने जा रहे पर्यटकों को लगातार दिख रहे वन्यप्राणी बड़ी संख्या रातापानी पहुँच रहे सैलानी।

कार्यालय रिटर्निंग अधिकारी श्री बीसा नीमा महाजन साख सहकारी संस्था मर्यादित जिला खरगोन

विशेष साधारण सभा एवं निर्वाचन कार्यक्रम की सूचना

संस्था सदस्यों को सूचित किया जाता है, कि, श्री बीसा नीमा महाजन साख के संचालक मण्डल एवं प्रतिनिधियों के निर्वाचन हेतु नामांकन पत्र प्रस्तुति, दिनांक **21.02.2025**, दोप. 12 से 3 बजे तक, प्राप्ति हेतु श्रीमति किरणलता महाजन संस्था प्रबंधक को अधिकृत किया गया है। रिटर्निंग अधिकारी द्वारा नामांकन पत्रों की जॉच, दिनांक **22.02.2025** समय दोप. 12 बजे से जाँच पूर्ण होने तक की जाएगी। उम्मीदवारी वापसी दिनांक **23.02.2025** दोप. 1.00 से 2.00 बजे तक, तत्पश्चात उम्मीद्वारों की घोषणा एवं चुनाव चिन्हों आवंटन। संस्था की विशेष साधारण सभा दिनांक **02.03.2025** समय प्रातः 11.00 आयोजित है। (मतदान की स्थिति में समय प्रातः 11.00 बजे से दोप. 2.00 बजे तक) । उपरोक्त समस्त कार्यवाही हेतु स्थान श्रीराम मंदिर राधावल्लभ मार्केट खरगोन नियत है।

बसन्त यादव
रिटर्निंग अधिकारी एवं सहकारी निरीक्षक

एमपी में बंद हुआ बड़ा बैंक,उपभोक्ताओं की करोड़ों की रकम डूबी

भोपाल। अशोकनगर जिले में लस्टीनेस जनहित क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड ने सैकड़ों उपभोक्ताओं को करोड़ों रुपये का चूना लगाया। सोसायटी ने अच्छे ब्याज का लालच देकर पैसे जमा कराए, लेकिन अब दफ्तर बंद है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पीड़ित जमाकर्ता अपनी रकम वापस पाने के लिए भटक रहे हैं।

मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले में लस्टीनेस जनहित क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड ने सैकड़ों उपभोक्ताओं को करोड़ों रुपये का चूना लगा दिया। यह सोसायटी, जिसे लोग एक बैंक समझते थे, उपभोक्ताओं को अच्छे ब्याज का लालच देकर उनके पैसे जमा करा रही थी। अब सोसायटी का दफ्तर बंद है और लोग अपनी जमा की गई रकम वापस पाने के लिए भटक रहे हैं।

कारोबारी की शिकायत के बाद मामला हुआ उजागर: मामला तब सामने आया जब एक कारोबारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। कारोबारी ने बताया कि उन्होंने पिछले तीन वर्षों

में लाखों रुपये सोसायटी में जमा किए, लेकिन अब न तो सोसायटी का मैनेजर मिल रहा है और न ही कलेक्शन एजेंट्स दिखाई दे रहे हैं। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है।

जमाकर्ताओं को अच्छे ब्याज का लालच दिया: यह सोसायटी 2016 से अशोकनगर में लोगों से पैसे जमा करा रही थी। कर्मचारियों ने लोगों को आकर्षक ब्याज दरों का लालच देकर उनके पैसे जमा कराए। कृष्णपाल यादव, जो एक चाय के ठेले पर काम करते हैं, ने इस धोखाधड़ी का खुलासा किया। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि उन्होंने दो खाते खुलवाए थे, जिनमें उन्होंने क्रमश: 1.80 लाख और 3.08 लाख रुपये जमा किए थे. लेकिन अब जब वह अपनी रकम वापस लेने गए, तो न तो कलेक्शन एजेंट मिले और न ही किसी कर्मचारी ने संपर्क किया।

कृष्णपाल यादव के अनुसार, सिर्फ उनके खाते में ही नहीं, बल्कि शहर के कई अन्य दुकानदारों और लोगों के भी इस सोसायटी में खाते थे। ये लोग भी अपनी जमा राशि वापस पाने के लिए परेशान हैं। यह संभावना जताई जा रही है कि इस मामले में करोड़ों रुपये की रकम का खुलासा हो सकता है। हालांकि, सोसायटी के कर्मचारी लोगों को धमकाकर शिकायत न करने की सलाह दे रहे थे। अशोकनगर कोतवाली प्रभारी मनीष शर्मा के मुताबिक, शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता से यह भी कहा गया है कि वह अन्य प्रभावित लोगों से संपर्क करें, ताकि मामले की पूरी जानकारी जुटाई जा सके।

गुजरात इंजेक्ट (केरल) लिमिटेड ने तीसरी तिमाही के मजबूत नतीजों की घोषणा की

वडोदरा एजेंसी। बीएसई लिस्टेड, गुजरात इंजेक्ट (केरल) लिमिटेड (बीएसई- 524238) देश में कृषि उत्पादों के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध अग्रणी कंपनी है। कंपनी ने दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही में अपने शुद्ध लाभ में 4500 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। कंपनी थोक सब्जियों और फलों का व्यापार करने में माहिर है। यह सीधे किसानों से ताजा उपज प्राप्त करती है और गुणवत्ता, ताजगी और दोषरहित आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करते हुए इसे दुकानदारों तक पहुंचाती है। गुजरात इंजेक्ट (केरल) का दिसंबर-2024 तिमाही का शुद्ध लाभ 21.16 लाख रुपए था, जो गत वर्ष की हुए शुद्ध लाभ 0.46 लाख की तुलना में 45 गुना ज्यादा अधिक रहा। इसके अलावा, दिसंबर-2024 तिमाही में कंपनी की आय 315.23 लाख रुपए थी, जो गत वर्ष इसी समयावधि में 21.59 लाख दर्ज की गई थी, यह कंपनी की 1,360 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्शाता है। दिसंबर-2024 को समाप्त नौ महीनों के लिए, गुजरात इंजेक्ट (केरल) की आवक 1,480.86 लाख रुपए दर्ज की गई है जो पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में 36.96 लाख रुपए थी। यानी यह 3,906 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। साथ ही, नौ महीने की अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 94.40 लाख रुपए था, जो पिछले वर्ष इसी समयावधि में 4.48 लाख रुपए से 2,007 प्रतिशत अधिक है।

वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एण्ड मोबिलिटी लिमिटेड ने जनवरी 2025 में दर्ज की 3830 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की ज़बरदस्त बिक्री

वड़ोदरा , एजेंसी। ब्राण्ड्स 'जॉय ई-बाईक' और 'जॉय ई-रिक' के तहत इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली अग्रणी निर्माता वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एण्ड मोबिलिटी लिमिटेड ने जनवरी 2025 में 3830 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बेचे हैं, जिसमें हाई-स्पीड एवं लो-स्पीड मॉडल शामिल हैं। इस दृष्टि से कंपनी ने जनवरी 2024 की तुलना में 18.76 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है, जब 3225 युनिट्स बेची गई थीं। इसके अलावा, कंपनी ने 'जॉय ई-रिक' ब्राण्ड' के तहत 22 इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन बेचे, जिसमें पैसेंजर और कमर्शियल वाहन शामिल हैं। इस परफोर्मेन्स पर बात करते हुए श्री यतिन गुप्ते, चेयरमैन एवं प्रबन्ध निदेशक, वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एण्ड मोबिलिटी लिमिटेड ने कहा, ''हमने इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री में 18.76 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 2025 की शानदार शुरूआत की है, जो स्थायी परिवहन को बढ़ावा देते हुए जॉय ई-बाईक ब्राण्ड में उपभोक्ताओं के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। सरकार ईवी सिस्टम को सशक्त बनाने तथा स्वच्छ परिवहन को सशक्त बनाने पर ध्यान दे रही है, ऐसे में हम उद्योग जगत में स्थायी विकास को लेकर आशावादी हैं। हमारे इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों के बढ़ते अडॉप्शन से स्पष्ट है कि किफ़ायती एवं पर्यावरण के अनुकूल परिवहन समाधानां की मांग बढ़ रही है। वार्डविज़र्ड में हम हरित भविष्य की ओर भारत के रूपान्तरण को समर्थन प्रदान करते हुए इनोवेशन्स के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

पीएनसी इन्फ्रा को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की समीक्षा के बाद इन्फ्रा बोलियों में बहाली के साथ मजबूत वृद्धि की उम्मीद

मुंबई, एजेंसी। पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड (पीएनसी इंफ्रा) ने घोषणा की है कि कंपनी और उसके एसपीवी अब 17 फरवरी, 2025 से नई परियोजनाओं के लिए बोली लगाने के पात्र हैं, जिससे उसे बुनियादी ढांचा क्षेत्र में नई परियोजनाओं को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाने और राष्ट्रीय विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने की अनुमति मिलेगी। यह तब है जब सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने कंपनी और उसके दो विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी) पर पहले से लगाए गए प्रतिबंधों को एक वर्ष से घटाकर चार महीने कर दिया है, जो 17 फरवरी 2025 को समाप्त हो रहा है। 6 फरवरी, 2025 को एमओआरटीएच द्वारा जारी संशोधित आदेश, 18 अक्टूबर 2024 से शुरू होने वाले मूल प्रतिबंध को संशोधित कर 4 महीने की अवधि के लिए कर देता है, जो कंपनी द्वारा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ कुछ प्रक्रियाओं को पूरा करने के अधीन है। इससे कंपनी को अपनी ऑर्डर बुक का विस्तार करने और अपनी टॉपलाइन बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। पीएनसी इंफ्राटेक के पास 19,900 करोड़ रुपये (30 सितंबर, 2024 तक) से अधिक की मजबूत ऑर्डर बुक है, जिसमें कई प्रमुख ईपीसी परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इसमें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ प्रयागराज-कौशाम्बी परियोजना, महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम के साथ जालना-नांदेड़ और पुणे रिंग रोड परियोजनाएं और एनएचएआई के साथ अक्कलकोट पीकेजी- (बडाडल-मराडगी एस), सोनाली-गोरुखपुर और कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पीकेजी-2 शामिल हैं।

शिक्षकों के शिक्षण अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में पहल

नवनीत एजुकेशन लिमिटेड ने पेश किया 'नवनीत एआय'

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी नवनीत एजुकेशन लिमिटेड ने 'नवनीत एआय' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह नवाचार शिक्षकों को ज्ञान और संसाधनों तक आसान पहुंच प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। नवनीत के व्यापक शैक्षणिक सामग्री संग्रह का लाभ उठाते हुए, 'नवनीत एआय' के

उपकरण शिक्षकों को पाठ अधिक प्रभावी ढंग से पढ़ाने में मदद करेंगे। यह प्लेटफॉर्म इंटरएक्टिव और उपयोग में सरल है, जिससे शिक्षक क्विज़, होमवर्क, पीपीटी, फ्लैशकार्ड, सारांश और अन्य शैक्षणिक सामग्री आसानी से तैयार कर सकेंगे। कई दशकों से भारतभर में शिक्षक और छात्र नवनीत की पढ़ाई से जुड़ी किताबों और संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं। नवनीत डाइजेस्ट, वर्कबुक, नवनीत 21 मोस्ट लाइकली क्वेश्चन सेट्स, प्री-प्राइमरी और बच्चों के लिए प्रकाशित किताबों ने सीखने को आसान बनाया है। अब 'नवनीत एआय' के जरिए 50,000 से ज्यादा संसाधनों को एक नए रूप में पेश किया जा रहा है, जिससे पढ़ाई का अनुभव और दिलचस्प और असरदार बनेगा। यह नया प्लेटफॉर्म शिक्षकों को ऐसे डिजिटल टूल्स उपलब्ध कराएगा, जो पढ़ाने के तरीके को और सरल और प्रभावी बनाएंगे। नवनीत एजुकेशन का लक्ष्य पारंपरिक शैक्षणिक संसाधनों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर शिक्षण को और बेहतर बनाना है। नवनीत एआय के जरिए हमारा लक्ष्य शिक्षकों के लिए पढ़ाई से जुड़ी सामग्री को अधिक सुलभ और उनकी जरूरतों के अनुसार लचीला बनाना है, नवनीत एजुकेशन लिमिटेड के ब्रांडिंग, मार्केटिंग और सेल्स डायरेक्टर देविश गाला ने कहा। डिजिटल तकनीक को विश्वसनीय शैक्षणिक सामग्री से जोड़कर, हम शिक्षकों को नई पीढ़ी को प्रेरित करने के उनके प्रयासों में सहयोग दे रहे हैं। नवनीत एआय हमारे इस संकल्प का प्रतीक है कि हम तकनीकी प्रगति के साथ आगे बढ़ते रहें और बदलते शैक्षणिक माहौल की आवश्यकताओं को पूरा करें।

नथिंग फोन 3ए सीरीज़ भारत में होगी तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। लंदन की टेक कंपनी नथिंग ने ऐलान किया है कि उसकी नई नथिंग फोन 3ए सीरीज़ पूरी तरह भारत में बनाई जा रही है द्य यह घोषणा कंपनी की उस प्रतिबद्धता के अनुरूप हैए जिसमें भारत की समृद्ध मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं का उपयोग करने स्थानीय अर्थव्यवस्था में निवेश करने और टेक्नोलॉजी इनोवेशन को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है। नथिंग ने भारत में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। चेन्नई स्थित इसके कारखाने में 500 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैंए जहां फोन 3ए सीरीज़ का निर्माण किया जा रहा है। इन कर्मचारियों में से 95: महिलाएँ हैं।चेन्नई सेंटर नथिंग फोन 3ए सीरीज़ की मैन्युफैक्चरिंग के लिए खासा अहमियत रखती हैए जो स्थानीय निर्माण को लेकर ब्रांड की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

अमेरिका में बंद हुई सबसे छोटे सिक्के की ढलाई 168 साल बाद बदलने जा रहा है इतिहास

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अहम ऑर्डर जारी किया है। उन्होंने ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट को पेनी की ढलाई बंद करने का ऑर्डर दिया है। पेनी या एक सेंट अमेरिका में करेंसी की सबसे छोटी इकाई है। पेनी की ढलाई में होने वाले खर्च को देखते हुए यह फैसला किया गया है। एक पेनी की ढलाई में 3 सेंट खर्च होते हैं। यही वजह है कि कई साल से इसे बंद करने की मांग उठ रही है। एक पेन अमेरिकी डॉलर के 100वें हिस्से के बराबर होता है। अमेरिका में 1857 में हाफ सेंट की ढलाई बंद हो गई थी और उसके बाद से पेनी यानी एक सेंट का सिक्का अमेरिकी करेंसी की सबसे छोटी यूनिट बनी हुई है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, %कई साल से अमेरिका में पेनी की ढलाई हो रही है जिसकी लागत 2 सेंट ज्यादा है। यह पैसों की बर्बादी है। मैंने ट्रेजरी सेक्रेटरी को नए पेनी की ढलाई बंद करने को कहा है। इसे हमारे महान देश के बजट में तिलांजलि देने का समय आ गया है।% पिछले महीने एलन मस्क के डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशियंसी ने पेनी की ढलाई में आने वाली लागत के बारे में बात की थी।

सऊदी अरब में बन रहा धरती का शहर , टाटा और ओबेरॉय जैसी कंपनियां हुईं फिदा

नई दिल्ली। सऊदी अरब में City of Earth यानी धरती का शहर बन रहा है। इस शहर में एक से बढ़कर एक लग्जरी सुविधाएं होंगी। इसमें टाटा और ओबेरॉय ग्रुप जैसी भारतीय कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है। ये कंपनियां इस शहर में निवेश करने के लिए तैयार हैं। इस शहर का नाम दिरियाह है। दरअसल,

दिरियाह एक गीगा प्रोजेक्ट है। इसकी लागत 63 अरब डॉलर है। इसे 'सिटी ऑफ अर्थ' भी कहा जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के सीईओ जेरी इंजेरिलो ने कहा कि यहां निवेश करने के लिए टाटा और ओबेरॉय जैसे कुछ बड़े नाम साइन कर चुके हैं। इसे सऊदी अरब की राजधानी रियाद के बाहरी इलाके में बनाया जा रहा है।

इनमें अलावा इस नए शहर में 40 से अधिक लग्जरी होटल, 1000 से अधिक दुकानें, 150 से अधिक रेस्तरां और कैफे, एक यूनिवर्सिटी, आर्ट और कल्चरल एसेट्स, म्यूजियम, एक ओपेरा हाउस, 20000 सीटों वाला मल्टीपर्पस इवेंट एरिना, एक गोल्फ कोर्स और एक इंटरनेशनल घुड़सवारी और पोलो सेंटर आदि भी होंगे।

क्यों बनाया जा रहा है यह शहर?

इस शहर को 63.2 अरब डॉलर की लागत से बनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य इस जगह पर रियल एस्टेट और टूरिज्म को बढ़ावा देना है। साथ ही आधुनिक सऊदी साम्राज्य के ऐतिहासिक जन्मस्थान को पुनर्स्थापित करना है। इस साइट में यूनेस्को विश्व धरोहर अत-तुरैफ भी शामिल है।

कितनी कंपनियों ने दिखाई दिलचस्पी?

इंजेरिलो के मुताबिक भारत और सऊदी अरब के बीच द्विपक्षीय व्यापार काफी गहरा है। उन्होंने कहा कि 3000 से अधिक भारतीय कंपनियां पहले से ही यहां काम कर रही हैं। इनमें मैन्यूफैक्चरिंग, आईटी, एनर्जी और टेलीकम्यूनिकेशन जैसे सेक्टर में काम करने वाली कंपनियां शामिल हैं।यहां भारतीय कंपनियों की ओर से पहले से ही बहुत रुचि है। विशेष रूप से होटल क्षेत्र में। यहां ताज होटल ग्रुप 202 कमरों के साथ अपनी 250वीं प्रॉपर्टी खोलने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि सिटी ऑफ अर्थ सऊदी जीडीपी में 18.6 अरब डॉलर का योगदान देगा और 1.78 लाख नौकरियां पैदा करेगा।

व्यापार महासंघ ने किया निशुल्क कैंसर परिक्षण शिविर का आयोजन

भोपाल। इटारसी संयुक्त व्यापार महासंघ द्वारा स्थानीय अग्रवाल भवन मे निशुल्क कैंसर परिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कृष्णा हॉस्पिटल भोपाल के कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टर सुनील कुमार एवं उनकी टीम ने मरीजों की जांच कर कैंसर के निदान एवं उपचार हेतू परामर्श प्रदान किया। निशुल्क कैंसर परिक्षण एवं उपचार कैंप मे मुख्य अतिथि के रूप मे भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के प्रवक्ता, सुप्रसिद्ध चिकित्सक एवं पूर्व निगम अध्यक्ष डॉक्टर हितेष बाजपेई शामिल हुए ! डॉक्टर हितेष बाजपेई ने डॉक्टर सुनील कुमार एवं संयुक्त व्यापार महासंघ इटारसी को इस प्रकार के सेवाकार्य

के लिए साधुवाद देते हुए भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं केंद्र सरकार जनहितैषी योजनाओं के साथ-साथ मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव जी और मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाओं की जानकारी भी प्रदान करते हुए सदैव इस प्रकार के सेवाभावी कार्यक्रमों मे सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया इस अवसर प्रमुख रुप से संयुक्त व्यापार महासंघ के अध्यक्ष श्री दीपक हरिनारायण अग्रवाल,श्री सन्मुखदास चेलानी,भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री शैलेन्द्र दीक्षित, जिला मंत्री श्री उमेश पटेल,वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पार्षद श्री शिवकिशोर रावत,श्री प्रमेश मालवीय,श्री विशाल अग्रवाल,श्री राजू अग्रवाल,वरिष्ठ पत्रकार श्री जम्मू सिंह उप्पल सहित संयुक्त व्यापार महासंघ के पदाधिकरी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से पोलैंड की विदेशी मामलों की समिति के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज यहां उनके निवास कार्यालय में पोलैंड की विदेशी मामलों की संसदीय समिति के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल का छत्तीसगढ़ में स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह और राजकीय गमछा भेंट किया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत,खनिज भंडार, वन संपदा व पर्यटन सहित अन्य विशेषताओं की जानकारी देते हुए राज्य में आर्थिक निवेश के विषय में चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ तेजी से आर्थिक विकास के पथ पर अग्रसर है। हमारे द्वार निवेशकों के लिए खुले हैं, यहां उद्योगों को सभी प्रकार की सुविधाएं दी जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने पोलैंड सहित अन्य यूरोपीय देशों के निवेशकों को भी छत्तीसगढ़ में औद्योगिक निवेश के लिए आमंत्रित किया। छत्तीसगढ़ के नैसर्गिक सौंदर्य एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जानकारी से पोलैंड का संसदीय दल बहुत प्रभावित हुआ।

पोलैंड की विदेशी मामलों की संसदीय समिति के अध्यक्ष पावेल कोवल ने कहा कि उन्हें छत्तीसगढ़ में आकर बहुत अच्छा लगा। वे कल पुरखौती मुक्तांगन गए, जहां छत्तीसगढ़ की संस्कृति की झलक देखने को मिली। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पोलैंड की यात्रा की थी। लगभग 45 वर्षों के बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री पोलैंड आये। इस यात्रा के बाद पोलैंड और भारत के रिश्ते और मजबूत हुए हैं। इसी तारतम्य में हम भारत के विभिन्न राज्यों की यात्रा कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ और पोलैंड के मध्य आपसी सहयोग की बहुत संभावनाएं हैं। इस लिहाज से छत्तीसगढ़ की यह यात्रा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में दल के आत्मीय स्वागत के लिए सभी का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के दौरान कहा कि पिछले वर्ष प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पोलैंड की यात्रा की थी। यह 45 वर्ष बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पोलैंड यात्रा थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सभी देशों से अच्छे सम्बंध कायम कर रहे हैं। यह बहुत खुशी की बात है कि पोलैंड की विदेशी मामलों की संसदीय समिति ने छत्तीसगढ़ यात्रा कर यहां निवेश की संभावनाओं में रुचि दिखाई है। हम आप सभी का राज्य में स्वागत करते हैं। पोलैंड के जो निवेशक छत्तीसगढ़ में आर्थिक निवेश करना चाहते हैं उन्हें हम सभी प्रकार की सहयोग और सहूलियत प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को छत्तीसगढ़ के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि राज्य निर्माण के बाद अभी तक 25 वर्षों की यात्रा में छत्तीसगढ़ ने अभूतपूर्व उन्नति की है। छत्तीसगढ़ देश का नौवां सबसे बड़ा राज्य है। देश के विकास में छत्तीसगढ़ महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यहां प्रचुर मात्रा में खनिज भंडार और वन संपदा है। उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार ने प्रदेश में लागू की गई नवीन औद्योगिक नीति के बारे में जानकारी दी। इस दौरान छत्तीसगढ़ की अधोसंरचना और सांस्कृतिक विरासत तथा पर्यटन पर संक्षिप्त पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन दिया गया।

IPS Service Meet में पहली बार सभी रिटायर्ड अफसरों को भेजा था न्यौता, इन अफसरों ने भी दी प्रस्तुति

भोपाल। IPS Service Meet में पहली बार ऐसा हुआ जिसमें देश भर में रहने वाले मध्य प्रदेश कॉडर के रिटायर्ड अफसरों को भी न्यौता भेजा गया। इससे पहले तक भोपाल में ही रहने वाले रिटायर्ड अफसरों को मीट में निमंत्रण भेजा जाता रहा है। इस बार न सिर्फ इन्हें निमंत्रण भेजा गया, बल्कि उनसे आग्रह भी किया कि वे किसी ने किसी कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति दें। इसके चलते कई रिटायर्ड अफसरों ने कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुति भी दी। इस बार आईपीएस सर्विस मीट में यह प्रयास हुआ कि ज्यादा से ज्यादा अफसर इसमें हिस्सा लें। साथ ही रिटायर्ड अफसर भी अपनी बिरादरी के नए अफसरों से मुलाकात करें और कार्यक्रम में शामिल हों। इस मंशा के साथ ही डीजीपी कैलाश मकवाना और आईपीएस एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि गुप्ता ने तय किया कि इस बार वे मध्य प्रदेश कॉडर के सभी रिटायर अफसरों को भी निमंत्रण भेजेंगे। साथ ही मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों में रहने वाले रिटायर्ड अफसरों से संबंधित जिले के पुलिस अफसरों से संपर्क करवाकर उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कहेंगे। डीजीपी और एसोसिएशन के

अध्यक्ष की यह प्रयास रंग लाया और कई रिटायर्ड अफसर इस मीट में शामिल हुए। रिटायर्ड डीआईजी धर्मेंद्र चौधरी ने कहा कि यह पहला अवसर है जब भोपाल के बाहर रहने वाले रिटायर्ड आईपीएस अफसरों को भी मीट में पुलिस मुख्यालय की ओर से आमंत्रित किया गया। साथ ही संबंधित जिलों के अफसरों से भी कहा गया कि वे रिटायर्ड अफसरों को आमंत्रित किया गया। इसके अलावा यह भी आग्रह हम जैसे रिटायर्ड अफसरों से किया गया कि वे कार्यक्रम के किसी न किसी इवेंट में भाग जरुर लें। मैंने फैशन शो में वाक किया, मेरे साथ इंदौर पुलिस के एडिश्नल सीपी मनोज श्रीवास्तव भी थे। इसी तरह पूर्व डीजीपी सुधीर सक्सेना ने भी इस मीट में गर्मजोशी के साथ हिस्सा लिया। उन्होंने गानों पर अपनी प्रस्तुति दी।

केन्द्र ने 1997 बैच के IAS अधिकारी मेहरदा को NRAA के CEO का अतिरिक्त प्रभार सौंपा

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा में 1997 बैच के IAS अधिकारी कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में अतिरिक्त सचिव के पद पर कार्यरत डॉ. प्रमोद कुमार मेहरदा को छह महीने के लिए राष्ट्रीय वर्षा सिंचित क्षेत्र प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है । कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने श्री मेहरदा को 15.01.2025 से छह महीने के लिए या पद पर नियमित पदाधिकारी की नियुक्ति होने तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपने की स्वीकृति दे दी है।

प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ की बैठक

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ छिंदवाड़ा की तहसील शाखा हर्रई की बैठक माध्यमिक शाला हर्रई में सम्पन्न हुई । जिसमें मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा छिंदवाड़ा से पूर्व उप प्रांताध्यक्ष काशीराम शुक्ला, संभागीय निरीक्षण समिति अध्यक्ष सह जिला सचिव दीपक सावनेरे, जिला शाखा छिंदवाड़ा के कार्यकारी अध्यक्ष किशोर सांवले, जिला शाखा छिंदवाड़ा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं तहसील तहसील शाखा हर्रई के अध्यक्ष सगरलाल नागवंशी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रकोष्ठ शकीला सागर, मध्यान भोजन रसोईया प्रकोष्ठ की अध्यक्षे राजकुमारी नामदेव, एवं तहसील शाखा हर्रई के समस्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी साथी एवं मध्यान भोजन की रसोइया बहने एवं मध्यान भोजन स्व सहायता समूह की अध्यक्ष सचिव बहने उपस्थित रही । कार्यकारी जिला अध्यक्ष किशोर सांवले ने सभी कर्मचारी साथियों से संगठित होकर संगठन को मजबूती प्रदान करने का आह्वान किया । संभागीय निरीक्षण समिति अध्यक्ष सह जिला सचिव दीपक सावनेरे ने सभी कर्मचारी साथियों एवं रसोईया बहनों को आश्वस्त किया कि जिला स्तर पर हल होने वाली समस्याओं के निराकरण लिए जिला शाखा छिंदवाड़ा की ओर से प्रशासन को आपकी उक्त समस्याओं के निराकरण के लिए पत्र प्रेषित कर शीघ्राति शीघ्र समस्याओं का निराकरण कराया जाएगा। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष एवं तहसील शाखा हर्रई के अध्यक्ष सगरलाल नागवंशी ने जिले से आए वरिष्ठ पदाधिकारीयों के प्रति आभार व्यक्त किया।

क्रिस्चन क्लब 2-1 से विजयी

छिंदवाड़ा। जिला हॉकी संघ द्वारा आयोजित जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता पुलिस ग्राउण्ड में खेली जा रही है। जिला हॉकी संघ के सचिव सारिक सिद्दीकी ने बताया कि यह प्रतियोगिता लीग कम नॉकआउट पद्धत्ति से कराई जा रही है ।

प्रतियोगिता में अम्पायर सिराज खान व नईम खान अपनी सेवाएं दे रहे हैं । दिनाँक 10 फरवरी को क्रिस्चन क्लब विरुद्ध प्रिंस क्लब के बीच मैच खेला गया जिसमें क्रिस्चन क्लब 2-1 से विजयी रही जिसमें हिमांशु व सोनू ने एक एक गोल किया। दिनाँक 11 फरवरी को दो सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे पहला मैच फ्रेंड्स क्लब विरुद्ध यूनाइटेड क्लब के बीच खेला जाएगा तथा दूसरा सेमीफाइनल क्रिश्चन क्लब विरुद्ध ब्रदर्स क्लब के बीच खेला जाएगा । खिलाड़ियों के उत्साह वर्धन हेतु रिजवान कुरैशी ,संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह बैस, अंतरराष्ट्रीय खिलाडी रविकान्त अहिरवार ,श्रीमती चंदकिरण पॉल,जावेद खान,नवेद खान, हॉकी संघ उपाध्यक्ष जावेद खान,रहीम खान,राशिद खान, नईम खान, जेक्शन कुमार,सैय्यद अस्सु अली, रमेश कुमार, संतोष बंदेवार,अज़हर खान,आरिफ खान, नूर मोहम्मद, शेख शकील व इमरान सिद्दीकी सहित हॉकी संघ के पदाधिकारि ,हॉकी क्लबो के खिलाड़ी उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का संचालन जावेद खान ने किया ।

गर्ल्स कॉलजे में जल्द होगा एनएसयूआई का विस्तार

छिन्दवाड़ा। जिला मुख्यालय व ब्लॉक मुख्यालयों पर माननीय कमलनाथ जी एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी के प्रयासों जिला मुख्यालय सहित ब्लॉक मुख्यालयों पर शासकीय महाविद्यालयों की स्थापना की गई है। नेताद्वय के प्रयासों से ही मेडिकल कॉलेज से लेकर विश्वविद्यालय की शुरुआत हुई है। जिले में शिक्षा के क्षेत्र में माननीय कमलनाथ एवं नकुलनाथ के योगदान से अमूल चूल परिवर्तन हुए हैं। नेताद्वय के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में कराए गए अनेकों अनेक कार्यों को लेकर एनएसयूआई निरंतर कॉलेजों में पहुंच रही है।

काउंसलिंग में 16 अभ्यर्थी पटवारी पद के लिये पाये गये पात्र

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशन में पटवारी चयन परीक्षा 2022 के आधार पर जिला छिन्दवाड़ा के लिए चयनित 31 अभ्यर्थियों की काउंसलिंग आज ई-दक्ष केंद्र छिंदवाड़ा में प्रातः 10.00 बजे से प्रारंभ की गई। काउंसलिंग के लिए 16 अभ्यर्थी उपस्थित हुए तथा 15 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। काउंसलिंग गठित दो परीक्षण समितियों द्वारा की गई। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि काउंसलिंग में सभी 16 अभ्यर्थी पटवारी पद के लिये

पात्र पाये गये। जिन्हें 24 फरवरी 2025 से पटवारी प्रशिक्षण शाला जबलपुर में उपस्थित होकर प्रशिक्षण लेने के लिये कलेक्टर श्री सिंह द्वारा आदेश जारी किये गये।

ग्राम पंचायत खिरसाडोह में आनंद उत्सव

परासिया। ग्राम पंचायत खिरसाडोह में आनंद उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम पंचायत खिरसाडोह,सोना पिपरी, खमराजेठू, हरई, के ग्रामीणों एवं स्कूल के बच्चों ने खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया जिसमें मुख्य अतिथि जनपद सदस्य सुनील अहाके सरपंच ग्राम पंचायत खमरा जेठू प्रकाश नवरेती , घनश्याम मिश्रा ,उप सरपंच सुशील डोलानी , पंच सुनीता कुमरे, जयनाथ मार्फे, उप यंत्री श्वेता धीम उपस्थित थे।

माथनी खदान का किया निरीक्षण

परासिया। वेकोलि की माथनी भूमिगत खदान मे जहरीली गैस के रिसाव के कारण गत जनवरी माह से कार्य बंद है । प्रबंधन के द्वारा संकेत दिये जा चुके हैं कि माथनी खान को बंद किया जायेगा। प्रबंधन ने कर्मचारियों का अन्य खदानों में तबादला करने के लिए सूची तैयार कर ली है।

प्रधानमंत्री से नहीं परिवार के सदस्य से कर रहे थे चर्चा

पीएम केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 में लगभग 1100 बच्चों ने परीक्षा पर चर्चा के आठवें संस्करण को बड़ी स्क्रीन पर देखा व सुना

छिन्दवाड़ा पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 के छिंदवाड़ा में दोनों पाली के कक्षा 6वीं से 12वीं तक के लगभग 1100 बच्चों ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री की परीक्षा पर चर्चा के आठवें संस्करण को बड़ी स्क्रीन पर देखकर लाभ लिया। इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का परीक्षा पर चर्चा के अंतर्गत एक अलग अंदाज दिखा। वे देश भर से चुने गए लगभग 36 बच्चों से व्यक्तिगत संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें अभिप्रेरित कर रहे थे । इस अवसर पर ऐसा लग रहा था की वे बच्चे अपने परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य के साथ प्रकृति के सानिध्य में समय बिताकर ज्ञानवर्धन कर रहे हैं। विद्यालय प्राचार्य हरिप्रसाद धारकर ने बताया कि यह एक ऐसा अवसर होता है जिसका बोर्ड की परीक्षा देने वालों के साथ ही कक्षा 6वीं से लेकर 12वीं तक अन्य विद्यार्थियों को बेसब्री से इंतजार होता है। जिसके लिए विद्यालय में एक बड़ा एलसीडी स्क्रीन, साउन्ड सिस्टम और वृहद पंडाल की व्यवस्था की गई थी, जिससे की विद्यार्थी सुविधाजनक ढंग से कार्यक्रम का आनंद ले सकें। विद्यालय के विद्यार्थियों ने परीक्षा पर चर्चा के आठवें संस्करण में यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नए अंदाज को बहुत पसंद किया एवं इस दुर्लभ अवसर का लाभ लिया । परीक्षा पर चर्चा के दौरान विद्यालय प्राचार्य श्री धारकर के अतिरिक्त विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्री विपिन कुमार झा, श्री रविंद्र कुमार उपाध्याय, श्री विकास साहू, श्री नीलेश अग्रवाल, श्री प्रमोद पटले, श्री विकास मोदनवाल, श्री धनराज खरपुसे, श्री अरुण बाड़बुड़दे, श्री शिवा, श्री पंकज शर्मा, श्री दीनानाथ पवार, श्री मेखिला सरवैया इत्यादि सभी शिक्षक न केवल उपस्थित थे, बल्कि पूरे समय उन्होंने भी प्रधानमंत्री श्री मोदी की चुनिंदा विद्यार्थियों के साथ चर्चा को ध्यान लगाकर सुना एवं पसंद किया।

40 हजार विद्यार्थियों ने सुनी चर्चा

छिन्दवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले के सभी शासकीय, अशासकीय और केंद्रीय, इस प्रकार 512 विद्यालयों के 40000 से भी अधिक विद्यार्थी आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा आयोजित परीक्षा पर चर्चा में ऑनलाइन शामिल हुये। इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले भर के बच्चों को प्रधानमंत्री द्वारा प्रेरणास्पद वार्तालाप के माध्यम से बच्चों को परीक्षा पूर्व आत्मविश्वास बढ़ाते हुए परीक्षा पूर्व किस तरह तैयारी करें, किस तरह अपने आप को तनाव मुक्त रखें, किस तरह निर्भीक होकर परीक्षा के दिन किस तरह परीक्षा में अच्छे अंक अर्जित किए जा सकते हैं, विषयों पर विस्तार से रूबरू होते हुए समझाया गया। बच्चे इस कार्यक्रम से बेहद प्रसन्न नजर आए। साथ ही बच्चों ने प्रधानमंत्री जी द्वारा बताए गए सूत्रों को जीवन में अपनाकर परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए संकल्प भी लिया । जिले का यह कार्यक्रम शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहाके, शेषराव यादव, विजय पांडे, अजय सक्सेना एवं श्री विजय झंझरी के साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस.बघेल, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य श्री अवधूत काले, एमएलबी स्कूल की संस्था प्रमुख श्रीमती अलका श्रीवास्तव, संपूर्ण स्टाफ एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे ।

पोलिथिन की थैली में जो होटलवाला चाय देगा उस पर फाईन होगा:कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह

पोलिथिन की थैली में गरम चाय/काफी देने से होता कैन्सर

समाज सेवी संस्थायें जागरूकता लाने का प्रयास करें

छिंदवाड़ा। जो होटल वाले पोलिथिन की पन्नी (थेली) में चाय देंगे उन होटल वालों पर फाईन होगा, उक्त आदेश कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने नगर निगम को दिये है। यह सर्व विदित हे कि पोलिथिन की पन्नी में गरम चाय से पोलिथिन के कर्ण चाय के माध्यम से शरीर में पहुंचते है और उससे केन्सर होता है, आम आदमी को पता नही चलता और एन वक्त पर या मृत्यु होने पर पता चलता है कि कैन्सर से मौत हो गई। नगर के होटल वाले खुले आम पोलिथिन पर चाय दे रहे है, पोलिथिन के बजाये यदि छोटे थर्मस में चाय दे तो यह बीमारी नहीं होगी। इसमें जागरूकता की भी जरूरत है, पोलिथिन में चाय नगर में नहीं गांव एवं शहरों में भी दी जा रही है, सभी नगर निकायों एवं पुलिस को भी इस पर ध्यान देने की जरूरत है, समाज सेवी संस्थायें भी आगे आये।

87 दिनों में न्याय... नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी को 5 साल का सश्रम कारावास

छिंदवाड़ा। जिले के दमुआ थाना क्षेत्र में नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में विशेष न्यायालय ने त्वरित सुनवाई करते हुए आरोपी चिड्डा उर्फ संजोग मर्सकोले (उम्र 23 वर्ष) को दोषी करार दिया है। माननीय अपर सत्र न्यायालय, जुन्नारदेव ने आरोपी को पॉक्सो एक्ट की धारा 9(द्व)/10 के तहत 5 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 5000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। साथ ही, भारतीय दंड संहिता की धारा 137(2) के तहत भी 5 वर्ष के सश्रम कारावास और 5000 रुपये का अर्थदंड लगाया गया। इसके अलावा, पीड़िता को 10,000 रुपये प्रतिकर राशि प्रदान करने का आदेश दिया गया।

घटना का संक्षिप्त विवरण

प्रकरण के अनुसार, 19 सितंबर 2024 को दोपहर करीब 3 बजे, जब पीड़िता (9 वर्ष) अपने घर के पास साइकिल चला रही थी, तभी आरोपी उसे बहला-फुसलाकर अस्पताल के पास ले गया। उसने ककड़ी खिलाने और पैसे देने का लालच देकर नाबालिग को अपनी साइकिल पर बैठाया और नदी किनारे ले जाकर गलत नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया। डर के कारण पीड़िता वहां से भागकर घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना बताई। 20 सितंबर 2024 को पीड़िता के पिता ने दमुआ थाना, जिला छिंदवाड़ा में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया।

त्वरित न्याय और अभियोजन की भूमिका-

विशेष लोक अभियोजक एवं सहायक जिला अभियोजन अधिकारी गंगावती डहेरिया ने मामले में प्रभावी पैरवी की। प्रस्तुत साक्ष्यों और तर्कों से सहमत होकर माननीय न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराया और सजा सुनाई। माननीय न्यायालय ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पीड़िता को 10,000 रुपये प्रतिकर देने का आदेश भी दिया। यह फैसला महिला एवं बाल संरक्षण कानूनों की प्रभावशीलता को दर्शाता है और त्वरित न्याय का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

भाजपा जिला अध्यक्ष शेष राव यादव का स्वागत ....

मैं जिला अध्यक्ष आप सभी कार्यकर्ताओं की वजह से बना हूं: शेष राव यादव

अमरवाड़ा। नगर में भारतीय जनता पार्टी के नव निर्वाचित जिला अध्यक्ष शेषराव यादव का प्रथम नगर आगमन पर अमरवाड़ा में नगर के प्रमुख एक दर्जन स्थानों में जोरदार स्वागत सत्कार किया गया नगर भाजपा मंडल अध्यक्ष सचिन गोल्डी नेमा ने बताया कि छिंदवाड़ा भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव के अमरवाड़ा नगर आगमन पर बर्दिया हनुमान मंदिर, छिंदवाड़ा रोड शिक्षक कॉलोनी गेट बस स्टैंड मंगल भवन में जगह-जगह स्वागत किया गया और नगर के पुराना बस स्टैंड पर नगर मंडल के द्वारा पुष्प वर्षा के साथ जिला अध्यक्ष शेष राव यादव को फलों से तोला गया और जमकर आतिशबाजी की गई वहीं दीप मनी पान विशाल पुष्प हार पहनकर स्वागत किया तो राम मंदिर गेट पर जन भागीदारी समिति के द्वारा भी स्वागत किया गया वहीं गंज बाजार के पास भी धूमधाम के साथ कार्यकर्ताओं में उत्साहपूर्वक स्वागत किया और अमरवाड़ा के बारात घर में विशाल कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें अमरवाड़ा विधानसभा के सभी कार्यकर्ताओं ने उसका ऊर्जा उमंग के साथ अपने नए अध्यक्ष का उसे पर हर पहनकर स्वागत किया इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शुभंकर अध्यक्ष शेष राव यादव ने कहा कि आज मैं जिला अध्यक्ष बना हूं वह आप सभी भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ताओं की वजह से बना हूं भाजपा में हर कार्यकर्ता का बड़ा महत्व होता है हर कार्यकर्ता बड़े पद पर जा सकता है उन्होंने कहा कि आप सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर मेरे साथ निरंतर काम करना है और आप सभी का मान सम्मान बरकरार रहेगा वही कार्यक्रम को अमरवाड़ा विधायक कमलेश प्रताप शाह, जिला भाजपा महामंत्री टीकाराम चंद्रवंशी, पूर्व विधायक पंडित रमेशदुबे, और भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री उत्तम सिंह ठाकुर ने संबोधित किया इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक नाथन शाह, लखनपटेल, पार्षद छिंदवाड़ा विजय पांडे, विजय झंझरी, पूर्व निगम अध्यक्ष दीपू मिगलानी, अमरवाड़ा नगर पालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष संजय सक्सेना पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष देवेंद्र जैन, श्रीमती ललिता वर्मा, नवीन जैन संतोष नेमा, सुभाष चचड़ा, पूर्व निगम अध्यक्ष नारायण बंजारा नितिन तिवारी दीपक नेमा, शैलेंद्र पटेल, विनोद चौरसिया ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विनोद चंद्रवंशी पार्षद श्रीमती नविता चौरसिया गरिमा दामोदर पूर्व उपाध्यक्ष संतोष पटेल अर्पित लाला, राजकुमार बरकड़े, सिंगोली मंडल अध्यक्ष सोनू सरस्वर डॉ उमेश शर्मा, विनोद साहू, आशु चचडा मुकेश सूर्यवंशी, अमित नेमा पीयूष चौरसिया सहित भारतीय जनता पार्टीके सभी पदाधिकारी गण बड़ी संख्या में मौजूद रहे वही नगर मंडल और युवा मोर्चा के द्वारा मोमेंटो देकर जिला अध्यक्ष जी का स्वागत सत्कार किया गया कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन नगर मंडल अध्यक्ष सचिन गोल्डी नेमा के द्वारा किया गया

सीएम हाउस और सीएम कार्यालय के पत्रों का प्राथमिकता में करें निराकरण

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अग्रिम कुमार, अपर कलेक्टर के.सी.बोपचे, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अंकिता त्रिपाठी, परिवीक्षाधीन नवागत डिप्टी कलेक्टर सुश्री राजनंदिनी सिंह सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी एवं जिला मुख्यालय के अधिकारी कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में उपस्थित थे, जबकि अन्य सभी एसडीएम, सीईओ जनपद पंचायत, सीएमओ सहित सभी खंड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

सीएम हेल्पलाइन में ग्रेडिंग सुधार के निर्देश

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में जिला हमेशा टॉप 10 में शामिल रहता है। लेकिन अभी स्थिति अच्छी नहीं है, जो विभाग सी व डी में हैं वे काफी मेहनत करें। आपके कारण पूरे जिले की रैंकिंग और ग्रेड प्रभावित होता है। कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हाउस और सीएम कार्यालय के लंबित पत्रों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को लंबित पत्रों की जानकारी दी और निर्देश किए कि इन पत्रों को प्राथमिकता में रखते हुए तत्काल निराकृत कराएं। सर्वाधिक लंबित में जनजातीय कार्य विभाग और एसडीएम छिंदवाड़ा से संबंधित प्रकरण पाए गए। उन्होंने सभी अधिकारियों को जनसुनवाई के सभी प्रकरणों का भी निराकरण सुनिश्चित करते हुए जनआकांक्षा पोर्टल पर निराकरण दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

भूरा भगत मेले की तैयारियों की समीक्षा

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर लगने वाले भूरा भगत मेले की तैयारियों की भी समीक्षा की। पी.डब्लू.डी., पीएमजीएसवाय को सड़कों की मरम्मत, दिशा निर्देशक, साइन बोर्ड लगाने, पी.एच.ई. विभाग को पानी की व्यवस्था, विद्युत मंडल को अतिरिक्त ट्रांसफार्मर, स्वास्थ्य विभाग को एम्बुलेंस और डॉक्टर्स की ड्यूटी, अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को पार्किंग व्यवस्था एवं रेडियम पट्टी आदि की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसडीएम जुन्नारदेव को इस बार नवाचार के रूप में टेंट सिटी की व्यवस्था का क्षेत्र में व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए निर्देशित किया।

मातृ-पितृ पूजन दिवस 14 फरवरी को

छिंदवाड़ा। परम् पूज्य संत आशारामजी बापू द्वारा प्रेरित 167 देशों में मनाया जाने वाला मातृ-पितृ पूजन दिवस की तैयारी जिले सहित पूरे देश मे जोरों पर है। बच्चों में, युवाओं में, विद्यार्थियों में अपने अपने माता पिता के प्रति पूज्य भाव प्रकट हो ; इस निमित्त प्रतिवर्ष यह आयोजन सम्पन्न कराए जातें हैं । सर्वप्रथम भगवान श्री गणेश जी ने उनके माता पिता का पूजन कर देवताओं में प्रथम पूज्यनीय होने का आशीर्वाद प्राप्त किया था। पूज्य बापूजी भी यही चाहतें हैं कि विश्व का हर बच्चा भगवान गणेश जैसा पूज्यनीय बन जाये। जो विद्यार्थी माता पिता और गुरुजनों का आदर करता है वह चिर आदरणीय हो जाता है। विगत 2 माह से श्री योग वेदांत सेवा समिति जिले भर के सैकड़ों स्कूलों , समस्त भागवत कथाओं में और कई धार्मिक आयोजनों में यह कार्यक्रम कर चुकी हैं । सभी विकास खण्डों पर संकीर्तन यात्रा भी सम्पन्न की। इस सम्बंध में देश के महामहिम राष्ट्रपति पत्र क्रमांक si no Pv/B/0901180110 और प्रधानमंत्री जी पत्र क्रमांक PMOPG/E/2016/0551834 के माध्यम से आदेशित कर चुकें हैं । देश भर में कार्यरत 2500 समितियाँ और 550 आश्रमों की जिम्मेदारी सुनिश्चित की गई है । उत्तरप्रदेश , हरियाणा ,गुजरात , छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी,म.प्र. के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा , म.प्र. शासन के शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, मप्र तेलधानी बोर्ड के अध्यक्ष रवि करण, जिले के सांसद विवेक साहू द्वारा सम्बंधित अधिकारियों को आदेशित कर चुके हैं। दिल्ली समिति द्वारा सभी मेट्रो स्टेशनों और ट्रेनों में लगाये गए पोस्टर चर्चा का केंद्र है। मुख्य आयोजन 14 फरवरी को गुरुकुल में सम्पन्न होगा। जिसके लिए सभी धर्मों और समाज के प्रतिनिधियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जा रहा है। अमेरिका जैसा सुपर पावर देश यह मानता है कि पूज्य बापूजी द्वारा पूरे विश्व में चलाया गया यह कार्यक्रम बेहद प्रशंसनीय है। इसलिए उनके केलिफोर्निया विधानसभा ने सन 2020 में सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया है । समिति का प्रयास होगा कि जिले में लाखों तथा देश में करोड़ों करोड़ों माता पिता पूजे जाएं। उक्त जानकारी समिति के अध्यक्ष मदन मोहन परसाई और मीडिया प्रभारी भगवानदीन साहू ने दी।

रविदास जयन्ती पर होगा परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह

छिंदवाड़ा। गुरु संत शिरोमणि रविदास जी के 638 वी जयंती का आयोजन की विस्तृत जानकारी हेतु डालसन होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया है जिसमें समाज के अध्यक्ष श्याम डोले कार्यकारी अध्यक्ष अशोक बिंझाड़े सचिव देवी प्रसाद झड़ाने समाज के प्रमुख संगठन प्रमुख उपस्थित होकर रविदास जयंती के संबंध में उसको मनाने के संबंध में समाज की जो रूपरेखा तैयारी की गई है उसका विस्तृत रूप से अवगत कराएंगेकार्यक्रम की जानकारी इस प्रकार रहेगी दिनांक 11 फरवरी 2025 को प्रातः प्रभात फेरी का आयोजन किया जावेगा प्रभात फेरी रविदास धाम खिरका मोहल्ला छिंदवाड़ा से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो से होती हुई पुनः रविदास धाम में समाप्त होगी रैली के बाद गुरु जी का अभिषेक अरदास आरतीग्रंथ साहिब का पाठ का संगीत में कार्यक्रम के साथ निशान साहब के चोला भेंट कर गुरु प्रसाद का वितरण किया जावेगा,गुरु रविदास धाम खरका मोहल्ला में दोपहर 2 बजे से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें रंगोली चित्रकला निबंध एवं सामान्य ज्ञान के कार्यक्रम होंगे जो समाज के वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में संपन्न होंगेदिनांक 12 फरवरी 2024 को महाराज जी की जयंती का मुख्य कार्यक्रम दशहरा।मैदान मेंहोगा गुरु जी की भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया है जो रामबाग से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो से रविदास धाम खिरका मोहल्ला पहुंचेगी पुनः धाम से प्रस्थान कर शोभायात्रा दशहरा मैदान पहुंचकर समाप्त होगी शोभा यात्रा में विभिन्न प्रकार के संगीत ढोल बाजे एवं आकर्षक नृत्य के साथ निकाली जावेगी शोभा यात्रा के दशहरा मैदानवे में पहुंचने पर गुरु जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर जयंती के कार्यक्रम का शुभारंभ होगा जिसमें युवक युति परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह का कार्यक्रम समाज के वरिष्ठ जनों द्वारा संपन्न कराया जाएगा

कांग्रेस ने जारी की जुन्नारदेव शहर कमेटी की कार्यकारिणी

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी के निर्देशानुसार कांग्रेस ने जुन्नारदेव शहर कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी घोषित की जिसमें संगठन से जुड़े पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है।जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे, जुन्नारदेव प्रभारी गोविंद राय, जुन्नारदेव विधायक सुनील उइके की सहमति उपरांत शहर कांग्रेस कमेटी जुन्नारदेव की कार्यकारिणी घोषित की गई है।जुन्नारदेव शहर कांग्रेस कमेटी में समन्वयक अलोक मुखर्जी एवं रमेश साहू मनोनीत किए गए हैं। अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी अरूणेश जायसवाल को सौंपी है। कार्य. अध्यक्ष पद पर शशीकांत मालवीया एवं संतोष जंघेला नियुक्त किए गए। **वरिष्ठ उपाध्यक्ष-** त्रिलोक बडोनिया, सुखलाल कैथवास, बलवंत माहोरे, अनवर खान, शिवराम चौरे व श्याम करमरकर को वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। **उपाध्यक्ष-** रामस्वरूप मुछोरिया, उस्मान खान, पवन विश्वकर्मा, विनोद लांजीवार, प्रेमलाल (श्याम यदुवंशी) व राजेन्द्र कनोजिया को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है।

विद्यार्थी सकारात्मक सोच के साथ अपना लक्ष्य की ओर बढ़े: जेके इड़पाचे

छिंदवाड़ा। तकनीकी शिक्षा,कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा जिला छिंदवाड़ा के मोहखेड़ खंड के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल कामठी मे कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह के निर्देशन में इम्प्लामेंट एक्सचेंज छिंदवाड़ा द्वारा भारत शासन की संकल्प योजनान्तर्गत आयोजित कैरियर काउंसलिंग में श्री जे.के.इड़पाचे(जिला परियोजना समन्वयक)छात्रों को प्रेरित करते बतलाया कि हमें वर्तमान समय की आवश्यकता को समझते हुए नई शिक्षा नीति के अनुरूप लक्ष्य की ओर आगे बढ़ाना है इसलिए अपना पूरा ध्यान पढ़ाई की ओर लगाते हुए अपने कार्य कौशल में दक्षता विकसित करें। आपने अपने जीवन से जुड़ी संघर्षों की कहानी भी विद्यार्थियों से शेयर किए। जिला रोजगार अधिकारी सुश्री माधुरी भलावी ने करियर मार्गदर्शन पर छात्रों से चर्चा करते हुए बतलाया कि शैक्षिक और कौशल स्तर के आधार पर करियर विकल्पों को तलाशे।कैरियर काउंसलिंग के माध्यम से सही करियर विकल्प चुनने में मदद मिलती है। सुश्री भलावी जी के द्वारा अडाप्ट शासकीय हाईस्कूल चारगाँव कर्बल की छात्रा कु.रोशनी तुमड़ाम(सलैया कला)को संस्कृत भाषा के जिला स्तरीय ओम्पियाड परीक्षा में शत-प्रतिशत प्राप्तांक लाने पर प्रोत्साहित किया गया। सीएम राइज विद्यालय गुरैया के शिक्षक चंदू विश्वकर्मा(कैरियर काउंसलर) ने छात्रों को उच्च शिक्षा,रोजगार एवं विभिन्न व्यवसायों की आवश्यकताओं के अनुसार प्रशिक्षण और कौशल से जुड़े टिप्स दिए। सुश्री आराधना पवार(कैरियर काउंसलर) ने तकनीकी,शैक्षिक,और व्यक्तिगत कौशल विकसित करने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। विषय विशेषज्ञ कैलाश सोनेवार ने छात्रों को उनके कौशल गुणवत्ता और अपनी रुचि के आधार पर ऐसे अवसरों की ओर अग्रसर होना चाहिए जिससे आप अपनी क्षमता के अनुसार बेहतर कार्यक्षेत्र में कार्य कर सकेंगे। युवाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजनाएँ प्रोत्साहित करती है,जिससे वे अपना स्वयं का व्यवसाय स्टार्टअप के माध्यम से कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें बिजनेस प्लान,वित्तीय सहायता और अन्य आवश्यक जानकारी दी।वर्तमान में करियर विकल्पों में ग्रीन जॉब्स, सोशलसेक्टर, ई कामर्स, मेडिकल साइंस एवं कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएं है।

युवा शक्ति मिशन से कौशल ज्ञान में वृद्धि होगी

युवा शक्ति मिशन पर कार्यशाला संपन्न

बैतूल। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जेएच कॉलेज में मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग के आदेश के परिपालन में युवा शक्ति मिशन पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला कार्यक्रम प्राचार्य डॉ.मीनाक्षी चौबे के संरक्षण में, राष्ट्रीय सेवा योजना जिला संगठक डॉ.सुखदेव डोंगरे के मार्गदर्शन में, डॉ.वीणा चिरोजे डेहरिया, डॉ.मनोज घोरसे की उपस्थिति में संपन्न हुई। कार्यशाला में पीपीटी एवं प्रोजेक्टर के माध्यम से मिशन के विषय में समझाया गया। इस मौके पर डॉ.सुखदेव डोंगरे ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन का शुभारंभ मप्र में 12 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर किया गया था। यह मिशन प्रदेश के युवाओं को उनके सपनों को साकार करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करेगा। डॉ.मीनाक्षी चौबे ने बताया कि युवा शक्ति मिशन का उद्देश्य राज्य के युवाओं के कौशल ज्ञान और समग्र विकास को बढ़ाने के अवसर प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना है। डॉ.वीणा डेहरिया ने कहा कि इस मिशन से युवाओं को उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने और उन्हें नौकरी के लिए स्वरोजगार के लिए तैयार करने के लिए कौशल विकास में सहयोग मिलेगा। सेमीनार का संचालन डॉ.दीपक मानकर एवं आभार प्रो.प्रहलाद कामड़ी द्वारा किया गया। कार्यशाला को सफल बनाने में भारत उइके, दुर्गा पुंडे, रूपेश काजले, वंशिका राठौर, उषा जावरकर, अर्पित बारस्कर, अनिषा वंजारे का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर सौ से अधिक विद्यार्थी मौजूद थे।

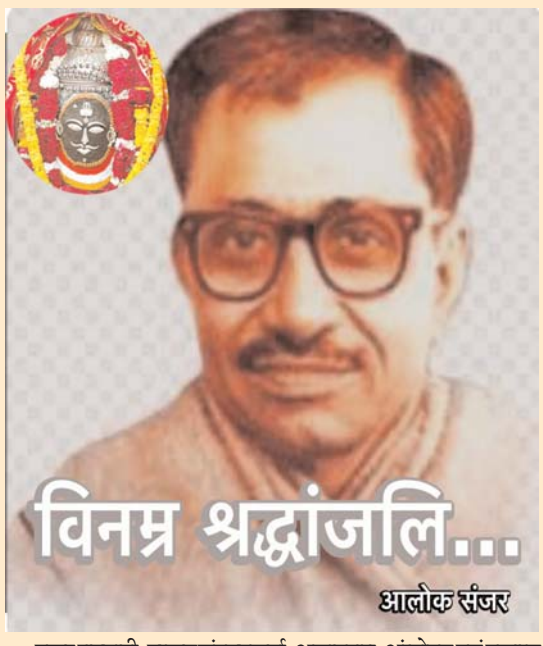

प्रखर राष्ट्रवादी, उत्कृष्ट संगठनकर्ता, अजातशत्रु, अंत्योदय एवं एकात्म मानवतावादी, अतीत, वर्तमान और भविष्य के पथ प्रदर्शक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर उनके श्री चरणों में बारंबार नमन

पंडित दीनदयाल जी का जीवन सादगी, निष्ठा, और त्याग का आदर्श हम सबके लिए उदाहरण है। राष्ट्र की सेवा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले बिरलो में से एक भारतीय जनसंघ के संस्थापक के रूप में उन्होंने एक सशक्त राष्ट्रवाद की नींव रखी थी जो आज भी भारतीय राजनीति में एक प्रेरणा का स्रोत है।एक सच्चे देशभक्त गहन विचारक, निःस्वार्थ सेवा और उनके एकात्मदर्शन के जो भी नज़दीक जायेगा वह सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के असली अर्थ को समझ पायेगा।

मेरी नन्ही कलम से आत्मीय विनम्र श्रद्धांजलि

- जय बाबा महाकाल जय बाबा चतुर्भुज ? श्री चित्रगुप्ताय वै नमः जय माँ माहेश्वरी जय बाबा नीम करौली जय गुरुदेव भगवन् जय माँ नर्मदे जय हिन्द जय मध्यप्रदेश जय भोपाल।

– आलोकिरण संजर

मप्र में ठंड से राहत, दिन-रात में पारा 5 डिग्री बढ़ा

दो दिन तापमान में बढ़ोतरी, 13 से सर्दी का एक और दौर

भोपाल। इन दिनों मध्यप्रदेश में ठंड से थोड़ी राहत मिली है। रात के बाद सोमवार को दिन के पारे में भी बढ़ोतरी देखने को मिली। गुना में एक ही दिन में पारा 5.4 डिग्री बढ़ गया। रतलाम-सिवनी में 33 डिग्री और मंडला में 33.5 डिग्री रहा। अधिकांश शहरों में पारा 30 डिग्री से ज्यादा ही रहा। ऐसा ही मौसम अगले 2 दिन और बना रहेगा। 13 फरवरी से सर्दी का दूसरा दौर आ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, मंगलवार को गर्मी का असर देखने को मिलेगा।

मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया, 8 फरवरी को एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) उत्तर भारत पहुंचा था। इसके असर के कारण प्रदेश में उत्तर से सर्द हवाएं चल रही थी, जो अब लौट गई है। अब राजस्थान के पास एक प्रेरित चक्रवात (इंड्यूस साइसर) बन गया है। इसके कारण हवा का रुख बदल कर दक्षिणी हो गया है। ऐसे में उत्तर से सर्द हवा नहीं आ रही है। जिससे दिन-रात के पारे में बढ़ोतरी देखने को मिली है।

भोपाल में 31 डिग्री के पार पहुंचा तापमान- सोमवार को दिन के तापमान में खासी बढ़ोतरी देखने को मिली है। गुना में 5.4 डिग्री बढ़कर यह 32.5 डिग्री पर आ गया। मंडला सबसे गर्म रहा और यहां पारा 33.5 डिग्री रहा। रतलाम और सिवनी में 33 डिग्री दर्ज किया गया। इसी तरह बैतूल, धार, नर्मदापुरम, खरगोन, दमोह, खजुराहो और सतना में 31 डिग्री के पार रहा। खंडवा में 32.1 डिग्री, सागर में 32.2 डिग्री, गुना में 32.5 डिग्री दर्ज हुआ।

बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 31.4 डिग्री, इंदौर में 30.4 डिग्री, उज्जैन में 30.8 डिग्री, ग्वालियर में 29.1 डिग्री और जबलपुर में तापमान 30.6 डिग्री दर्ज किया गया। इसी तरह रात के तापमान में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है।

जेट स्ट्रीम हवा का असर नहीं- प्रदेश में कुछ दिन पहले सर्द हवा की रफ्तार 36 से 40 किमी प्रतिघंटा तक पहुंच गई थी, लेकिन अब सर्द हवाएं नहीं आ रही है। इस वजह से गर्मी बढ़ गई है। फिलहाल जेट स्ट्रीम हवा का असर प्रदेश में नहीं है।

इस बार 2 महीने कड़ाके की ठंड, जनवरी में मिला-जुला असर

इस बार शुरुआती दो महीने यानी, नवंबर और दिसंबर में कड़ाके की ठंड पड़ी। ठंड ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। नवंबर की बात करें तो भोपाल में 36 साल का रिकॉर्ड टूटा। इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर में भी पारा सामान्य से 7 डिग्री तक नीचे रहा।

वहीं, दिसंबर में भी ठंड ने रिकॉर्ड तोड़ा। स्थिति यह रही कि पूरे प्रदेश में जनवरी से भी ठंडा दिसंबर रहा। भोपाल समेत कई शहरों में ठंड ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। 9 दिन शीतलहर चली। भोपाल में दिसंबर की सर्दी ने 58 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत कई जिलों में स्कूलों की टाइमिंग बदल दी गई है, जबकि भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में जानवरों को सर्दी से बचाने के लिए हीटर लगाए गए। भगवान को भी ठंड से बचाने के लिए जतन किए गए। अब बात जनवरी की। शुरुआत 10 से 15 दिन तक कड़ाके की ठंड का दौर रहा, लेकिन फिर तेवर ठंडे हो गए। ठंड के दो दौर आए, जबकि तीन बार मावठा गिरा। मौसम वैज्ञानिक डॉ. सिंह ने बताया, जनवरी में ठंड का असर जरूर रहा, लेकिन पिछले 10 साल के ट्रेंड के अनुसार तेज सर्दी नहीं पड़ी। पश्चिमी विक्षोभ की स्ट्रॉन्ग एक्टिविटी नहीं होने से तेज बारिश का दौर नहीं रहा। न ही ओले गिरे, जबकि जनवरी में ओला-बारिश का दौर भी रहता है।

फरवरी में 10 साल का ट्रेंड... तीनों मौसम का असर

प्रदेश में पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर डालें, तो फरवरी महीने में रातें ठंडी और दिन गर्म रहते हैं। बारिश का ट्रेंड भी है। इस बार भी ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री के पार रहेगा, जबकि रात में 10 से 14 डिग्री के बीच रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, फरवरी में सबसे ज्यादा ग्वालियर ठिठुरता है। पिछले साल यहां न्यूनतम तापमान 6.1 डिग्री तक पहुंचा था, लेकिन इससे पहले 5 डिग्री के नीचे ही रहा है। जबलपुर में दिन में गर्मी और रात में ठंड रहती है।

बरखेड़ा पठानी से कृष्ण राधा कृष्ण मंदिर से तमिल समाज द्वारा आज कार्तिकेय जयंती पर कलश यात्रा निकाली गई।

मोहन यादव से मिले कॉमेडियन कपिल शर्मा

भोपाल में कुछ हफ्ते करेंगे शूटिंग; कहा- पूरा मप्र प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण

भोपाल। कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा सोमवार को भोपाल में मुख्यमंत्री निवास पहुंचे। एक्टर कपिल शर्मा ने सीएम डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। सीएम हाउस में एक्टर कपिल शर्मा और मुख्यमंत्री के बीच करीब आधे घंटे तक चर्चा हुई।

एक्टर कपिल शर्मा ने सीएम को बताया कि वे एक फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में कुछ सप्ताह भोपाल में रहेंगे। कपिल शर्मा ने कहा कि भोपाल न सिर्फ खूबसूरत शहर है बल्कि पूरा मध्यप्रदेश प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण है। यहां फिल्म बनाने के लिए शासन-प्रशासन और सामाजिक स्तर पर अनुकूल वातावरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कपिल शर्मा को शुभकामनाएं दीं।

स्कूलों की मान्यता की आखरी डेट खत्म

प्रदेश के 6 हजार से अधिक स्कूलों ने नहीं किया आवेदन, भोपाल के 232 बाकी

भोपाल। मध्य प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग और राज्य शिक्षा केंद्र के नए नियमों के कारण हजारों निजी स्कूलों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। निजी स्कूल संगठन के अध्यक्ष अजीत सिंह का कहना है कि विभाग की कठोर शर्तों और प्रशासनिक लापरवाही के चलते कई विद्यालयों की मान्यता अधर में लटकी हुई है। प्रदेशभर में करीब 20त्न स्कूल अब तक मान्यता के लिए आवेदन नहीं कर पाए हैं, जिनकी संख्या 6,000 से अधिक है।

भोपाल में 1400 स्कूलों में से 232 स्कूलों ने मान्यता के लिए आवेदन नहीं किया है। वहीं राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी करने से बच रहे हैं।

अगर यह हालात रहे तो 18,000 निजी स्कूल बंद हो सकते हैं, जिससे लाखों बच्चों की शिक्षा प्रभावित होगी, खासकर उन छात्रों की जिनका नाम कम शुल्क वाले विद्यालयों में है। अजीत सिंह के अनुसार, जिन स्कूलों ने आवेदन किया है, उनमें भी कई स्कूलों के पास दस्तावेज़ पूरे नहीं हैं या वे नए नियमों का पालन नहीं कर पा रहे हैं। इस मुद्दे पर सरकार और विभाग की चुप्पी बनी हुई है।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने समाज से अपील की है कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को बचाने के लिए इस समस्या का हल जल्द निकाला जाए। यदि समय रहते यह मुद्दा हल नहीं हुआ तो हजारों स्कूल बंद हो जाएंगे और लाखों बच्चों का भविष्य अंधकार में चला जाएगा।

निजी विद्यालयों के संचालकों का आरोप है कि जहां सरकार निजी स्कूलों पर सख्ती कर रही है, वहीं सरकारी स्कूलों की हालत में कोई सुधार नहीं हो रहा है। अजीत सिंह ने कहा कि 40त्न सरकारी स्कूलों में बिजली नहीं है, 25त्न में शौचालय की सुविधा नहीं है, कई स्कूलों में शिक्षक की कमी है और कहीं-कहीं छात्रों की संख्या भी कम हो रही है।

इस बीच, एसोसिएशन ने यह भी चेतावनी दी है कि सरकार के नए नियमों की जटिलता के कारण सवा लाख से अधिक कर्मचारी बेरोजगारी की कगार पर पहुंच सकते हैं।

भोपाल में बीजेपी ऑफिस के सामने स्कूल संचालकों का धरना- मध्यप्रदेश में प्राइवेट स्कूलों के मान्यता नियमों में बदलाव को लेकर मंगलवार को स्कूल संचालकों ने बीजेपी ऑफिस के सामने धरना दिया। करीब दो घंटे तक वे ऑफिस के बाहर डटे रहे, फिर लौट गए। अब वे शिक्षा मंत्री से भी मिलेंगे।

ईडी को आज मिलेगी सौरभ, चेतन, शरद की रिमांड

52 किलो सोना, 11 करोड़ कैश समेत अन्य प्रापर्टी को लेकर तीनों से होगी पूछताछ

भोपाल। आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियों को कोर्ट आज ईडी को रिमांड पर सौंपेगी। ईडी के आवेदन के बाद कोर्ट ने जेल पुलिस को तीनों ही आरोपियों सौरभ शर्मा, चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल को न्यायालय में पेश करने के आदेश दिए थे। जिन्हें आज सुबह कोर्ट में पेश किए जाने के बाद कोर्ट ने पूछताछ के लिए तीनों को ईडी को सौंपने के आदेश देगी।

इसके बाद ईडी की टीम इनसे इनोवा कार में मिले 52 किलो सोना, 11 करोड़ रुपए कैश समेत अन्य करोड़ों रुपए की संपत्ति के मामले में पूछताछ करेगी।

परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियों चेतन सिंह गौर तथा शरद जायसवाल के खिलाफ विशेष न्यायाधीश ईडी संतोष कुमार कोल की अदालत में ईडी ने याचिका लगाकर प्रोटेक्शन वारंट मांगा था। इसके बाद कोर्ट ने केंद्रीय जेल के अधीक्षक को तीनों ही आरोपियों को मंगलवार को कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया। ईडी के अधिकारियों ने सोमवार को अदालत में याचिका पेश कर कहा कि आरोपी केंद्रीय जेल में न्यायिक हिरासत में बंद हैं। पूछताछ करने के लिए प्रोटेक्शन वारंट जारी कर केंद्रीय जेल के अधीक्षक को निर्देश दिए जाएं कि वह आरोपियों को अदालत में पेश करें। कोर्ट के आदेश के बाद आज इन्हें अदालत में पेश किया गया।

तीन दिन तक लगातार पूछताछ के बाद लगाया आवेदन

4 फरवरी को सौरभ शर्मा, शरद जायसवाल और चेतन सिंह गौर को लोकायुक्त पुलिस संबंधी मामलों की अदालत में न्यायाधीश आरपी मिश्रा के कोर्ट में पेश किया गया था। इसके बाद कोर्ट ने तीनों को 17 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश दिए थे। तीनों को न्यायिक हिरासत में भेजने के बाद ईडी ने 5 फरवरी, 6 फरवरी और 7 फरवरी तक लगातार तीन दिनों तक सौरभ, चेतन और शरद से अलग-अलग और आमने-सामने बिठाकर जेल पुलिस की मौजूदगी में पूछताछ की थी। अभी भी कई सवाल अनसुलझे हैं जिसके जवाब ईडी को नहीं मिल पाए हैं। इसलिए ईडी ने अदालत से आरोपियों को पूछताछ के लिए रिमांड पर देने का आवेदन लगाया है।

सरपंची ठेके पर देने वाली महिला सरपंच बर्खास्त

नीमच में 500 रुपए के स्टांप पर किया था एग्रीमेंट; ठेकेदार को दिए थे काम के अधिकार

नीमच। नीमच जिले की दाता ग्राम पंचायत में 500 रुपए के स्टांप पेपर पर एक ठेकेदार को सरपंची सौंपने वाली महिला सरपंच को पद से हटा दिया गया है। सोमवार को जिला पंचायत के सीईओ अमन वैष्णव ने सरपंच कैलाशी बाई कछावा को पद से बर्खास्त करने का आदेश जारी किया।

दरअसल, नीमच जिले की मनासा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत दांता में कैलाशी बाई सरपंच थी। आरोप लगा कि उन्होंने 500 रुपए के स्टांप पर गांव के ही सुरेश गरासिया को सरपंची सौंप दी। इस बारे में 24 जनवरी को एग्रीमेंट हुआ। एग्रीमेंट की कॉपी भी सोशल मीडिया पर सामने आई। एग्रीमेंट में गवाह के रूप में गांव के सदाराम, मन्नालाल के साइन हैं। साथ ही सुरेश के साइन और सरपंच का सील-साइन भी है।

इस मामले के मीडिया में आने के बाद सभी सबूतों और दस्तावेजों की गहन जांच की गई। जिसके बाद जिला पंचायत सीईओ ने धारा 40 के तहत कार्रवाई करते हुए सोमवार को सरपंच को तत्काल प्रभाव से पद से हटाने का आदेश जारी किया।

एग्रीमेंट में लिखा-सरपंच के अधिकार ठेकेदार को सौंप रही

एग्रीमेंट में लिखा है कि महिला सरपंच अपने काम पूरे नहीं कर पा रही हैं, इसलिए सरपंच के अधिकार ठेकेदार सुरेश को सौंप रही हैं। ये देश में पहला मामला है जब संपत्ति की तरह सरपंची ट्रांसफर के कागजात सामने आए। एग्रीमेंट में ये भी लिखा है कि सुरेश पिता मांगीलाल गरासिया मेरे स्थान पर कार्य कर सकेंगे, जिसमें मुझे या अन्य किसी को कोई आपत्ति नहीं होगी। आपत्ति की स्थिति में इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी मेरी होगी। जब तक मैं सरपंच रहूंगी, तब तक सभी कार्य सुरेश गरासिया के द्वारा किए जाएंगे। आपके कार्य के बीच में कभी दखल नहीं दिया जाएगा। न ही किसी प्रकार की कोई आनाकानी की जाएगी। जब भी सरपंच के हस्ताक्षर की जरूरत होगी, मैं वहां आपकी सहमति से अपने हस्ताक्षर करूंगी। मनरेगा, पीएम आवास, वाटर शेड सहित शासन के सभी काम सुरेश ही देखेगा। अगर अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन होता है तो सरपंच चार गुना हर्जाना भी भरेंगी। गवाह के रूप में मन्नालाल का नाम लिखा है। मन्नालाल गांव के पूर्व सरपंच हैं। सुरेश का कहना है कि वो कैलाशी बाई के रिश्ते में हैं, इसलिए उनका नाम लिखा है। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद दोनों पक्ष ने एग्रीमेंट को मानने से इनकार किया था।

सरपंच के आधार कार्ड का उपयोग कर खरीदा था स्टांप पेपर

जांच के दौरान, जब गवाहों से पूछताछ की गई तो उन्होंने इस अनुबंध की जानकारी से इनकार कर दिया। स्वयं सरपंच ने भी एग्रीमेंट को फर्जी बताते हुए इससे किसी भी तरह का संबंध होने से मना कर दिया। हालांकि, जांच में यह स्पष्ट हुआ कि स्टांप पेपर कैलाशी बाई के आधार कार्ड का उपयोग करके खरीदा गया था।

बच्ची से रेप के दोषी को 20 साल की सजा

भोपाल की कोर्ट ने सुनाया फैसला; मां की दोस्त के पति ने की थी ज्यादती

भोपाल। भोपाल में चार साल की बच्ची से ज्यादती के मामले में कोर्ट ने दोषी को 20 साल की सजा सुनाई है। करीब ढाई साल पहले के इस मामले में कुमुदिनी पटेल विशेष न्?यायाधीश पॉक्?सो एक्?ट ने सोमवार को फैसला सुनाया। दोषी का नाम लोकेश धुर्वे है, वह पीड़ित बच्ची की मां की दोस्त का पति है। पुलिस ने आरोपी को वारदात के अगले दिन 2 जून 2022 को गिरफ्तार किया था।

बच्ची को अपनी दोस्त के घर छोड़ गई थी मां- ज्यादती का ये मामला राजधानी भोपाल के मिसरोद इलाके का है। जानकारी के मुताबिक, 1 जून 2022 को शाम 5ः30 बजे बच्ची की मां क?लीनिक पर गई थी। इस बीच बच्ची को अपनी दोस्?त के घर छोड़ गई थी। यह दोस्त बच्ची को ट्यूशन भी पढ़ाती थी। लिहाजा बच्ची उसके पास ठहर जाया करती थी। घटना की शाम को महिला ने लौटने के बाद बच्ची को लिया घर चली गई।

नहलाने के दौरान बच्ची ने की दर्द की शिकायत- इन दिनों गर्मी अधिक थी, बच्ची की मां ने उसे नहलाना चाहा। इस बीच बच्ची ने प्राइवेट पार्ट में दर्द की शिकायत की। पूछताछ में बच्ची ने मां को बताया कि, लोकेश अंकल ने उसके प्राइवेट पार्ट में बेड टच किया है। इससे उसे दर्द हो रहा है। जिसके बाद पीड़िता की मां बेटी को लेकर थाने पहुंची और शिकायत दर्ज करा दी।

भोपाल में डेढ़ हजार स्थानों पर अधिक दरों पर रजिस्ट्रियां

भोपाल। शहर में डेढ़ हजार से अधिक स्थानों पर बढ़ीं हुई दरों पर रजिस्ट्रियां हुई हैं। इन पर प्रापर्टी के दाम बढ़ाए जा सकते हैं। दरअसल पंजीयन और राजस्व विभाग के अधिकारियों के द्वारा एआई की मदद से सर्वे किया जा रहा है। इस सर्वे के आधार पर ही कलेक्टर गाइडलाइन 2025-26 के प्रस्ताव को तैयार किया जाएगा। पंजीयन विभाग के सूत्रों के अनुसार,वित्तीय वर्ष 2024-25 में दो हजार से अधिक स्थानों पर सर्वाधिक रजिस्ट्रियां हुई हैं। इनमें से शहरी क्षेत्र में एक हजार 500 और ग्रामीण क्षेत्र करीब 500 स्थान शामिल हैं। बता दें कि पिछले साल दूसरी बार प्रापर्टी के दाम बढ़ाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया था लेकिन बिल्डर और जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गए विरोध के चलते इस पर रोक लग गई थी लेकिन अब नये सिरे से गाइडलाइन तैयार की जा रही है।

इन क्षेत्रों में दोगुनी दरों पर रजिस्ट्रियां

- शहर के मुख्य क्षेत्रों में तो शुरू से ही प्रापर्टी की खरीद-फरोख्त जारी है और बढ़े हुए दामों के अनुसार ही रजिस्ट्री की जा रही है।
- इनमें बैरसिया रोड, लांबाखेड़ा,ईंटखेड़ी, जगदीशपुर, देवलखेड़ी, इमलिया, सेमरा, श्यामपुर, मालीखेड़ी, दामखेड़ा, कोलुआ, बिलखिरिया, खजूरी कलां, अचारपुरा, अरवलिया, परवलिया, नीलबड़, ईंटखेड़ी छाप, रातीबड़, सिकंदराबाद, समरधा, फंदा, खजूरी सड़क, परवलिया सड़क सहित आसपास के क्षेत्र शामिल हैं।

एमपी के लिए 472 पीएम ई बसों की प्रोसेस कंप्लीट

ग्रीन सेल मोबिलिटी करेगी सप्लाई; फर्स्ट फेज में दौड़ेंगी 9 मीटर स्टैंडर्ड फ्लोर एसी बसें

भोपाल। मध्यप्रदेश के लिए 4588 इलेक्ट्रिक बसों में से 472 पीएम ई बसों को मंजूरी मिल गई है। ये पीएम ई बसें कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेस लिमिटेड (सीईएसएल) के माध्यम से राज्य सरकार को मिलेंगी। जिसे नगरीय निकायों को संचालन के लिए सौंपा जाएगा। इन बसों के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के बाद सीईएसएल ने राज्य शासन को बसों के मंजूरी की जानकारी दी है। जिसके बाद राज्य सरकार बसों को बुलाकर नगरीय निकायों को संचालन की जिम्मेदारी सौंपेगी।

सीईएसएल के प्रबंध निदेशक और पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी विशाल कपूर ने नगरीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला को पत्र लिखकर बसों की मंजूरी की जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि, पीएम इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए एमपी सरकार की टेक्निकल और फाइनेंशियल बिड को मंजूरी मिल गई है। जिसमें एल-वन कैटेगरी के बिडर ग्रीन सेल मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी को इसकी मंजूरी मिली है।

ग्रीन सेल मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड एमपी में बसों की आपूर्ति करेगी। यह बसें 9 मीटर स्टैंडर्ड फ्लोर एसी बसें होंगी। एमपी के लिए कुल 4588 ईवी बसों के लिए 14 मार्च 2024 को बस कांट्रेक्टर फॉर प्रोक्योरमेंट सप्लाई, आपरेशन एंड मेंटेनेंस बिड कराई गई थी। जिसे 2 जनवरी 2025 को मंजूरी दी गई है। बसों के संचालन के लिए 58.14 रुपए प्रति किमी के आधार पर मंजूरी दी गई है।

समिति का गठन कर तय करेंगे संचालन व्यवस्था- अब तक ई बसों के संचालन को लेकर जो फैसले हुए हैं। उसके अनुसार राज्य शासन द्वारा ई-बसों के संचालन के लिए स्थानीय स्तर पर एक समिति गठित की जाएगी। दूसरी ओर केंद्र सरकार का दावा है कि ई बसों के संचालन के बाद यात्री किराए में तीस फीसदी तक की कमी हो सकती है। इसके साथ ही डीजल पर निर्भरता भी घटेगी और प्रदूषण रोकने में भी आसानी होगी।

पिछले साल फरवरी में मोहन कैबिनेट ने दी थी मंजूरी

मोहन सरकार ने फरवरी 2024 के अंतिम सप्ताह में हुई कैबिनेट में प्रदेश के 6 बड़े शहरों में इलेक्ट्रिक बसें चलाने का फैसला लिया था। उसमें भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और सागर नगर निगम क्षेत्र शामिल हैं। कैबिनेट ने यहां 552 ई बसों का संचालन करने का फैसला किया था। एमपी सरकार प्रधानमंत्री ई-बस योजना के अंतर्गत इन बसों का संचालन करेगी। इसमें तय हुआ था कि केंद्र सरकार बसें उपलब्ध कराएगी और 12 साल के लिए ऑपरेशनल एंड मेंटेनेंस कॉस्ट भी देगी।